@Qpatrika
@qaumipatrika hindi
instagram.com/ qaumipatrika

कौमी पत्रिका
राष्ट्रीय दैनिक अखबार

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित
शनिवार, 8 मार्च 2025

VISIT:
www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक - गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 18 अंक 118 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

मोदी ने सूरत में खाद्य सुरक्षा संतृप्ति अभियान का शुभारंभ किया

सिम्मी कौर बब्बर

सूरत, 7 मार्च। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को सूरत में खाद्य सुरक्षा संतृप्ति अभियान का शुभारंभ किया। उन्होंने कहा कि यह संतृप्ति अभियान तुष्टिकरण की भावना को छोड़कर संतुष्टिकरण की भावना को आगे बढ़ाएगा। पीएम मोदी ने कहा कि सूरत अनेक मामलों में गुजरात और देश का एक अग्रणी शहर है। सूरत आज गरीब और वंचित को भोजन और पोषण की सुरक्षा देने में आगे निकल रहा है। यहां आज जो खाद्य सुरक्षा संतृप्ति अभियान चलाया गया है। यह दूसरे जिलों और राज्यों के लिए भी प्रेरणा बनेगा। उन्होंने कहा कि यह अभियान सुनिश्चित करता है कि न कोई भेदभाव, न कोई छूटे, न कोई रूठे और न कोई किसी को ठगे। यह अभियान तुष्टिकरण की भावना को छोड़कर संतुष्टिकरण की भावना को आगे बढ़ाएगा। जब सरकार ही लाभार्थी के दरवाजे पर जा रही है, तो कोई छूटेगा कैसे और जब कोई छूटेगा नहीं तो कोई रूठेगा कैसे। जब सोच यह हो कि हमें सब तक लाभ पहुंचाना है, तो ठगने वाले दूर भाग जाते हैं। पीएम मोदी ने कहा कि मुझे संतोष है कि हमारी सरकार गरीबों की सच्ची साथी बनकर खड़ी है। कोविड महामारी के दौरान जब भारत को महत्वपूर्ण सहायता की आवश्यकता थी, तब गरीबों को उचित भोजन मिले, इसके लिए गरीब कल्याण योजना शुरू की गई। यह अपनी तरह की दुनिया की सबसे बड़ी योजना है। मुझे इस बात की भी खुशी है कि गुजरात सरकार ने इस पहल का विस्तार किया है। आज केंद्र सरकार गरीब के घर का चूल्हा जलता रहे, इसके लिए दो लाख करोड़ रुपये से अधिक खर्च कर रही है। पीएम ने कहा कि विकसित भारत की यात्रा में पौष्टिक भोजन की बड़ी भूमिका है। हमारा लक्ष्य देश के हर परिवार को पर्याप्त पोषण देना है ताकि कुपोषण और एनीमिया जैसी बड़ी समस्याओं से देश मुक्त हो सके। आज दुनिया भर के कुछ सबसे बड़े संगठन इस बात को स्वीकार करते हैं कि स्वच्छ भारत अभियान ने गांवों में बीमारियों को कम करने में मदद की है। हर घर जल अभियान ने भी बीमारियों को कम करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उन्होंने कहा कि पहले एक जगह का राशन कार्ड दूसरी जगह नहीं चलता था। हमने इस समस्या का समाधान किया। हमने वन नेशन वन राशन कार्ड लागू किया। अब राशन कार्ड चाहे कहीं

का भी हो, लाभार्थी को उसका फायदा देश के हर शहर में मिलता है। देश में पांच करोड़ से ज्यादा फर्जी राशन कार्ड धारक थे। हमारी सरकार ने उन्हें सिस्टम से हटा दिया। हमने राशन सिस्टम को आधार कार्ड से जोड़ा। बीते दशक में पूरे देश में हमने गरीब को सशक्त करने के लिए मिशन मोड पर काम किया। गरीब के इर्द गिर्द एक सुरक्षा कवच बनाया गया ताकि उसे किसी के सामने भी हाथ फैलाने की नौबत न आए। पक्का घर हो, शौचालय हो, गैस कनेक्शन हो, नल कनेक्शन हो। इससे गरीबों को नया आत्मविश्वास मिला। बीमा का एक सुरक्षा कवच गरीब परिवार को दिया गया। पहली बार करीब 60 करोड़ भारतीयों को 5 लाख रुपये तक का मुफ्त इलाज सुनिश्चित किया। हमारी सरकार ने गरीब को, निम्न मध्यम वर्ग को बीमा का सुरक्षा कवच भी दिया। आज देश में 36 करोड़ से ज्यादा लोग सरकारी बीमा योजनाओं से जुड़े हैं और अब तक 16,000 करोड़ रुपये से ज्यादा क्लेम राशि के रूप में इन परिवारों को दिया जा चुका है। पीएम मोदी ने कहा कि पहले बैंक वाले गरीब से गारंटी मांगते थे, लेकिन वे गारंटी कैसे दे सकते थे? इसलिए मोदी ने गरीबों की गारंटी खुद ली और मुद्रा योजना शुरू की।

रणवीर अल्लाहबादिया-अपूर्वा ने महिला आयोग से माफी मांगी

मुंबई, 7 मार्च। समय रैना के शो 'इंडियाज गॉट लैटेंट' में की गई अश्लील टिप्पणी, मजाक को लेकर रणवीर अल्लाहबादिया और अपूर्वा मुखीजा लंबे समय से पुलिस शिकायतों और सोशल मीडिया पर मिल रही आलोचना का सामना कर रहे हैं। हाल ही में दोनों को महिला आयोग ने भी बुलाया और अश्लील टिप्पणी वाले मामले पर उनके बयान दर्ज किए। अब खबर है कि रणवीर और अपूर्वा ने अपने किए की माफी महिला आयोग के सामने मांग ली है। यूट्यूबर रणवीर अल्लाहबादिया और अपूर्वा मुखीजा ने 'इंडियाज गॉट लैटेंट' पर की गई अपनी आपत्तिजनक टिप्पणियों के लिए एनसीडब्ल्यू यानी नेशनल वूमेन कमिशन से लिखित में माफी मांगी है। पैनल की अध्यक्ष विजया राहतकर ने शुक्रवार कहा कि ऑनलाइन शो पर की गई टिप्पणियां बिल्कुल स्वीकार्य नहीं हैं। शुक्रवार को महिला आयोग ने प्रेस कॉन्फ्रेंस की। एनसीडब्ल्यू चेयरपर्सन ने कहा, 'चार लोग आयोग के समक्ष पेश हुए, जिसमें तुषार पुजारी, सौरभ बोथरा, अपूर्व मुखीजा और रणवीर अल्लाहबादिया शामिल रहे।' विजया राहतकर आगे कहती हैं, 'आयोग ने स्पष्ट किया है कि गलत भाषा के इस्तेमाल को बिल्कुल स्वीकार नहीं किया जाएगा। इन सभी लोगों ने भी अपनी टिप्पणियों पर खेद व्यक्त किया है और कहा कि उन्हें इस तरह से बात नहीं करनी चाहिए थी। साथ ही उन्होंने लिखित माफी भी पेश की है। साथ ही कहा है कि यह पहली और आखिर बार है, ऐसी गलती अब नहीं होगी। रणवीर अल्लाहबादिया ने कहा है कि वह महिलाओं के प्रति सम्मान से बात करेंगे।' स्टैंडअप कॉमेडियन समय रैना इंडियाज गॉट लैटेंट नाम का एक शो चलाते हैं। इस शो में अलग-अलग फील्ड के जज बुलाए जाते हैं, वो प्रतियोगियों को जज करते हैं। उन पर टिप्पणी पर भी करते हैं। हाल ही में समय रैना के इस शो पर बतौर जज आए यूट्यूबर रणवीर ने एक विवादित और अश्लील टिप्पणी की। इसके बाद से सोशल मीडिया पर उनके खिलाफ बातें होने लगी। साथ ही पुलिस में शिकायत भी दर्ज हुई। कोर्ट ने भी फटकार लगाई।

विकास का लाभ समाज के वंचित वर्ग तक पहुंचाएं: राष्ट्रपति मुर्मू

कौमी संवाददाता

नई दिल्ली, 7 मार्च। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने शुक्रवार को राष्ट्रपति भवन में राज्य प्रशासनिक सेवा के अधिकारियों के एक समूह को संबोधित किया। राष्ट्रपति ने उनको सलाह दी कि विकास का लाभ समाज के सभी वर्गों और खासकर वंचित लोगों तक पहुंचना चाहिए। अधिकारियों को अपने कामकाज में स्थिरता और समावेशिता के सिद्धांत का पालन करना चाहिए। उन्होंने अफसरों को प्रशासनिक कामकाज और सरकारी नीतियों-कार्यक्रमों के क्रियान्वयन के दौरान राष्ट्रीय और समावेशी दृष्टिकोण अपनाने की सलाह दी। राष्ट्रपति ने कहा कि शासन का सार लोगों की जरूरतों के प्रति जवाबदेही और संवेदनशीलता में है। साथ ही, विकास का लाभ समाज के सभी वर्गों, खासकर वंचितों और हाशिए पर पड़े लोगों तक पहुंचना चाहिए। मसूरी के लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी में 126वें प्रेरण

प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग ले अधिकारियों को राष्ट्रपति ने पदोन्नति और भारतीय प्रशासनिक सेवा में शामिल होने पर बधाई दी। द्रौपदी मुर्मू ने कहा कि अधिकारियों को अपनी नई भूमिका में उदाहरण पेश करना चाहिए और अपने आसपास के लोगों को सार्वजनिक सेवा के लिए प्रयास करने के लिए प्रेरित करना चाहिए। नागरिक-केंद्रित प्रशासन लोगों के कल्याण को प्राथमिकता देता है इसमें गरीबों और वंचितों पर ध्यान केंद्रित किया जाता है। उन्होंने भावी अफसरों को सलाह दी कि नीतियों और कार्यक्रमों को इस तरह से लागू किया जाए कि लोगों की चिंताओं को कम किया सके। वे जो निर्णय लेते हैं और जो नीतियां लागू करते हैं, उनसे देश और लोगों के विकास में योगदान मिलना चाहिए। राष्ट्रपति ने कहा कि जब जलवायु परिवर्तन और पर्यावरण क्षरण की चुनौतियों से निपटा जाता है, तो पर्यावरण के अनुकूल पहलों को बढ़ावा देना आवश्यक है।

राष्ट्रीय स्मृति स्थल पर बनेगा पूर्व पीएम मनमोहन सिंह का स्मारक

नई दिल्ली, 7 मार्च। पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह का स्मारक राष्ट्रीय स्मृति स्थल पर ही बनेगा। इसे पूर्व राष्ट्रपति प्रणव मुखर्जी के स्मारक के पास बनाया जाएगा। बताया जाता है कि पूर्व पीएम के परिवार ने स्मारक को लेकर सहमति जता दी है। बताया जाता है कि मनमोहन सिंह के परिजनों ने आवास एवं शहरी विकास मंत्रालय को पत्र लिखकर प्रस्तावित स्थल को मंजूरी दे दी है। परिवार ने विभाग को स्वीकृति पत्र भेज दिया है। पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह का 26 दिसंबर को निधन हो गया था। दिल्ली के निगम बोध घाट पर राजकीय सम्मान के साथ

उनका अंतिम संस्कार किया गया। इसके बाद से पूर्व पीएम के स्मारक स्थल को लेकर विवाद शुरू हो गया था। पिछले दिनों सरकार ने पूर्व पीएम मनमोहन सिंह के स्मारक स्थल को लेकर जगह की तलाश शुरू कर दी थी। इसके लिए राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति और प्रधानमंत्रियों के अंतिम संस्कार के लिए निर्धारित स्थान राष्ट्रीय स्मृति स्थल, पूर्व पीएम चौधरी चरण सिंह के स्मारक किसान घाट के पास, संजय गांधी की समाधि के पास जमीन देखी थी। इसके अलावा पूर्व पीएम की तीन बेटियों और उनके पतियों ने भी प्रस्तावित स्मारक स्थल का दौरा किया था। सरकार की ओर से पूर्व पीएम के स्मारक के लिए राष्ट्रीय स्मृति स्थल पर प्रस्तावित किया गया स्थान लगभग 900 वर्ग मीटर में फैला है। यहां कई पूर्व प्रधानमंत्रियों और राष्ट्रपतियों के स्मारक हैं। पूर्व राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी का स्मारक मनमोहन सिंह के लिए प्रस्तावित स्थल के पास ही है। स्मारक बनने से पहले पूर्व पीएम मनमोहन सिंह की याद में ट्रस्ट बनाया जाएगा। ट्रस्ट के नाम पर ही स्मारक स्थल की भूमि का हस्तांतरण होगा।

वायुसेना का लड़ाकू विमान जगुआर क्रैश

पंचकूला, 7 मार्च। हरियाणा के पंचकूला स्थित मोरनी के बालदवाला गांव के पास शुक्रवार को भारतीय वायुसेना का लड़ाकू विमान जगुआर दुर्घटनाग्रस्त हो गया। भारतीय वायुसेना के अधिकारी ने बताया कि विमान ने प्रशिक्षण उड़ान के लिए अंबाला एयरबेस से उड़ान भरी थी। पायलट पैराशूट से उतरकर अपनी जान बचाने में कामयाब रहा। अधिकारी ने बताया कि इस दुर्घटना की जांच के आदेश दे दिए गए हैं। हालांकि माना जा रहा है कि विमान तकनीकी खराबी के कारण हादसे का शिकार हुआ है।

तीन महीने में सुलझाएंगे दशकों पुरानी समस्या: चुनाव आयोग

नई दिल्ली, 7 मार्च। चुनाव आयोग (ईसी) ने शुक्रवार को कहा कि वह दशकों पुरानी डुप्लिकेट मतदाता पहचान पत्र (ईपीआईसी) नंबरों की समस्या को अगले तीन महीने में हल कर लेगा। चुनाव आयोग ने एक बयान में कहा कि भारत के चुनावी रजिस्टर दुनिया का सबसे बड़ा मतदाता डेटाबेस है, जिसमें 99 करोड़ से अधिक मतदाता पंजीकृत हैं। चुनाव आयोग ने एक बयान में कहा, डुप्लिकेट ईपीआईसी नंबरों के मामले में आयोग ने पहले ही संज्ञान लिया है। ईपीआईसी नंबर चाहे जैसा भी हो, एक मतदाता जो एक विशेष मतदान केंद्र के चुनावी रजिस्टर से जुड़ा हुआ है, केवल उसी मतदान केंद्र पर मतदान कर सकता है, और कहीं नहीं। आयोग ने आगे कहा कि उसने इस लंबित मुद्दे को अगले तीन महीने में तकनीकी टीमों और संबंधित राज्य मुख्य चुनाव अधिकारियों के साथ विस्तृत चर्चा के बाद हल करने का निर्णय लिया है। इस प्रक्रिया के तहत डुप्लिकेट ईपीआईसी नंबर वाले मतदाताओं को एक विशेष राष्ट्रीय ईपीआईसी नंबर प्रदान किया जाएगा। नया सिस्टम भविष्य के मतदाताओं के लिए भी लागू होगा। पश्चिम बंगाल में सत्ताधारी दल तृणमूल कांग्रेस ने कई राज्यों में डुप्लिकेट मतदाता पहचान पत्र नंबरों का मुद्दा उठाया और चुनाव आयोग पर कवर-अप का आरोप भी लगाया है। टीएमसी के एक प्रतिनिधिमंडल ने गुरुवार को कोलकाता में चुनाव आयोग के अधिकारियों से मुलाकात की और एक ही मतदाता फोटो पहचान पत्र (ईपीआईसी) नंबर के बारे में अपनी शिकायतें दर्ज कराईं। चुनाव आयोग के अधिकारियों के साथ बैठक के बाद पश्चिम बंगाल के मंत्री और कोलकाता मेयर फिरहाद हकीम ने पत्रकारों से कहा कि प्रत्येक मतदाता के पास एक विशिष्ट पहचान पत्र संख्या होनी चाहिए और उन्होंने इसे सुनिश्चित करने के लिए भौतिक सत्यापन की मांग की।

कर्नाटक के सीएम सिद्धारमैया ने पेश किया राज्य का बजट

सौरभ शर्मा

नई दिल्ली, 7 मार्च। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने विधानसभा में अपना रिकॉर्ड 16वां बजट पेश किया। इस बार अपने बजट भाषण में सिद्धारमैया ने सामाजिक न्याय पर जोर दिया है। बजट पेश करने से पहले सीएम सिद्धारमैया बजट दस्तावेज लेकर विधानसभा पहुंचे। उनके साथ उनके कैबिनेट के अन्य सदस्य भी मौजूद थे। इस बीच, कर्नाटक के नेता प्रतिपक्ष आर अशोक ने दावा किया कि सीएम सिद्धारमैया का यह आखिरी बजट है, क्योंकि अब उनकी कुर्सी जाने वाली है। दूसरी ओर, डीके शिवकुमार ने बजट से पहले विपक्षी दल पर हमला करते हुए कहा, कर्नाटक पर बोलने का उनके पास कोई नैतिक अधिकार नहीं है। केंद्रीय बजट में कर्नाटक को कुछ भी नहीं दिया गया... उन्हें शर्म आनी चाहिए। उन्हें जो करना है करने दीजिए। यह लोगों की इच्छा है।

हम कर्नाटक के लोगों की रक्षा के लिए हैं। अपने कार्यकाल में हमने कर्नाटक के लोगों से जो भी वादा किया था, उसे पूरा किया है। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने विधानसभा में वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए राज्य का बजट पेश किया, जिसमें चालू वित्त वर्ष में विभिन्न गारंटी योजनाओं के कार्यान्वयन के लिए 51,034 करोड़ रुपये की राशि आवंटित की गई। सीएम सिद्धारमैया ने जोर देकर कहा कि सरकार ने राजकोषीय अनुशासन बनाए रखते हुए इन गारंटियों का प्रबंधन किया है। बजट में पिछले दो बजटों में जीएसडीपी के 3 प्रतिशत के राजकोषीय घाटे के मानदंड और 25 प्रतिशत के ऋण-से-जीएसडीपी अनुपात का पालन किया गया है। कृषि क्षेत्र, जिसने पिछले वर्ष-4.9 प्रतिशत की नकारात्मक विकास दर का सामना किया था, ने 2024-25 में 4 प्रतिशत की वृद्धि के साथ वापसी की है, यह राष्ट्रीय कृषि विकास दर 3.8 प्रतिशत से आगे है। इस सुधार का श्रेय खरीफ की बुवाई को बढ़ावा देने वाली सरकारी पहल, अनुकूल मानसून की स्थिति और जलाशय के स्तर में सुधार को दिया गया है। कृषि क्षेत्र का बजट पिछले साल के 44,000 करोड़ रुपये से बढ़कर 51,339 करोड़ रुपये कर दिया गया है। कर्नाटक में संतुलित बुनियादी ढांचे के विकास को सुनिश्चित करने के लिए, सरकार ने 8,000 करोड़ रुपये के निवेश के साथ मुख्यमंत्री बुनियादी ढांचा विकास कार्यक्रम (सीएमआईडीपी) शुरू किया है। यह पहल सभी विधानसभा क्षेत्रों में लघु सिंचाई, सड़क नेटवर्क और शहरी बुनियादी ढांचे को बढ़ाने पर केंद्रित होगा।

हमारा विचार दोषियों पर की गई कार्रवाई पर निर्भर करता है

तेजिन्दर कौर बब्बर

नई दिल्ली, 7 मार्च। ब्रिटेन में विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर की सुरक्षा में हुई चूक को लेकर विदेश मंत्रालय सख्त हो गया है। इस मामले में विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा- भारत ने ब्रिटेन के अधिकारियों से विदेश मंत्री की यात्रा के दौरान खालिस्तानी अलगाववादियों की तरफ से सुरक्षा व्यवस्था में सेंध लगाने को लेकर गहरी चिंता व्यक्त की है। भारत ने ब्रिटेन से इस मामले में दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की अपील की है, साथ ही यह भी कहा कि उनकी प्रतिक्रिया इस बात पर निर्भर करेगी कि दोषियों के खिलाफ किस प्रकार की कार्रवाई की जाती है। रणधीर जायसवाल ने साप्ताहिक प्रेस ब्रीफिंग में कहा, हमने ब्रिटेन के अधिकारियों से खालिस्तानी और चरमपंथी तत्वों की तरफ से सुरक्षा व्यवस्था के उल्लंघन को लेकर गहरी चिंता व्यक्त की है और हम चाहते हैं कि इस मामले में सख्त कार्रवाई की जाए। उन्होंने यह भी कहा कि इस घटना से यह साफ होता है कि ऐसे तत्वों को किस प्रकार के समर्थन या लाइसेंस दिए गए हैं और उनके आतंकित करने, धमकी देने और भारत के वैध कूटनीतिक कार्यों में बाधा डालने की कोशिशों को लेकर ब्रिटेन का रवैया लापरवाह रहा है। उन्होंने कहा, यह घटना सिर्फ एक सिक्के का पहलू है, जो दिखाती है कि इस प्रकार के तत्वों को किस प्रकार की स्वतंत्रता दी गई है। उन्होंने यह भी कहा कि ब्रिटेन की विदेश मंत्रालय की ओर से जारी

बयान के बावजूद, हमारी प्रतिक्रिया इस बात पर निर्भर करेगी कि कार्रवाई किस प्रकार की जाती है। इससे पहले, विदेश मंत्रालय ने जयशंकर की यात्रा के दौरान खालिस्तानी अलगाववादियों के विरोध प्रदर्शन और उनकी सुरक्षा में सेंध लगाने की कड़ी निंदा की थी। भारत ने इस प्रकार की हरकतों को लोकतांत्रिक स्वतंत्रताओं के दुरुपयोग के रूप में देखा और ब्रिटेन से अपेक्षा की कि वह अपने कूटनीतिक दायित्वों को पूरी तरह से निभाए। विदेश मंत्रालय ने शुक्रवार को यह पुष्टि की कि 10 भारतीय श्रमिक जो वेस्ट बैंक में काम कर रहे थे, उन्हें इस्राइल लाकर सुरक्षित रूप से वापस भेज दिया गया है। ये श्रमिक निर्माण क्षेत्र में कार्यरत थे और पश्चिमी तट के अल-जायम गांव में फंसे हुए थे। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने बताया कि इस्राइल सरकार ने इन श्रमिकों को सुरक्षित रूप से इस्राइल वापस भेज दिया है और इस मामले की जांच की जा रही है। भारतीय दूतावास इस्राइल के अधिकारियों के संपर्क में है ताकि श्रमिकों की भलाई सुनिश्चित की जा सके। इसके अलावा, इस्राइल के अधिकारियों ने बताया कि कुछ फलस्तिनियों ने भारतीय श्रमिकों को काम देने का झांसा देकर उन्हें पश्चिमी तट में ले आए थे और उनकी पासपोर्ट छीनकर उनका दुरुपयोग करने की कोशिश की थी। इस्राइल रक्षा बलों (आईडीएफ) और न्याय मंत्रालय ने रातों-रात अभियान चलाकर श्रमिकों को सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया और उनके पासपोर्ट भी वापस किए।

नगालैंड शांति वार्ता में मुख्यमंत्री रियो की सक्रिय भूमिका

कोहिमा, 7 मार्च। नगालैंड के मुख्यमंत्री नेफ्यू रियो ने गुरुवार को विधानसभा में अपने बजट 2025-26 के संबोधन में कहा कि राज्य सरकार नागा शांति वार्ता के समाधान के लिए हर संभव प्रयास कर रही है। उन्होंने बताया कि नगालैंड को राज्य का दर्जा मिलने से नागा लोगों की स्थिति में बदलाव आया है, लेकिन नागा राजनीतिक मुद्दा अभी भी हल नहीं हो पाया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार केंद्रीय सरकार और नागा राजनीतिक समूहों के बीच वार्ता का हिस्सा नहीं है, बल्कि वह सिर्फ एक सूत्रधार के रूप में काम कर रही है। रियो ने बताया कि राज्य सरकार ने राजनीतिक मामलों की समिति (पीएसी) का गठन किया था, और 28 अगस्त 2023 को हुई बैठक में विभिन्न संगठनों से नागा राजनीतिक मुद्दे पर परामर्श करने का निर्णय लिया था। उन्होंने कहा कि विधानसभा के सभी सदस्य स्थायी शांति के लिए एकजुट हैं और राजनीतिक मतभेदों को दरकिनार करते हुए सदन ने एकता और सुलह के लिए काम किया है। मुख्यमंत्री ने सभी पक्षों से अपील की कि वे वार्ता को सम्मानजनक और समावेशी तरीके से समाप्त करने का प्रयास करें। उन्होंने यह भी कहा कि केंद्र और एनएससीएन-आईएम के बीच 1997 में युद्धविराम पर हस्ताक्षर किए गए थे

सीएम अब्दुल्ला ने 370 हटने के बाद पेश किया पहला बजट

नरेश मल्होत्रा

जम्मू, 7 मार्च। मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने शुक्रवार को जम्मू और कश्मीर का छह साल बाद पहला बजट प्रस्तुत किया और इसे आर्थिक विकास के लिए एक रोडमैप और जनता की आकांक्षाओं का सच्चा प्रतिबिंब बताया। विधानसभा में बजट प्रस्तुत करते हुए सीएम उमर अब्दुल्ला ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण का विभिन्न क्षेत्रों में समर्थन के लिए आभार व्यक्त किया। सीएम अब्दुल्ला ने कहा मुझे जम्मू और कश्मीर का वित्त मंत्री होते हुए पहला बजट प्रस्तुत करने में खुशी हो रही है। यह आर्थिक विकास के लिए एक रोडमैप है और जनता की आकांक्षाओं का सच्चा प्रतिबिंब है। जिन्होंने अपना बजट भाषण एक फारसी कविता से शुरू किया। यह बजट पिछले साल अक्तूबर में नेशनल कॉन्फ्रेंस सरकार के सत्ता में आने के बाद पहला है, जब छह साल के बाद केंद्रीय शासन का समापन हुआ। जम्मू और कश्मीर से 5 अगस्त 2019 को अनुच्छेद 370 को समाप्त किया गया था, और 2018 में पीडीपी-

बीजेपी सरकार के तहत आखिरी बजट सत्र हुआ था। मुख्यमंत्री अब्दुल्ला ने सदन में कहा हमारी चुनौतियां विशाल हैं और हमारी सीमाएं कई हैं, लेकिन हमें एकजुट होकर इन चुनौतियों का डटकर सामना करने का संकल्प लेना चाहिए। इस पहले बजट को हमारी जनता के सपनों, हमारे भविष्य पीढ़ियों की जरूरतों और जम्मू और कश्मीर के हर नागरिक की आकांक्षाओं का सच्चा प्रतिबिंब बनाने की कोशिश की है। जम्मू और कश्मीर का राज्य का दर्जा बहाल करना लोगों की गहरी आकांक्षा है और हमारी सरकार इसके समाधान के लिए दृढ़ संकल्पित है। बजट प्रस्तुत करने से पहले अब्दुल्ला ने एक पोस्ट में कहा कि उन्होंने कभी नहीं सोचा था कि वह एक दिन बजट प्रस्तुत करेंगे। सात साल पहले, मैं मजाक करते हुए वित्त मंत्रियों की तरह विधानसभा और संसद में बजट प्रस्तुत करने के लिए अपना ब्रीफकेस उठाने का अभिनय कर रहा था। मुझे कभी नहीं लगा था कि मैं यह असल में करूंगा। उन्होंने एक तस्वीर भी साझा की, जिसमें वह दिवंगत बीजेपी नेता देवेंद्र सिंह राणा के साथ ब्रीफकेस लेकर चल रहे थे।

बाबूलाल मरांडी बने झारखंड विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष

रांची, 7 मार्च। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने गुरुवार को धनवार विधानसभा सीट से विधायक बाबूलाल मरांडी को झारखंड विधानसभा में अपने विधायक दल का नेता नियुक्त किया। रांची में एक बैठक के दौरान, मरांडी, जो राज्य भाजपा अध्यक्ष भी हैं, को सर्वसम्मति से भाजपा विधायक दल का नेता चुना गया। वहीं खुद को पार्टी विधायक दल का नेता चुने जाने

पर बाबूलाल मरांडी ने सोशल मीडिया एक्स पर एक पोस्ट में प्रधानमंत्री मोदी, पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और केंद्रीय पर्यवेक्षक भूपेंद्र यादव और के. लक्ष्मण, प्रदेश प्रभारी लक्ष्मीकांत वाजपेयी समेत तमाम शीर्ष नेताओं का आभार जताया है। बाबूलाल मरांडी ने अपने पोस्ट में आगे लिखा- मैं, पार्टी की नीतियों एवं सिद्धांतों के साथ जनता की आवाज बनकर गरीब, दलित, शोषित, आदिवासी समाज के अधिकारों और उनकी समस्याओं को उठाने के लिए पूर्ण निष्ठा और क्षमता के साथ कार्य करूंगा। इसस पहले भाजपा संसदीय बोर्ड ने बुधवार को झारखंड विधानसभा में भाजपा विधायक दल के नेता के चुनाव के लिए दो केंद्रीय पर्यवेक्षकों - केंद्रीय वन एवं पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव और पार्टी के ओबीसी मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष एमपी डॉ. के. लक्ष्मण - की घोषणा की। पिछले साल नवंबर महीने में हुए विधानसभा चुनाव में भाजपा का प्रदर्शन काफी निराशाजनक रहा था। भाजपा को 81 विधानसभा सीटों में से मात्र 21 सीटों पर जीत मिली थी, वहीं भाजपा की सहयोगी दल आजसू और लोक जनशक्ति पार्टी रामविलास को एक-एक सीट पर जीत मिली थी।

पोप फ्रांसिस की हालत स्थिर, नाक की नली से दी जा रही ऑक्सीजन

वेटिकन सिटी। पिछले महीन से अस्वस्थ पोप फ्रांसिस की हालत स्थिर बनी हुई है। पिछले तीन हफ्ते से 88 वर्षीय पोप फ्रांसिस का इलाज रोम के जेमेली अस्पताल में चल रहा है। डबल निमोनिया (गंभीर श्वसन संक्रमण) से पीड़ित फ्रांसिस ने रात अच्छी नींद ली। होली सी प्रेस कार्यालय ने गुरुवार सुबह पत्रकारों को यह सूचना देते हुए कहा कि पोप अभी भी आराम कर रहे हैं। वेटिकन न्यूज के अनुसार, बुधवार शाम होली सी प्रेस कार्यालय ने कहा कि पोप फ्रांसिस की हालत आज भी स्थिर रही। रात को वो नॉन-इनवेसिव मैकेनिकल मास्क पहनकर सोये। उन्हें दिन में नाक की नली से ऑक्सीजन दी गई है। उन्होंने दिन अपनी आराम कुर्सी पर बिताया। अस्पताल के 10वीं मंजिल पर स्थित निजी अपार्टमेंट में पोप ने पवित्र राख के आशीर्वाद के अनुष्ठान में हिस्सा लिया।उन्होंने सुबह गाजा में होली फैमिली चर्च के पैरिश पादरी फादर गेब्रियल रोमनेली को भी बुलाया। दोपहर में आराम के बीच में कुछ काम किया। उल्लेखनीय है कि पोप को फेफड़ों की गंभीर बीमारी है। युवावस्था में उनके एक फेफड़े का कुछ हिस्सा निकाल दिया गया था। तीन दिन पहले सोमवार को उन्हें दो बार सांस संबंधी गंभीर समस्या हुई। उसके बाद दो दिनों से उनकी हालत स्थिर बनी हुई है। श्वसन चिकित्सा में उनके अस्पताल की दिनचर्या में फिजियोथेरेपी को भी शामिल किया गया है।

सरकार ने तेज किये नेपाल को एफएटीएफ की ग्रे लिस्ट से बाहर निकालने के प्रयास

काठमांडू। उपप्रधानमंत्री और वित्त मंत्री विष्णु पौडेल ने कहा है कि दो साल की अवधि से पहले फाइनेंशियल एक्शन टास्क फोर्स (एफएटीएफ) की 'ग्रे सूची' से नेपाल को हटाने के प्रयास चल रहे हैं। सरकार निर्दिष्ट समय सीमा के भीतर आवश्यक कार्यों को पूरा करने के लिए प्रतिबद्ध है। प्रतिनिधि सभा में सांसदों के सवाल का जवाब देते हुए पौडेल ने कहा कि वर्तमान सरकार एफएटीएफ ग्रे लिस्टिंग के लिए जिम्मेदार नहीं है। उन्होंने कहा कि मौजूदा सरकार के कारण देश को ग्रे सूची में नहीं रखा गया था। वित्त मंत्री ने इस मामले में सदन में श्वेत पत्र पेश करने की बात कही है। उन्होंने माओवादी पर इसके लिए मुख्य जिम्मेदार होने की बात कही है। सांसदों के यह पूछे जाने पर कि क्या ग्रे लिस्ट के कारण नेपाल को मिलने वाली अंतरराष्ट्रीय वित्तीय सहायता पर नकारात्मक असर पड़ेगा, इस पर उन्होंने कहा कि नेपाल सरकार इस तरह की किसी भी परिस्थिति को नहीं आने देने के लिए विश्व बैंक, एशियाई विकास बैंक, अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष के प्रतिनिधियों से लगातार संपर्क में है। इस समय नेपाल में आम बजट की तैयारी चल रही है। अमेरिका से सभी प्रकार की आर्थिक सहायता रोक जाने के बाद ग्रे लिस्ट में भी नेपाल के आने से सरकार की मुश्किलें बढ़ गई हैं। नेपाल के शिक्षा, स्वास्थ्य, बड़े पूर्वाधार निर्माण, कृषि आदि क्षेत्र में बाहरी आर्थिक सहायता पर ही निर्भर है।

ताइवान के नाम पर परेशानी भड़काना जापान के लिए मुश्किलों की वजह बन सकता है : चीन

बीजिंग। चीनी विदेश मंत्री वांग यी ने कहा, 'ताइवान के नाम पर परेशानी भड़काना जापान के लिए परेशानी का कारण बन सकता है।' उन्होंने जापान में उन 'कुछ लोगों' को चेतावनी दी जो इतिहास पर विचार करने से इनकार करते हैं और गुप्त रूप से ताइवान के अलगाववादियों के साथ मिलीभगत करते हैं। ग्लोबल टाइम्स रिपोर्ट के मुताबिक वांग ने यह टिप्पणी 14वीं नेशनल पीपुल्स कांग्रेस के तीसरे सत्र के अवसर पर आयोजित एक संवाददाता सम्मेलन में चीन-जापान संबंधों पर क्योडो न्यूज के एक प्रश्न के उत्तर में की। वांग ने कहा कि एक-चीन सिद्धांत चीन-जापान संबंधों की राजनीतिक नींव है। हालांकि, जापान में कुछ लोग इस इतिहास पर विचार करने से इनकार करते हैं और ताइवान अलगाववादियों के साथ गुप्त रूप से सांठगांठ करते हैं। चीनी विदेश मंत्री ने कहा उन्हें याद रखना चाहिए कि ताइवान के नाम पर परेशानी भड़काना जापान के लिए परेशानी को आमंत्रित करना है। चीनी शीर्ष राजनयिक ने इस बात पर जोर दिया कि 2025, जापानी आक्रमण के खिलाफ चीनी जन प्रतिरोध की जीत की 80वीं वर्षगांठ का वर्ष है।

रियायत के बाद हमने भी अमेरिकी सामानों पर जवाबी टैरिफ को फिलहाल किया स्थगित : कनाडा

ओटावा। कनाडा के वित्त मंत्री डोमिनिक लेब्लांक ने कहा कि कनाडा 2 अप्रैल तक अमेरिकी सामानों पर दूसरे दौर के टैरिफ को रोक देगा। लेब्लांक ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर लिखा, 'संयुक्त राज्य अमेरिका ने कनाडा से (कनाडा-अमेरिका-मेक्सिको समझौता) अनुरूप निर्यात पर टैरिफ को 2 अप्रैल तक निलंबित करने पर सहमति व्यक्त की है।'उन्होंने बताया, कनाडा 2 अप्रैल तक अमेरिकी उत्पादों पर 125 अरब कनाडाई डॉलर के दूसरे चरण के टैरिफ को लागू नहीं करेगा, जबकि हम सभी टैरिफ को हटाने के लिए काम करते रहेंगे। समाचार एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, उद्योग मंत्री फ्रेंकोइस-फिलिप शैम्पेन ने कहा कि डोनाल्ड ट्रंप के कनाडा और मेक्सिको के कुछ सामानों पर टैरिफ को 2 अप्रैल तक टालने के बावजूद कनाडा के प्रतिशोधात्मक उपाय जारी रहेंगे। स्थानीय मीडिया के अनुसार, कनाडा के आधे से ज्यादा आयात इसके दायरे में नहीं आते और संभवतः उन्हें अभी भी नए टैरिफ का सामना करना पड़ेगा, क्योंकि वे यूएसएमसीए के अनुरूप नहीं हैं। सीटीवी न्यूज में शैम्पेन के हवाले से कहा गया, जब तक खतरा बना रहेगा, दबाव बना रहेगा। प्रधानमंत्री इस बारे में स्पष्ट हैं। इसे कारगर बनाने का एकमात्र तरीका दबाव बनाए रखना है।

अमेरिका में रहने वाले लाखों यूक्रेनी नागिरकों की होगी 'घर वापसी' ! डोनाल्ड ट्रंप का बड़ा बयान

एजेंसी

वाशिंगटन। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि वह इस बात पर विचार कर रहे हैं कि युद्ध की वजह से अमेरिका में रह रहे लाखों यूक्रेनी नागरिकों की अस्थायी संरक्षित स्थिति को रद्द किया जाए या नहीं, हालांकि इस पर कोई अंतिम निर्णय नहीं लिया गया है। अमेरिकी मीडिया के मुताबिक ट्रंप ने ओवल ऑफिस में मीडिया कहा, 'हम किसी को चोट पहुंचाना नहीं चाहते, मैं इस पर विचार कर रहा हूं, और कुछ लोग सोचते हैं कि यह उचित है, कुछ लोग नहीं सोचते हैं, और मैं जल्द ही इस पर निर्णय लूंगा।' ट्रंप ने कहा कि यूक्रेन के लोगों को 'बहुत कुछ सहना पड़ा है।' अमेरिकी राष्ट्रपति की यह टिप्पणी ऐसे समय में आई जब मीडिया रिपोर्ट में दावा किया गया कि ट्रंप प्रशासन ने लगभग 2,40,000 यूक्रेन के लोगों की सुरक्षा रद्द करने की योजना बनाई है। ये लोग फरवरी 2022 में यूक्रेन पर रूसी हमले के

बाद अमेरिका आ गए थे। अगर यूक्रेनी लोगों की सुरक्षा रद्द की जाती है तो यह कदम उन व्यक्तियों को निर्वासित करने के लिए आधार तैयार करेगा। हालांकि व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलिन लेविट ने इस रिपोर्ट को यह कहते हुए खारिज कर दिया था कि कोई फैसला नहीं लिया गया है। बाइडन प्रशासन ने घोषणा की थी कि वह यूक्रेन के लोगों को 'यूनाइटिंग फॉर यूक्रेन' के माध्यम से देश में प्रवेश की अनुमति देगा। प्रवासियों को दो साल के लिए देश में पैरोल पर रहने की अनुमति दी जाएगी। बशर्ते वे अमेरिका स्थित प्रायोजक को सुरक्षित करने में सक्षम हों। बाइडन प्रशासन की तरफ से अपने कार्यकाल के आखिरी महीने में यह ऐलान भी किया गया कि वह यूक्रेनवासियों के लिए अस्थायी संरक्षित स्थिति (टीपीएस) को अक्टूबर 2026 तक बढ़ा रहा है।

ट्रंप प्रशासन ने इसी तरह के अन्य प्रोग्राम को भी निशाना बनाया है जो हैती, क्यूबा, निकारागुआ और वेनेजुएला के नागरिकों को देश में प्रवेश की अनुमति देते हैं। जनवरी में होमलैंड सुरक्षा सचिव क्रिस्टी नोएम ने अमेरिका में रहने वाले लगभग 6,00,000 वेनेजुएलावासियों की अस्थायी संरक्षित स्थिति को निलंबित कर दिया था, और उसके बाद लगभग 5,20,000 हैतीवासियों के लिए भी इसी प्रकार का कदम उठाया गया। इन कार्रवाइयों के कारण अनेक मुकदमें दायर किए गए हैं, जिनमें शरणार्थियों के प्रवेश पर रोक और वेनेजुएला के नागरिकों के लिए टीपीएस को रद्द करने को चुनौती देना भी शामिल है।

इजराइल और अमेरिका की वायुसेना ने किया संयुक्त अभ्यास

एजेंसी

तेल अवीव। इजराइली वायुसेना (आईएएफ) और अमेरिकी वायुसेना ने एक संयुक्त अभ्यास किया है, जिसमें इजराइली एफ-35आई और एफ-15आई लड़ाकू विमानों ने अमेरिकी बी-52 रणनीतिक बॉम्बर के साथ उड़ान भरी। इस अभ्यास का उद्देश्य दोनों सेनाओं के बीच परिचालन समन्वय को मजबूत करना और विभिन्न क्षेत्रीय खतरों का सामना करने की उनकी क्षमता को बढ़ाना था। यह जानकारी इजराइल रक्षा बल (आईडीएफ) ने एक बयान जारी कर दी। इजराइली रक्षा बलों के अनुसार, यह अभ्यास दोनों सेनाओं के बीच लंबे समय से चले आ रहे सहयोग को मजबूत करने और विभिन्न परिदृश्यों के लिए एकीकृत क्षमताओं का निर्माण करने के लिए आयोजित किया गया था। अभ्यास के दौरान, दोनों देशों के विमानों ने परिचालन समन्वय का अभ्यास किया, जिससे उनकी संयुक्त प्रतिक्रिया क्षमता में वृद्धि हुई। इस संयुक्त अभ्यास को क्षेत्र में ईरान के बढ़ते परमाणु कार्यक्रम के प्रति एक स्पष्ट संदेश के रूप में देखा जा रहा है। विशेषज्ञों का मानना है कि इजराइल की वायुसेना, जो पहले भी 1981 में इराक और 2007 में सीरिया के परमाणु प्रतिष्ठानों को निष्क्रिय कर चुकी है, ईरान के परमाणु ठिकानों पर संभावित हमले के लिए अमेरिकी बी-52 बॉम्बर्स की भारी क्षमताओं पर निर्भर हो सकती है। ईरान के परमाणु ठिकानों की गहराई और सुरक्षा को देखते हुए, ऐसे हमलों के लिए उन्नत क्षमताओं की आवश्यकता होगी। बतादें कि यह संयुक्त अभ्यास इसी वर्ष जनवरी में आयोजित 'जुनिपर ओक' अभ्यास की श्रृंखला का हिस्सा है, जो इजराइल और पूर्वी भूमध्य सागर में हुआ था। उस अभ्यास में दोनों देशों के 140 से अधिक विमानों, 12 नौसैनिक जहाजों और तोपखाने प्रणालियों ने भाग लिया था।

काठमांडू में होली पर्व की हुई औपचारिक शुरुआत, हफ्ते भर रहेगा रंगों का त्योहार

एजेंसी

काठमांडू। राजधानी काठमांडू के मूल निवासी कहे जाने वाले नेवार समुदाय के लोगों ने रंगों के त्योहार होली की औपचारिक शुरुआत शुक्रवार से कर दी है। बसंतपुर दरबार स्क्वायर में नेवार समुदाय के लोगों ने इकट्ठा होकर शुभ मुहूर्त पर रंगीन झंडा फहराने के साथ ही एक दूसरे को रंग और गुलाल लगाया। फाल्गुन शुक्ल पक्ष की अष्टमी से शुरू होने वाला रंगों का त्योहार होली आज से शुरू होकर पूर्णिमा के दिन तक खेला जाता है।

बसंतपुर में रहे हनुमान ढोका दरबार स्क्वायर पर नेवार समुदाय ने रंगीन बांस का झंडा फहराने के साथ ही इसकी शुरुआत कर दी है। नेपाल में यह परंपरा दरबार स्क्वायर के भीतर राजगद्दी बैठक के दक्षिण की ओर तीन स्तर वाले ध्वज के निर्माण के बाद शुरू होती है। आज शुभ मुहूर्त पर नेवार समुदाय के लोगों ने रंगीन झंडा फहराने के साथ ही एक दूसरे को रंग और गुलाल लगाकर होली की बधाई दी।

शुक्रवार को दिन भर नेवार समुदाय के लोग एक दूसरे को रंग और गुलाल लगाकर इस पर्व का आनंद लेने वाले हैं। नेवार समुदाय की बहुलता वाले क्षेत्र काठमांडू के बसंतपुर दरबार स्क्वायर के अलावा ललितपुर के कृष्ण मंदिर पाटन दरबार स्क्वायर और भक्तपुर दरबार स्क्वायर में भी इसी तरह का ध्वज फहरा कर होली की शुरुआत की जाती है। उधर, पशुपतिनाथ मंदिर में भी एक रंगीन ध्वज लगाया जाता है।

एक पहिए के बगैर विमान की काठमांडू में लैंडिंग, सभी यात्री सुरक्षित

काठमांडू। नेपाल के हवाई क्षेत्र में एक विमान बिना एक पहिए के जनकपुर से काठमांडू में लैंड किया और पायलट को इस बात का पता भी नहीं चला। हालांकि विमान सुरक्षित लैंड हुआ और सभी यात्री सुरक्षित हैं।

जनकपुर से काठमांडू के लिए आए बुद्ध एयर के विमान के एक पहिया के बगैर लैंडिंग कराने के कारण नेपाल की हवाई सुरक्षा पर एक बार फिर सवाल खड़े हो गए हैं। गुरुवार शाम बुद्ध एयर का विमान संख्या 4 508 जनकपुर से शाम 16:39 बजे रवाना हुआ और 17:05 बजे काठमांडू में लैंड हुआ। इस दौरान विमान का एक पहिया नहीं दिखा। इस बात का पता पायलट को तब हुआ जब अगले गंतव्य के लिए उड़ान भरने से पहले विमान की जांच की जा रही थी।

नागरिक उड्डयन प्राधिकरण के प्रवक्ता ज्ञानेन्द्र भुल ने बताया कि पायलट को पोस्ट फ्लाइट चेक के दौरान नोज गियर (अगला पहिया) नहीं होने की खबर लगी। प्रवक्ता ने बताया कि इस पहिए के बारे में

तत्काल पता लगाने के लिए जनकपुर विमानस्थल को सूचना दी गई।

जनकपुर विमानस्थल में ढूंढ़ने पर पता चला कि इस विमान का एक पहिया वहीं रनवे पर पड़ा था और उसके नॉट वोल्ट टूटे हुए थे। ज्ञानेन्द्र भुल ने बताया कि रनवे पर यू टर्न लेते समय यह पहिया निकल गया था। विमान के पुराने मॉडल का होने के कारण पहिया की तरफ न तो कैमरा लगा होता है और ना ही सेंसर की सुविधा है, जिस कारण पायलट को इसकी जानकारी नहीं मिल पाई।

प्राधिकरण के प्रवक्ता ने कहा कि इस घटना के तुरंत बाद बुद्ध एयर के जहाज 9ह,॰ह को ग्राउंडेड कर इसकी जांच के आदेश दे दिए गए हैं। प्रवक्ता ने कहा कि विमान के सुरक्षित लैंडिंग के बाद भी इसकी तकनीकी जांच आवश्यक है। उन्होंने कहा कि प्रारंभिक रूप से इसमें जनकपुर विमानस्थल के बुद्ध एयर के ग्राउंड स्टाफ की लापरवाही लग रही है।

अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट से तहव्वुर राणा को झटका, प्रत्यर्पण पर रोक लगाने की मांग वाली याचिका खारिज

एजेंसी

नई दिल्ली । अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट से 26/11 मुंबई आतंकी हमले के आरोपी तहव्वुर राणा को झटका लगा है। कोर्ट ने तहव्वुर राणा की उस याचिका को खारिज कर दिया, जिसमें उसने भारत प्रत्यर्पण किए जाने से बचने के लिए रोक लगाने की मांग की थी। पाकिस्तानी मूल के कनाडाई नागरिक राणा ने अमेरिका के सुप्रीम कोर्ट के एसोसिएट जस्टिस और नौवें सर्किट के सर्किट जस्टिस के समक्ष 'इमरजेंसी एप्लीकेशन फॉर स्टे' दायर किया था। उसने अपनी याचिका में यह तर्क दिया कि भारत को उसका प्रत्यर्पण अमेरिकी कानून और संयुक्त राष्ट्र प्रताड़ना विरोधी संधि का उल्लंघन है। यह मानने के पर्याप्त आधार हैं कि यदि उन्हें भारत प्रत्यर्पण किया गया तो याचिकाकर्ता को यातना दिए जाने का खतरा होगा। याचिका में कहा गया है कि इस मामले में यातना की संभावना और भी अधिक है, क्योंकि याचिकाकर्ता मुंबई हमलों में आरोपी पाकिस्तानी मूल का मुस्लिम है और उसे गंभीर खतरे का सामना करना पड़ रहा है। इसमें यह भी कहा गया कि उसकी गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं के कारण भारत की जेल में भेजना उसके लिए 'मौत की सजा' जैसा होगा।

उसने याचिका में जुलाई 2024 के मेडिकल रिकॉर्ड का हवाला दिया, जिसमें कई खतरनाक

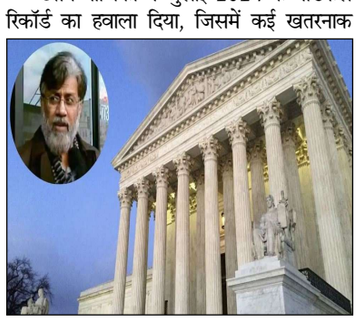

बीमारियां जैसे दिल के दौरे, पार्किंसन रोग, मूत्राशय कैंसर का संदेह, किडनी की बीमारी, अस्थमा और और कई कोविड-19 संक्रमण शामिल हैं। पिछले महीने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने राणा के प्रत्यर्पण को मंजूरी दे दी थी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस में ट्रंप ने घोषणा की थी कि राणा के प्रत्यर्पण को मंजूरी दे दी गई है। ट्रंप ने कहा था, ÷हम एक बहुत ही हिंसक व्यक्ति को तुरंत भारत को सौंप रहे हैं। अभी और भी बहुत कुछ करना बाकी है क्योंकि हमारे पास काफी अनुरोध हैं। हम भारत के साथ अपराध के मामले में काम करते हैं और हम भारत के लिए हालात बेहतर बनाना चाहते हैं।'

तहव्वुर राणा पाकिस्तान स्थित लश्कर-ए-तैयबा (एलईटी) के आतंकवादियों द्वारा 2008 में किए गए मुंबई आतंकी हमलों में शामिल होने के कारण भारत में वांछित है। 26 नवंबर, 2008 को मुंबई में आठ स्थानों को आतंकवादियों ने निशाना बनाया था, जिसमें 174 से अधिक लोगों की जान चली गई थी। राणा पर भारत में लश्कर-ए-तैयबा को रसद सहायता प्रदान करने के आरोप हैं। उसे अमेरिका में समूह की सहायता करने के लिए दोषी पाया गया था और भारत लंबे समय से उसके प्रत्यर्पण की मांग कर रहा है। उसे पाकिस्तानी-अमेरिकी आतंकवादी डेविड कोलमैन हेडली से जुड़ा माना जाता है, जो 26/11 हमलों के मुख्य साजिशकर्ताओं में से एक है।

इजरायल ने वेस्ट बैंक से 10 भारतीय मजदूरों को छुड़ाया, पासपोर्ट छीन कर बनाए गए थे बंधक

एजेंसी

यरूशलम। इजरायल ने बंधक बनाए गए गए 10 भारतीय मजदूरों को वेस्ट बैंक से छुड़ाया गया है। इन भारतीय मजदूरों को वेस्ट बैंक के एक गांव से बचाया गया, जहां पासपोर्ट छीन लिए जाने के बाद से उन्हें करीब एक महीने से बंधक बनाकर रखा गया था।

'टाइम्स ऑफ इजरायल' की खबर के मुताबिक इन श्रमिकों को जनसंख्या और इमीग्रेशन अथॉरिटी ने इजरायल रक्षा बलों (आईडीएफ) और न्याय मंत्रालय के साथ मिलकर चलाए गए एक रात्रिकालीन अभियान में बचाया गया। सभी मजदूरों को सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया गया है। खबर के मुताबिक फिलिस्तीनी काम देने का वादा करके इन सभी को अल-जायेम गांव में ले गये और फिर उनके पासपोर्ट छीन कर उन्हें बंधक बना लिया। फलस्तीनियों ने भारतीय नागरिकों के पासपोर्ट का इस्तेमाल कर इजरायल में प्रवेश की कोशिश की। इजरायली रक्षा बलों ने एक

सीमा चौकी पर इन संदिग्धों को रोक कर पूछताछ की तो भारतीय मजदूरों को बंधक बनाए जाने की भनक लगी। बताया जाता है कि पिछले एक साल में निर्माण उद्योग में काम करने के लिए काफी संख्या में भारतीय मजदूर इजराइल पहुंचे हैं।

पोलैंड और बाल्टिक देशों ने मैक्रों के परमाणु प्रतिरोधक प्रस्ताव का स्वागत किया

एजेंसी

ब्रसेल्स। पोलैंड और बाल्टिक देशों ने फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों द्वारा यूरोप की सुरक्षा के लिए फ्रांसीसी परमाणु प्रतिरोधक क्षमता के उपयोग पर चर्चा शुरू करने के प्रस्ताव का स्वागत किया। हालांकि, रूस ने इसे अत्यधिक टकरावपूर्ण करार देते हुए तुरंत खारिज कर दिया। यह घटनाक्रम ऐसे समय में सामने आया है जब यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ब्रसेल्स में यूरोपीय संघ (ईयू) नेताओं के आपातकालीन रक्षा और सुरक्षा शिखर सम्मेलन में भाग ले रहे हैं। पोलैंड और बाल्टिक देशों ने मैक्रों के इस प्रस्ताव का समर्थन किया है। पोलैंड के प्रधानमंत्री डोनाल्ड टस्क ने कहा, हमें इस प्रस्ताव पर गंभीरता से विचार करना चाहिए। उन्होंने जोर दिया कि इस मामले में विस्तृत विवरण महत्वपूर्ण होंगे, लेकिन फ्रांस की यह पहल निश्चित रूप से उल्लेखनीय है।

> **क्रेमलिन के प्रवक्ता दिमित्री पेसकोव ने इसे युद्धोन्मुखी सोच बताते हुए कहा कि यह संकेत देता है कि फ्रांस युद्ध को जारी रखने के बारे में अधिक सोच रहा है।**

वहीं, लिथुआनिया के राष्ट्रपति गितानस नौसेदा ने इसे बहुत दिलचस्प विचार बताया और कहा कि परमाणु सुरक्षा ढाल रूस के लिए एक मजबूत निवारक साबित हो सकती है। लातविया की प्रधानमंत्री एवीका सिलिना ने भी मैक्रों के कदम को चर्चा का एक अवसर बताया। हालांकि उन्होंने यह भी कहा कि इस पर अधिक विचार-विमर्श की आवश्यकता होगी।

दूसरी ओर, मैक्रों के इस बयान पर रूस ने कड़ी प्रतिक्रिया दी है। क्रेमलिन के प्रवक्ता दिमित्री पेसकोव ने इसे युद्धोन्मुखी सोच बताते हुए कहा कि यह संकेत देता है कि फ्रांस युद्ध को जारी रखने के बारे में अधिक सोच रहा है। रूसी विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव ने भी इस बयान की आलोचना करते हुए इसे रूस के खिलाफ सीधा खतरा करार दिया।

दरअसल, राष्ट्र के नाम संबोधन में इमैनुएल मैक्रों ने कहा था कि उन्होंने फ्रांस की परमाणु सुरक्षा नीति पर रणनीतिक बहस शुरू करने का निर्णय लिया है। उन्होंने रूस को फ्रांस और यूरोप के लिए एक खतरा बताते हुए स्पष्ट किया कि यूरोपीय संघ को अपनी सुरक्षा के लिए स्वयं कदम उठाने की बात कही थी। उनके इस कदम को अमेरिका की संभावित अनदेखी की चिंताओं के बीच यूरोपीय सहयोगियों को एकजुट करने की दिशा में देखा जा रहा है। उल्लेखनीय है कि यूक्रेन पर रूसी हमले के बाद से यूरोप में सुरक्षा को लेकर गंभीर चिंताएं बढ़ गई हैं। बाल्टिक देश (लिथुआनिया, लातविया और एस्टोनिया) पहले से ही रूसी आक्रमण की आशंका में अपनी रक्षा क्षमताओं को मजबूत करने के लिए लगातार यूरोपीय सहयोगियों से अधिक समर्थन की मांग कर रहे हैं।

लंदन में विदेश मंत्री एस. जयशंकर की सुरक्षा में सेंध, खालिस्तान समर्थकों का विरोध प्रदर्शन

एजेंसी

लंदन। ब्रिटेन की राजधानी लंदन में भारतीय विदेश मंत्री एस. जयशंकर की सुरक्षा में गंभीर चूक का मामला सामने आया है। खालिस्तान समर्थक प्रदर्शनकारियों के एक छोटे समूह ने उस समय विरोध प्रदर्शन किया जब जयशंकर थिंक टैंक 'चैथम हाउस' के मुख्यालय से बाहर निकल रहे थे। इस दौरान एक प्रदर्शनकारी ने सुरक्षा घेरा तोड़कर उनकी कार को रोकने का प्रयास किया और नारे लगाए। ब्रिटिश विदेश मंत्रालय ने भी इस घटना की निंदा की है। एक प्रवक्ता ने कहा, ब्रिटेन शांतिपूर्ण विरोध के अधिकार का समर्थन करता है, लेकिन सार्वजनिक कार्यक्रमों में डराने, धमकाने या बाधित करने का कोई भी प्रयास पूरी तरह से अस्वीकार्य है। मेट्रोपॉलिटन पुलिस ने स्थिति को संभालने के लिए तेजी से काम किया और हम अपने अंतरराष्ट्रीय दायित्वों के अनुसार अपने सभी राजनयिक आगंतुकों की सुरक्षा

> **ब्रिटिश विदेश मंत्रालय ने भी इस घटना की निंदा की है। एक प्रवक्ता ने कहा, ब्रिटेन शांतिपूर्ण विरोध के अधिकार का समर्थन करता है, लेकिन सार्वजनिक कार्यक्रमों में डराने, धमकाने या बाधित करने का कोई भी प्रयास पूरी तरह से अस्वीकार्य है।**

सुनिश्चित करने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध हैं। वहीं, इस घटना पर भारत ने कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त की है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा, हमने विदेश मंत्री की यूके यात्रा के दौरान सुरक्षा उल्लंघन की फुटेज देखी है। हम अलगाववादियों और चरमपंथियों के इस छोटे समूह की भड़काऊ गतिविधियों की निंदा करते हैं। हम अपेक्षा करते हैं कि ऐसे मामलों में मेजबान सरकार अपने कूटनीतिक दायित्वों का पूरी तरह से पालन करेगी। उल्लेखनीय है कि विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने 'चैथम हाउस' में आयोजित कार्यक्रम में चर्चा सत्र में भाग लेकर जब बाहर निकल रहे थे तब वहां खालिस्तान समर्थक नारे लगा रहे थे। इस दौरान प्रदर्शनकारियों के एक समूह ने उनकी कार के सामने आकर विरोध जताया। तभी एक प्रदर्शनकारी ने सुरक्षा अवरोधक पार करते हुए भारतीय ध्वज को फाड़ने की कोशिश की, जिसे तुरंत सुरक्षा कर्मियों ने हिरासत में लिया।

यूक्रेन में रूस का मिसाइल हमला, चार की मौत, 30 से अधिक घायल

एजेंसी

कीव। यूक्रेन के राष्ट्रपति व्लादिमीर जेलेंस्की ने एक्स पोस्ट में कहा है कि रूस ने क्रिवी रिह में एक होटल पर बैलिस्टिक मिसाइल से हमला किया। होटल में पूरी रात बचाव अभियान जारी रहा।

कौमी पत्रिका

संपादक-गुरचरन सिंह बब्बर

स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिंटिंग प्रेस, सेक्टर ए-4/ए-144 इंडस्ट्रीयल एरिया ट्रोनिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश से छापकर प्रकाशित किया।

Corporate Office:
5, Bahadurshah Zafar Marg
ITO, New Delhi-110002

फोन : 011-41509689, 23315814
मोबाइल नंबर : 9312262300

E - mail address :
qpatrika@gmail.com
Website: www.qaumipatrika.in

R.N.I. No.
UP-HIN/2007/21472

Legal Advisors:
Advocate Mohd. Sajid
Advocate Dr. A.P.Singh
Advocate Manish Sharma
Advocate Pooja Bhaskar Sharma

नेपाल के 80 प्रतिशत छात्र केआईआईटी लौटे, अब सभी छात्र ओडिशा को लौटने को तैयार

एजेंसी

काठमांडू। भुवनेश्वर में स्थित कलिंगा इंस्टीट्यूट ऑफ इंडस्ट्रियल टेक्नोलॉजी विश्वविद्यालय (केआईआईटी) में एक नेपाली छात्रा की संदेहास्पद अवस्था में मौत के बाद तनावग्रस्त माहौल के कारण नेपाल आए छात्रों में से 80 प्रतिशत ओडिशा लौट चुके हैं। नेपाल से लौटे छात्रों ने दोबारा विश्वविद्यालय के निर्धारित पाठ्यक्रम की पढ़ाई शुरू कर दी है। आत्महत्या कांड के बाद नेपाल लौटे बाकी छात्र भी ओडिशा को लौटने को तैयार हैं। ओडिशा के भुवनेश्वर में स्थित कलिंगा इंस्टीट्यूट ऑफ़ इंडस्ट्रियल टेक्नोलॉजी निजी डीम्ड विश्वविद्यालय है। नेपाल की रहने वाली इंजीनियरिंग कॉलेज में बी-टेक तृतीय वर्ष की छात्रा प्रकृति लामसाल की पिछले माह कालेज के होस्टल में संदेहास्पद अवस्था मौत हो गई थी। कैम्पस में नेपाली छात्रों के बीच तनाव फैल गया. उन्होंने विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया। इसके बाद उनको जबरन हॉस्टल से बाहर

निकाल दिया गया। इसके बाद पनपे तनावग्रस्त माहौल के कारण नेपाल के छात्र-छात्राएं नेपाल लौट गए थे। अब कालेज का माहौल शांत होने के बाद छात्र-छात्राओं ने केआईआईटी लौटना शुरू कर दिया है। केआईआईटी के उपकुलपति शरणजीत सिंह ने कहा कि बुधवार रात 9 बजे तक 80 प्रतिशत नेपाली छात्रों की वापसी हो चुकी है। इस समय विश्वविद्यालय से बाहर गए 1169 नेपाली छात्रों में 913 छात्र वापस लौट कर नियमित अध्ययन के काम में लग चुके हैं। उन्होंने कहा कि अब तक नहीं लौटे छात्रों के अभिभावकों से व्यक्तिगत रूप से संपर्क कर उन्हें वापस बुलाने का प्रयास किया जा रहा है। विश्वविद्यालय प्रशासन ने दिल्ली स्थित नेपाली दूतावास में पत्रभेज कर छात्रों की वापसी में सहयोग करने का आग्रह किया है। भारत में नेपाल के राजदूत डॉ. शंकर शर्मा ने कहा कि उनकी तरफ से भी छात्रों से कालेज लौटकर अपनी पढ़ाई पूरी करने का बार-बार आग्रह किया जा रहा है। डॉ. शर्मा ने बताया कि विश्वविद्यालय प्रशासन अपने खर्चे पर सभी छात्रों की वापसी करवा रहा है। उपकुलपति शरणजीत सिंह ने यह भी जानकारी दी है कि नेपाली छात्रों के लिए अलग से कक्षा का संचालन करके उनकी छूटी पढ़ाई को पूरा करने की व्यवस्था भी की गई है। उनका यह भी कहना है कि जो नेपाली छात्र इस बार परीक्षा में नहीं शामिल हो पाए हैं, उनके लिए अलग से परीक्षा लेने की व्यवस्था भी की गई है।

बारबाडोस ने प्रधानमंत्री मोदी को सर्वोच्च राष्ट्रीय पुरस्कार से किया सम्मानित

एजेंसी

नई दिल्ली। कैरेबियाई देश बारबाडोस ने कोविड-19 महामारी के दौरान रणनीतिक नेतृत्व और बहुमूल्य सहायता के लिए भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को अपने देश के सर्वोच्च राष्ट्रीय पुरस्कार 'ऑनरेरी ऑर्डर ऑफ फ्रीडम ऑफ बारबाडोस' से सम्मानित किया। विदेश मंत्रालय ने एक बयान में यह जानकारी दी। इसमें कहा गया है कि बारबाडोस के ब्रिजटाउन में आयोजित समारोह में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की ओर से पुरस्कार भारत के विदेश राज्यमंत्री पबित्रा मार्गेरिटा ने ग्रहण किया। बयान के अनुसार, 20 नवंबर 2024 को गुयाना के जॉर्जटाउन में दूसरे भारत-कैरिकॉम शिखर सम्मेलन के दौरान बारबाडोस की प्रधानमंत्री मिया अमोर मोटले और प्रधानमंत्री मोदी की मुलाकात हुई थी।

इस दौरान बाराडोस की प्रधानमंत्री मोटले ने कोविड-19 महामारी की विकट परिस्थिति में अंतरराष्ट्रीय सहयोग और समर्थन को मजबूत करने में प्रधानमंत्री मोदी की महत्वपूर्ण भूमिका को सराहते हुए उन्हें ऑनरेरी ऑर्डर ऑफ फ्रीडम ऑफ बारबाडोस देने की घोषणा की थी। विदेश राज्यमंत्री मार्गेरिटा ने इस सम्मान के लिए आभार व्यक्त करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री मोदी का प्रतिनिधित्व करना और उनकी ओर से यह प्रतिष्ठित पुरस्कार स्वीकार करना उनके लिए बहुत सम्मान की बात है।

सांसद राघव चड्ढा को मिला हार्वर्ड कैनेडी स्कूल के ग्लोबल लीडरशिप प्रोग्राम का न्योता, कहा- 'बैक टू स्कूल' जैसा मौका

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी (आआपा) के राज्यसभा सदस्य राघव चड्ढा को अमेरिका के प्रतिष्ठित हार्वर्ड कैनेडी स्कूल ने ग्लोबल लीडरशिप प्रोग्राम में भाग लेने के लिए आमंत्रित किया है। यह कार्यक्रम 5 से 13 मार्च तक अमेरिका के बोस्टन में होगा। यह जानकारी राघव चड्ढा ने आज यहां जारी एक बयान में दी। उन्होंने बताया कि यह प्रोग्राम प्रतिभागियों को सार्वजनिक नीति, नवाचार और वैश्विक नेतृत्व के विभिन्न पहलुओं पर गहन अध्ययन और विचार-विमर्श का मंच प्रदान करता है। इस कार्यक्रम में दुनिया भर के शीर्ष नेता, नीति निर्माता, अधिकारी और विशेषज्ञ एक मंच पर इकट्ठा होकर वैश्विक राजनीति, नेतृत्व और नीतिगत नवाचारों पर चर्चा करेंगे। राघव चड्ढा ने अपनी खुशी जाहिर करते हुए कहा कि हार्वर्ड कैनेडी स्कूल के ग्लोबल लीडरशिप प्रोग्राम में शामिल होने का निमंत्रण पाकर बेहद सम्मानित और उत्साहित महसूस कर रहा हूं। यह एक अनूठा अवसर है, जहां दुनिया भर के विशेषज्ञों और नेताओं से सीखने के साथ-साथ अपनी समझ को और गहरा कर सकूंगा। यह 'बैक टू स्कूल' जैसा मौका है।

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर राष्ट्रपति मुर्मु 'नारी शक्ति से विकसित भारत' सम्मेलन का उद्घाटन करेंगी

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस (8 मार्च) पर महिला एवं बाल विकास मंत्रालय विज्ञान भवन में 'नारी शक्ति से विकसित भारत' विषय पर एक राष्ट्रीय स्तर का सम्मेलन आयोजित करने जा रहा है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु इस सम्मेलन का उद्घाटन करेंगी। कार्यक्रम में महिला एवं बाल विकास मंत्री अन्नपूर्णा देवी और राज्यमंत्री सावित्री ठाकुर के साथ-साथ वरिष्ठ अधिकारी और विशिष्ट अतिथि शामिल होंगे। इस अवसर पर हैश टैग शी बिल्ड भारत के माध्यम से एक व्यापक अभियान भी चलाया जा रहा है। महिला एवं बाल विकास मंत्रालय ने बताया कि इस कार्यक्रम में सशस्त्र बलों और अर्धसैनिक बलों तथा दिल्ली पुलिस की महिला अधिकारियों के साथ-साथ 'मेरा युवा भारत' के स्वयंसेवक, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता, आशा कार्यकर्ता, स्वयं सहायता समूह की सदस्य आदि भाग लेंगी। इसके अतिरिक्त, विभिन्न मंत्रालयों/विभागों की महिला अधिकारियों को भी इस कार्यक्रम में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया गया है। इस कार्यक्रम में विश्व बैंक, यूनिसेफ, यूएन महिला, यूएनडीपी, यूएनएफपीए जैसे अंतर्राष्ट्रीय संगठनों के प्रतिनिधि भी शामिल होंगे।

एनडीएमसी के संपत्ति कर कार्यालय इस माह शनिवार और रविवार को भी खुलेंगे

नई दिल्ली। नई दिल्ली नगरपालिका परिषद (एनडीएमसी) ने मार्च के महीने में सामान्य कार्य दिवसों के अलावा भी प्रत्येक शनिवार और रविवार को संपत्ति कर संग्रह काउंटरों के साथ-साथ टैक्स कार्यालय खोलने का निर्णय लिया है। एनडीएमसी के प्रवक्ता ने [...] अंतिम चरण के कारण मार्च में साम[...] शनिवार और रविवार को खुले रहेंगे। टैक्स संग्रह के उद्देश्य से कार्य दिवस [...]

कांग्रेस के नक्शेकदम पर चलती नजर आ रही भाजपा सरकारें : मायावती

एजेंसी

नई दिल्ली। बहुजन समाज पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने केन्द्र व प्रदेश में सत्तारूढ़ भाजपा सरकार पर निशाना साधा है। मायावती ने अपने आवास पर आयोजित प्रेसवार्ता को संबोधित करते हुए कहा कि बड़े दुख की बात है कि भाजपा सरकारें कांग्रेस पार्टी के नक्शेकदम पर चल रही हैं। उन्होंने कहा कि वैसे तो यूपी सरकार उत्तर प्रदेश को देश का ग्रोथ इंजन होने का दावा करती है लेकिन आबादी के हिसाब से देश के सबसे बड़े राज्य होने के बावजूद यहां शिक्षा, स्वास्थ्य, सड़क व बिजली-पानी आदि बुनियादी जरूरतों को लेकर जो दुर्दशा है वह किसी से छिपा नहीं है। केन्द्र की तरह यूपी सरकार के पास भी धन की कमी नहीं है लेकिन उसका उपयोग गरीबों के कल्याण में नहीं हो रहा है।

मायावती ने कहा कि केन्द्र व यूपी सहित अन्य राज्यों की सरकारें अपनी आर्थिक नीति, बजट व अर्थव्यवस्था आदि को लेकर जो बड़े-बड़े दावे करती है वह हवाहवाई ही होते हैं। सरकार की अधिकतर नीतियों व कार्यक्रमों से कुछ मुट्ठीभर बड़े पूंजीपति व

धन्नासेठ अधिक धनवान हो रहे हैं। इसके साथ ही मध्य प्रदेश सरकार के मंत्री द्वारा विभिन्न सरकारी योजनाओं के लाभार्थियों को भिखारियों की फौज बताने से इनकी सोच उजागर हुई है।

बसपा अध्यक्ष ने कहा कि दलित शोषित पीड़ित गरीब जनता को थोड़ा सा अनाज देकर उनका वोट लेना और सरकार बनाने के बाद इनको भिखारियों की फौज बताकर इनके आत्मसम्मान को ठेस पहुंचायी गयी है। इसकी जितनी निन्दा की जाए वह कम है।

प्रेसवार्ता के बाद मायावती बसपा विधायक उमाशंकर सिंह से मिलने व उनका हाल चाल जानने उनके निवास गयीं व उनके जल्दी सेहत लाभ की कामना की।

जम्मू -कश्मीर पर एस जयशंकर के बयान का तरुण चुघ ने किया समर्थन

एजेंसी

नई दिल्ली। जम्मू कश्मीर पर विदेश मंत्री डा. एस जयशंकर के बयान का भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय सचिव तरुण चुघ ने समर्थन किया है। इस मुद्दे पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए तरुण चुघ ने कहा कि जम्मू-कश्मीर में अनुच्छेद 370 और 35ए हटने के बाद जम्मू-कश्मीर में स्थायी विकास और शांति की बहाली हो गई है। आज जम्मू-कश्मीर ढांचागत विकास की राजधानी बनकर सामने आया है। भारतीय रेल श्रीनगर तक पहुंच गई है। जम्मू कश्मीर की जनता ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विजन पर लगातार भरोसा जताया है। स्थानीय निकाय चुनावों में लोगों ने बढ़चढ़ कर हिस्सेदारी की है। यह स्पष्ट करता है कि जम्मू-कश्मीर की जनता ने भारी वोटिंग के माध्यम से अपनी भूमिका स्पष्ट की है। जम्मू-कश्मीर ने बॉयकॉट से वोटिंग तक का सफर तय किया है। आतंकवाद की राजधानी से लेकर पर्यटन की राजधानी तक का सफर जम्मू कश्मीर ने प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में तय किया है। आज यहां आतंकवाद का खात्मा हो गया है।

भाजपा मुख्यालय में मीडिया से बातचीत में तरुण चुघ ने कहा

कि जम्मू कश्मीर की वादियों और उसकी खूबसूरती अब नया इतिहास लिख रही हैं। वहां के अनुसूचित जाति और जनजाति भाइयों को आरक्षण मिल रहा है। वहां पर पत्थरबाजी लगभग पूरी तरह खत्म हो चुकी है। हमारी सरकार ने आतंकवाद को समूल नाश किया है। जम्मू कश्मीर की पग-पग भूमि हमारी मातृभूमि है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में दोनों सदनों ने इस संकल्प को दोहराया है। तरुण चुघ ने जम्मू कश्मीर विधानसभा में राजा हरिसिंह के बारे में अमर्यादित शब्दों के प्रयोग को बहुत निंदनीय बताया। उन्होंने कहा कि भाजपा इसकी घोर निंदा करती है और राजा हरिसिंह ने जम्मू-कश्मीर में बदलाव लाया, नागरिकों के अधिकारों के लिए काम किया। उन्होंने 1931 के गोलमेज सम्मेलन में भारत की आजादी की कामना करते हुए सभी भारतीय रियासतों को एक भारत श्रेष्ठ भारत के साथ जोड़ा। उन्होंने कहा कि अब्दुल्ला और मुफ्ती परिवार तो लगातार जम्मू कश्मीर की एकता और अखंडता के साथ खिलवाड़ करता रहा है।

नितिन गडकरी ने किया सड़क सुरक्षा को बढ़ाने के लिए रणनीति विकसित करने का आह्वान

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने सड़क सुरक्षा उपायों में सुधार की तत्काल आवश्यकता पर जोर देते हुए सड़क निर्माण उद्योग से नई प्रौद्योगिकियों और टिकाऊ पुनर्चक्रणीय निर्माण सामग्री को अपनाकर सड़क सुरक्षा को बढ़ाने के लिए रणनीति विकसित करने का आह्वान किया।

गडकरी यहां आज 'विज़न जीरोः सस्टेनेबल इंफ्राटेक और सुरक्षित सड़कों के लिए नीति' विषय पर दो दिवसीय ग्लोबल रोड इंफ्राटेक समिट एंड एक्सपो (जीआरआईएस) का उद्घाटन करने के बाद उपस्थित लोगों को सम्बोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि देश में होने वाली अधिकांश सड़क दुर्घटनाए सड़क डिजाइन, निर्माण और प्रबंधन में खराब सिविल इंजीनियरिंग प्रथाओं और अनुचित सड़क संकेत और चिह्न प्रणाली के कारण होती हैं। उन्होंने सुझाव दिया कि स्पेन, ऑस्ट्रिया और स्विट्ज़रलैंड जैसे देशों में जो किया जा रहा है, उसका अनुकरण करके उन्हें सुधारा जा सकता है।

उन्होंने कहा कि भारत में 4,80,000 सड़क दुर्घटनाएं हुईं, 1,80,000 मौतें हुईं और लगभग 4,00,000 लोग गंभीर रूप से घायल हुए। इनमें से 1,40,000 दुर्घटनाएं 18-45 वर्ष की आयु के लोगों की हैं, जिनमें ज़्यादातर दोपहिया वाहन सवार और पैदल यात्री प्रभावित हुए हैं। गडकरी ने कहा कि इन दुर्घटनाओं से सकल घरेलू उत्पाद में 3% की आर्थिक हानि होती है। सड़कों की खराब योजना और डिज़ाइन के कारण

सड़क दुर्घटनाओं में वृद्धि के लिए मुख्य रूप से इंजीनियरों को ज़िम्मेदार ठहराते हुए केंद्रीय मंत्री ने घटिया विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) की ओर भी इशारा किया। उन्होंने कहा कि सड़क सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए सरकार का लक्ष्य 2030 तक दुर्घटना दर को 50फीसदी तक कम करना है। गडकरी ने उद्योग और सरकार से सड़क दुर्घटनाओं को रोकने के लिए समाधान खोजने में सहयोग करने का आग्रह किया तथा सुरक्षित बुनियादी ढांचे के निर्माण में शिक्षा के महत्व और सुरक्षित ड्राइविंग आदतों के बारे में जागरूकता को बढ़ावा देने पर ज़ोर दिया। उन्होंने मज़बूत कानून प्रवर्तन और उत्तरदायी आपातकालीन चिकित्सा सेवाओं की आवश्यकता पर भी प्रकाश डाला। अंतरराष्ट्रीय सड़क महासंघ-भारत अध्याय (आईआरएफ-आईसी) द्वारा आयोजित शिखर सम्मेलन का उद्देश्य नवाचार को प्रेरित करना, उद्योग प्रदाताओं से अत्याधुनिक समाधान प्रदर्शित करना, ज्ञान के आदान-प्रदान को बढ़ावा देना और सरकारी निकायों और निजी संगठनों के विशेषज्ञों और निर्णयकर्ताओं के लिए मूल्यवान नेटवर्किंग के अवसर खोलना है।

अंतरराष्ट्रीय सड़क महासंघ (आईआरएफ) के अध्यक्ष एमेरिटस, केके कपिला ने कहा कि सम्मेलन-सह-एक्सपो मोड के माध्यम से शिखर सम्मेलन का उद्देश्य एक समग्र अनुभव प्रदान करना है, जो प्रारूपों को सहजता से मिश्रित करके उद्योग में शिक्षा, प्रेरणा और प्रगति को बढ़ावा देता है। आईआरएफ एक वैश्विक सड़क सुरक्षा निकाय है, जो दुनिया भर में बेहतर और सुरक्षित सड़कों के लिए काम कर रहा है।

सुज़ाना ज़म्माटारो, महानिदेशक, आईआरएफ, जिनेवा, लेफ्टिनेंट जनरल हरपाल सिंह, अध्यक्ष, आईआरएफ-भारत चैप्टर और अखिलेश श्रीवास्तव, उपाध्यक्ष, आईआरएफ ने भी इस अवसर पर अपने सुझाव रखे।

देश की सीमाओं को सुरक्षित कर लोकतंत्र को अधिक सुदृढ़ बनाने में सशस्त्र बलों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है : लोकसभा अध्यक्ष

एजेंसी

नई दिल्ली। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने संसद भवन के स्टडी विज़िट पर आए राष्ट्रीय रक्षा कॉलेज (एनडीसी) के पाठ्यक्रम सदस्यों को संबोधित करते हुए कहा कि देश की सीमाओं को सुरक्षित कर लोकतंत्र को अधिक सुदृढ़ बनाने में हमारे सशस्त्र बलों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। [...] संवाद, पारित विधेयकों ने देश के सामाजिक-आर्थिक-राजनीतिक विकास को सुनिश्चित किया है। आज भारत न सिर्फ विश्व का

विशालतम लोकतंत्र है, बल्कि लोकतंत्र का पुरोधा भी है। दुनिया भर के देश हमारी विधायी प्रणाली-पद्धतियों का अध्ययन कर रहे हैं।

लोकसभा अध्यक्ष को यह [...] सेवाओं, भारतीय पुलिस सेवाओं आदि के अधिकारियों के साथ ही एनडीसी-65 कोर्स में 32 देशों के प्रतिभागी भी प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे

NAME CHANGE
I, KARAN S/o RAM AYODHYA R/o 213/1, Gali No. 10, Than Singh Nagar, Anand Parbat, Dist Central, Delhi, Delhi - 110005 have changed my and my Father's name to KARAN GUPTA S/o RAM AYODHYA GUPTA for all purpose.

NAME CHANGE
I, Kishan Kumar Aggarwal S/O Sanju Ram R/O 2-C, Block-A-6, Nivedita Enclave, Paschim Vihar West Delhi-110063 have changed my name to Kishan Kumar for all future purposes.

नाम परिवर्तन
मेरे सैन्य अभिलेखों में मेरी बेटी का नाम गलतीसे पंचाल ट्विंकल प्रदीपकुमार दर्ज है। जबकी उसका वास्तवीक नाम ट्विंकल है। इसे मेरे सैन्य अभिलेखो में भी दर्ज कीया जाए, आर्मी नंबर JC-406264L, सुबेदार पंचाल प्रदिपकुमार पुत्र पंचाल जयंतीलाल E 132/133, मोतीभाई पार्क, खोडीयार नगर के पास, वडोदरा, गुजरात 390019 शपथ पत्र संख्या 0030410711 दिनांक 12/02/2025 जिला मॅजिस्ट्रेट, नवसारी (गुजरात)

NAME CHANGE
I sub Panchal Pradip Kumar, No-JC-406264L S/o Panchal Jayantilal, R/o E-132/133, Motibhai Park, near Khodiyar Nagar, Vadodara-390019. I have changed my daughter name from Panchal Twinkle Pradip Kumar to Twinkle vide affidavit no. 0030410711 dated 12/02/2025 District Magistrate, Navsari (Gujarat)

NAME CHANGE
I, hitherto known as JAI KUMAR SETHI son of SHRI GHANSHYAM SETHI residing at C-17 2ND FLOOR STREET NO-3, KOTLA VILLAGE, MAYUR VIHAR PHASE-1, DELHI-110091 have changed my name and shall hereafter be known as JAI SINGH SETHI.

PUBLIC NOTICE
NOTICE is hereby given to public at large that my clients **Sh. Manav Kumar & Smt. Raj Kumari** are purchasing the Plot No. 72 area measuring 51.5 sq. yds. out of Khasra No. 271 situated village Chaprola Pargana & Tehsil Dadri Distt. Gautam Budh Nagar U.P. from Mrs. Ravita who is owner of the above-mentioned property vide Sale Deed dated 25.06.2018 and intend to get the financial assistance from SMFG India Home Finance Company Ltd.. That Original Sale Deed dated 08.08.2011 Registered as Doc no. 12606 is lost/misplaced. Public is being warned not to deal with the said document. Any person dealing with the said document would do so at their own risk & responsibility. Owner shall not be liable in any manner whatsoever for any loss incurred by such person. If anybody found these document or notice any misuse of the above mentioned document, Concern person is required to communicate in writing to the undersigned at below address.
Khaitan and Khaitan
A-38 Kailash Colony,
New Delhi-110048,
Ph. No: 011-49774545

NAME CHANGE
I, G MANGA DEVI Wife of No. 2609921L Rank-HAV Name-NARAYANARAO GURLA Presently residing at VILL-D. SIRLAM, POST-D.SIRLAM, TEH-MAKKUVA, DIST-VIZIANAGARAM, ANDHRA PRADESH-535527, have changed my name from G MANGA DEVI to GURLA MANGADEVI for all future purposes vide Affidavit dated 07/03/2025 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I hitherto known as Dhiraj Kumar Singh S/O: Jai Ram Singh,R/O HO NO C-2/565, GALI NO-15, NEAR POLICE STATION KE PAS, HARSH VIHAR, Mandoli, North East Delhi, Delhi - 110093,Have changed my name and shall hereafter be known as Dr Dhiraj Kumar Singh.

NAME CHANGE
I, No-14647930A Rank-NK Name-MOHINDER SINGH R/o VPO-PICHOLIA, TEH & DIST-KARNAL, HARYANA-132001, in my service records my wife's (MEENA DEVI) date of birth wrongly mentioned as 19/04/1985 instead of her correct date of birth as 01/05/1985 vide Affidavit dated 07/03/2025 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I hitherto known as Simran Kaur alias Simran Rawat D/O Hari Rawat W/O: Jyot Kiran Singh, R/O A-6 1st Floor, Kotla Firoz Shah, Vikram Nagar, VTC: Darya Ganj, PO: Indraprastha, Sub District: Darya Ganj, Central Delhi, Delhi- 110002, have changed my name and shall hereafter be known as SIMRAN RAWAT.

NAME CHANGE
I, PUJA PATNEY W/O SUSHANT PATNEY R/O G-2, NEAR ANSAL PLAZA, SECTOR-23, PALAM VIHAR, GURGAON, HARYANA-122017 HAVE CHANGED MY NAME TO POOJA PATNEY FOR ALL FUTURE PURPOSE.

NAME CHANGE
I , hitherto known as Shivani Chaudhary alias Km Shivani Chaudhary D/O Jitendra Chaudhary W/O Aditya Kumar, R/O A-206 A, Nand Gram, Ghaziabad, Ghaziabad, Uttar Pradesh - 201001,have changed my name and shall hereafter be known as KM SHIVANI CHAUDHARY.

NAME CHANGE
I, SUMMEY AKHTER, Spouse of SHEERAZ AHMAD DAR, Resident of VILLAGE MOHAMMAD PORA, POST OFFICE ARREH, TESHIL KULGAM, DISTRICT KULGAM, U.T. JAMMU AND KASHMIR-192231, have changed my name from SUMMEY AKHTER to SUMI JAN for all future purposes and in my husband's service records my date of birth wrongly mentioned as 10/10/1990 instead of my correct date of birth as 04/04/1989 vide Affidavit dated 07/02/2025 before District Court Kulgam, Jammu and Kashmir.

सार्वजनिक सूचना
यह सूचित किया जाता है कि श्रीमती रूबी देवी, पत्नी श्री अनिल कुमार झा, संपत्ति संख्या पुराना नंबर 19/65, नया नंबर 88, क्षेत्रफल 110 वर्ग गज, खसरा नंबर 20/1 के अंतर्गत स्थित, गाँव शेख सराय, कॉलोनी सावित्री नगर, नई दिल्ली-110017 में निर्मित आवासीय ग्राउंड फ्लोर (बिना छत के अधिकार) की मालिक हैं। श्रीमती रूबी देवी ने उक्त संपत्ति को श्रीमती संतोष से दिनांक 23.12.2023 को क्रय किया था, जो कि दस्तावेज संख्या 11151 के तहत पंजीकृत बिक्री विलेख (Sale Deed) के माध्यम से संपन्न हुआ था। वर्तमान में यह संपत्ति GIC हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड द्वारा वित्तपोषित है, जिसकी शाखा ऑफिस नंबर 303, तीसरी मंजिल, ट्रेडेक्स टॉवर-1, अल्फा कॉम्प्लेक्स बेल्ट, सेक्टर अल्फा-1, ग्रेटर नोएडा, उत्तर प्रदेश-201307 में स्थित है। इस संपत्ति से संबंधित मूल त्याग विलेख (Relinquishment Deed), जो कि रजिस्ट्रेशन संख्या 10052, पुस्तक संख्या 01, खंड संख्या 5795, पृष्ठ संख्या 63-69, दिनांक 20.11.2023 को एसआरओ-V ए, हौज खास, नई दिल्ली में पंजीकृत था, वह श्रीमती रूबी देवी द्वारा खो गया है। इस संबंध में ऑनलाइन प्राथमिकी (FIR) (LR संख्या- 2650882/2025) दिनांक 07.03.2025 को थाना अपराध शाखा, दिल्ली में दर्ज कराई गई है। यदि किसी व्यक्ति को उपरोक्त संपत्ति के संबंध में कोई आपत्ति हो, तो कृपया इस सूचना की तिथि से 07 दिनों के भीतर अपनी आपत्ति लिखित रूप में प्रस्तुत करें। उक्त आपत्ति कृपया नीचे दिए गए पते पर पंजीकृत डाक के माध्यम से और ईमेल द्वारा अधोहस्ताक्षरी को भेजी जाए। यदि निर्धारित अवधि के भीतर कोई आपत्ति प्राप्त नहीं होती है, तो उक्त संपत्ति के संबंध में किसी भी प्रकार के दावे को अमान्य एवं निरस्त माना जाएगा।
[ASHWANI KUMAR] Advocate
Chamber No. 122,
Tehsil Compound, Ghaziabad, U.P.

NAME CHANGE
I Komal Anand W/O: Sanam Anand, R/O H No B-10, main Road Veer Sawarkar Block, Shakarpur, PO:Shakarpur, DIST: East Delhi, Delhi-110092, have changed the name of my minor daughter Ishika Gupta aged 4 years and she shall hereafter be known as Ishika Anand.

NAME CHANGE
I hitherto known as Dharmender Singh alias Dharvendra Singh S/O UDAL SINGH,R/O QUATER NO-2, G/F DG-2 5 TYPE-2, PS MANGOL PURI, MANGOL PURI, Mangolpuri N Block, PO Mangolpuri N Block, DIST: North West Delhi, Delhi-110083, have changed my name and shall hereafter be known as DHARMENDER SINGH.

PUBLIC NOTICE
General Public to inform that My Client, Mr. Bappa Bose son of Lt Mr. Swapan Bose, R/o E-120, GF-1, Radha Kunj, Brij Vihar, Ghaziabad, Chander Nagar, U.P.-201011. is the absolute owner of Flat bearing No. GF-01 on Ground Floor (MIG Type), having covered area measuring 65 sq. meters built on Plot No. E-120 in Block-E, situated at Residential Colony Radha Kunj, Brij Vihar, Sector-8, Ghaziabad, Tehsil & District Ghaziabad, U.P. purchased jointly with his mother Mrs. Gauri Bose vide Sale Deed dt. 13.12.2012 executed by Mr. Rakesh Kumar regd. As Doc. No. 16738, in Book No. 1, Vol. No. 6556, on Pages 329-380, on Dt. 13.12.2012, SRO-2-Ghaziabad. That on dt. 30.07.2020 Mrs. Gauri Bose had expired and on dt. 09.01.2013 Mr. Swapan Bose (Father of Mr. Bappa Bose) also had expired and on Dt. 07.10.2022 Mrs. Roma Gupta (Sister of Mr. Bappa Bose) also had expired. Now Mr. Bappa Bose is mortgaging the said property with Tru Home Finance Limited formerly known as Shri Ram Housing Finance Limited. If Any person/bank/financial institution having any claim/right, lien any objection whatsoever in regard to above property, should notify to the undersigned/Adv. Aditya Verma, E-16, 1st & 2nd Floor, Mansarovar Park, Shahdara, Delhi-110053. along with documentary evidence under address through registered A/D within 10 days from the date of publication of this notice, failing which any claim, lien or objection shall be deemed to have been waived.
ADITYA VERMA, ADV.
E-16, 1st & 2nd Floor, Mansarovar Park, Shahdara, Delhi-110053.
MOBILE NO. 9999042521.

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा
धारा 82 Cr. P.C. देखिए
मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **आरोपी हिमांशु कंसल, पुत्रः** श्री नागेंद्र कंसल निदेशक बर्टुसर क्लिसीन डेओर प्राइवेट लिमिटेड **पताः** ए-506, एटीएस ग्रीन फर्स्ट, सेक्टर 50, नोएडा, जिला-गौतमबुद्धनगर. उ.प्र., और ए-15, ग्रीन फर्स्ट, सेक्टर 50, नोएडा, जिला-गौतमबुद्धनगर. उ.प्र., **CC No. 3223/2017, 3219/2017, 3222/2017, 3220/2017, U/s: 138 NI ACT पुलिस थानाः शालीमार बाग, दिल्ली** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है), और उस पर जारी किए गए गिरफ्तारी के वारण्ट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **हिमांशु कंसल,** मिल नही रहा है और मुझे समाधानप्रद रूप से दर्शित कर दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **हिमांशु कंसल,** फरार हो गया है (या उक्त वारण्ट की तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा है)। इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि उक्त अभियुक्त **हिमांशु कंसल, CC No. 3223/2017, 3219/2017, 3222/2017, 3220/2017, U/s: 138 NI ACT पुलिस थानाः शालीमार बाग, दिल्ली** से अपेक्षा की जाती है कि वे इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **08.04.2025** को या उससे पहले हाजिर हो।
आदेशानुसार
एब्बानी अग्रवाल
न्यायिक दण्डाधिकारी, प्रथम श्रेणी-03
उत्तर पश्चिम कमरा नं. 107. प्रथम तल
रोहिणी कोर्ट, दिल्ली
DP/2796/NW/2025 (Court Matter)

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा
धारा 82 (2) Cr. P.C. देखें
मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **मुन्ना पुत्र** ननवा, **निवासी** मं. नं. 135, प्रेम नगर, लोनी, गाज़ियाबाद, (यूपी) ने **FIR. No. 11/19 U/s 379/411 IPC थानाः लाहौरी गेट, दिल्ली** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किए गए गिरफ्तारी वारंट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त **मुन्ना** मिल नही रहा है और मुझे समाधानप्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त **मुन्ना** फरार हो गया है (या उक्त वारण्ट की तामील से बचने के लिए अपने आपको छिपा रहा है)
इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि **FIR. No. 11/19 U/s 379/411 IPC, थानाः लाहौरी गेट, दिल्ली** के उक्त अभियुक्त **मुन्ना** से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **05.05.2025** को या इससे पहले हाजिर हो।
आदेशानुसार
पायल सिंधल
जेएमएफसी-09, कमरा नं. 286
तीस हज़ारी कोर्ट, दिल्ली
DP/2850/N/2025 (Court Matter)

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा
धारा 82 सीआरपीसी देखिए
मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **युसुफ** पुत्र **बसगर** निवासी **एच-325, सेक्टर-12, प्रताप विहार, गाजीयाबाद, उत्तर प्रदेश** ने case **FIR No. 675/2024 U/s 390(4)/311/317(2)/3(5) BNS, थाना वजीराबाद, दिल्ली** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है उसने किया है) और उस पर जारी किये गये गिरफ्तारी के वारंट को यह लिखकर लौटा दिया है कि उक्त **युसुफ** मिल नहीं रहा है और मुझे समाधानप्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त **युसुफ** फरार हो गया है (या उक्त वारंट की तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा है।)
इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है case **FIR No. 675/2024 U/s 390(4)/311/317(2)/3(5) BNS, थाना वजीराबाद, दिल्ली** के उक्त अभियुक्त **युसुफ** से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए **दिनांक 14.04.2025** को या उससे पूर्व हाज़िर हो।
आदेशानुसार
श्री चतिंदर सिंह
न्यायिक दंडाधिकारी प्रथम श्रेणी
कमरा नं. 32, भूतल
तीस हजारी कोर्ट, दिल्ली
DP/2846/N/2025(Court Matter)

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा
धारा 82 (2) (ii) Cr.PC देखिए
मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त नामः **गोपाल जुनेजा, पुत्रः मनोहर लाल जुनेजा, निवासीः पटरी कोडिया पुल, दिल्ली और पूजा पवी, लोनी, गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश** ने अपराध किया है (या किए जाने का संदेह है) **FIR No.02/2021 U/s. 356/379/411 IPC** के तहत एक मामला **थाना दरिया गंज, दिल्ली** में दर्ज किया गया है और उसके बाद जारी गिरफ्तारी वारंट को यह कहते हुए वापस कर दिया गया कि उक्त **गोपाल जुनेजा** नहीं मिला या मेरी संतुष्टि के लिए दिखाया गया है कि आरोपी **गोपाल जुनेजा** फरार हो गया है (या उक्त वारंट कि तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा है), इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि अभियुक्त **गोपाल जुनेजा** से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **25.04.2025** को या इससे पहले हाजिर हो।
आदेशानुसार
डॉ. राज कुमार सिंह
न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी-05
कमरा नं. 241, द्वितीय तल
तीस हजारी कोर्ट, दिल्ली
DP/2879/CD/2025

PUBLIC NOTICE
I, Raj Kumar Singh, S/O Late Uma Shankar Singh R/O C.N-226B, Inder Camp, Malik Pur Kohi Rang Puri Pahadi, South West Delhi-110037, have severed all relations and disowned my son namely Anshu Singh and daughter in law Pooja Singh @ Pooja Devi from my all movable-immovable properties due to their misconduct/ misbehavior. I will not be responsible for their any acts /deeds in future.

PUBLIC NOTICE
Information is given to general public at large that our client Mrs. Suman W/o Mr. Rammehar is the owner of Freehold Residential Plot area measuring 0 Kanal 17 Marle out of Khewat No. 37, Khata no. 77, Khasra no. 75(0-17), situated at Waka Mauja Berampur Tehsil Wazirabad, District Gurugram Haryana. by virtue of Sale Deed Dated 14.09.2022 as Doc. No. 11597, in Book No. 1, on Dated 14.09.2022, SR- Wazirabad., In the chain documents below mentioned document not available i.e. Original Sale Deed Dated 08.10.2007, executed by Mrs. Jaiwati in favour of Mrs. Bimla as Doc. No. 2889, in Book No. 1, on Dated 08.10.2007, SR- Sohna. Our client is declaring that any other Person does not have any right over the said property, which is to be financed by Piramal Capital & Housing Finance Ltd. Branch- Gurugram - Sohna Road Haryana. If any person(s) have any objection(s) or claim(s) with respect to the' right, title or interest in the Said Property then contact us within 07 days from the date of Publication of this notice and or the same to the undersigned if found by anyone. Thereafter no claim shall be entertained
[NAVEEN KUMAR VERMA]
Advocate
F-211,sector-3 Vaishali Ghaziabad
Uttar Pradesh-201010, Contact at 09958871432

सार्वजनिक सूचना
यह सूचित किया जाता है कि श्रीमती शोभा दीक्षित, पत्नी श्री मोहन कुमार दीक्षित, प्लॉट संख्या 90/12, क्षेत्रफल 100 वर्ग गज, खसरा संख्या 384 मिन से संबंधित, ग्राम चिपियाना बुजुर्ग, साईं गार्डन कॉलोनी, परगना एवं तहसील दादरी, जिला गौतम बुद्ध नगर, उत्तर प्रदेश में स्थित संपत्ति को श्रीमती ज्योति, पत्नी श्री नरेन्द्र सिंह से क्रय करने का इरादा रखती हैं। श्रीमती ज्योति ने उक्त संपत्ति को श्रीमती सरोज देवी से क्रय किया था, जिसका बिक्री विलेख दिनांक 11.07.2018 को निष्पादित हुआ था और दस्तावेज संख्या 13822 के तहत पंजीकृत किया गया था। उक्त संपत्ति को जीआईसी हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड (GIC HFL) द्वारा वित्तपोषित किया जा रहा है, जिसकी शाखा यूजीएफ-10 ए-ई, कंचनजंगा बिल्डिंग, बाराखंबा रोड, नई दिल्ली में स्थित है। इस संपत्ति से संबंधित मूल बिक्री विलेख, जो कि पंजीकरण संख्या 3741, पुस्तक संख्या 01, खंड संख्या 5235, पृष्ठ संख्या 109-126, दिनांक 22.02.2013 को एसआर-दादरी में पंजीकृत था, श्रीमती ज्योति द्वारा गुम हो गया है। इस संबंध में दिनांक 07.03.2025 को पुलिस स्टेशन क्राइम ब्रांच, दिल्ली में एक ऑनलाइन प्राथमिकी (एलआर संख्या- 2650234/2025) दर्ज कराई गई है। यदि किसी व्यक्ति को उपरोक्त संपत्ति के संबंध में कोई आपत्ति हो, तो कृपया इस सूचना की तिथि से 07 दिनों के भीतर अपनी आपत्ति लिखित रूप में प्रस्तुत करें। उक्त आपत्ति कृपया नीचे दिए गए पते पर पंजीकृत डाक के माध्यम से और ईमेल द्वारा अधोहस्ताक्षरी को भेजी जाए। यदि निर्धारित अवधि के भीतर कोई आपत्ति प्राप्त नहीं होती है, तो उक्त संपत्ति के संबंध में किसी भी प्रकार के दावे को अमान्य एवं निरस्त माना जाएगा।
[ASHWANI KUMAR] Advocate
Chamber No. 122,
Tehsil Compound, Ghaziabad, U.P.

राष्ट्रपति का विश्वविद्यालय में आगमन गौरव का विषय : नरसी राम बिश्नोई

हिसार। गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. नरसी राम बिश्नोई ने 10 मार्च को विश्वविद्यालय में होने वाले दीक्षांत समारोह की तैयारियों का जायजा लिया। विश्वविद्यालय के चौधरी रणबीर सिंह सभागार में एकेडमिक प्रोसेशन की प्रथम रिहर्सल का आयोजन भी किया गया। विश्वविद्यालय के वरिष्ठ अधिकारी आभासीय मेहमान बने तथा प्रोसेशन की प्रक्रिया से संबंधित औपचारिकताओं के बारे में जानकारियां दी गई। कुलपति प्रो. नरसी राम बिश्नोई ने बताया कि विश्वविद्यालय के लिए यह अत्यंत गौरव का विषय है कि भारत की राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू इस दीक्षांत समारोह में मुख्यातिथि होंगी। विश्वविद्यालय प्रशासन इस आयोजन को लेकर अत्यंत उत्साहित है तथा समारोह की तैयारियों का बारीकी से जायजा लिया जा रहा है। इस अवसर पर कुलसचिव डा. विजय कुमार, डीन एकेडमिक अफेयर्स प्रो. योगेश चाबा, तकनीकी सलाहकार प्रो. संदीप राणा, डीन ऑफ कॉलेजिज प्रो. संजीव कुमार, चीफ वार्डन गर्ल्स प्रो. सुजाता सांघी, विश्वविद्यालय निर्माण विभाग के प्रभारी प्रो. एचसी गर्ग, डीन रिसर्च एंड डवेल्पमेंट प्रो. नीरज दिलबागी, एमएमटीटीसी की निदेशिका प्रो. सुनीता रानी व प्रो. दीपा मंगला उपस्थित रहे।

हरियाणा का नया विधानसभा भवन बनाने को सभी दल एकमत

चंडीगढ़। हरियाणा विधान सभा के नए भवन के निर्माण को लेकर प्रदेश के सभी दल एकमत हैं। विस अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण की अध्यक्षता में बुलाई गई सर्वदलीय बैठक में इस मसले में गहन चर्चा हुई है। सभी दलों के नेता इस विषय पर एकमत दिखाई दिए कि निकट भविष्य में होने वाले परिसीमन में प्रदेश में विधानसभा क्षेत्रों की संख्या बढ़ने के मद्देनजर अपेक्षाकृत बड़े विधान भवन की जरूरत पड़ेगी। फिलहाल हरियाणा विधानसभा के सदन में 90 विधायकों के बैठने के लिए ही स्थान उपलब्ध है। ऐसे में विधायकों की संख्या बढ़ने पर यहां सदन की कार्यवाही संचालित करना संभव नहीं है। इसके अलावा वर्तमान में भी समितियों की बैठकों और विभिन्न कार्यालयों के लिए स्थान अभाव का सामना करना पड़ा रहा है। सात मार्च से शुरू हो रहे बजट सत्र के दौरान कार्य उत्पादकता बढ़ाने और अनुशासनपूर्ण ढंग से विमर्श की संस्कृति को बढ़ाने के उद्देश्य से विस अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण ने वीरवार को सर्वदलीय बैठक बुलाई। बैठक में सभी दलों और निर्दलीय विधायकों के प्रतिनिधि शामिल रहे। इस दौरान सत्र की कार्यवाही के साथ-साथ नए विधान भवन को लेकर भी चर्चा हुई।

जींद में बंदर पकड़ने में हुए घोटाले की जांच करेगी विजिलेंस

जींद। नगर परिषद क्षेत्र में बंदर पकडऩे के मामले की जांच विजिलेंस द्वारा की जाएगी। इसे लेकर एंटी करप्शन ब्यूरो के एडीजीपी ने आदेश जारी कर दिए हैं। हरियाणा विधानसभा के डिप्टी स्पीकर डा. कृष्ण मिड्ढा ने बंदर पकडऩे के मामले की जांच को लेकर मुख्य सचिव को पत्र लिखा था। जिस पर कार्रवाई शुरू हो गई है। आरोप लगे थे कि बंदर पकडऩे के मामले में घोटाला किया गया है। गौरतलब है कि जींद शहर में नगर परिषद द्वारा छह हजार बंदर पकड़वाने के दावे किए गए थे लेकिन छह हजार बंदर पकडऩे के बाद भी लोगों को राहत नहीं मिली थी। शहर में बंदरों के झुंड लगातार घूम रहे थे और आए दिन लोगों को काट भी रहे थे। जिस पर शहर के लोगों द्वारा मामला डिप्टी स्पीकर डा. कृष्ण मिड्ढा के संज्ञान में लाया गया था। लोगों का कहना था कि बंदर पकडऩे के मामले में घोटाला किया गया है। क्योंकि अगर इतनी संख्या में बंदरों को पकड़ा गया है तो शहर में बंदरों का आतंक क्यों है। नगर परिषद ने बंदरों को पकडऩे के लिए कंपनी को ठेका दिया था, उस कंपनी को प्रति बंदर 1700 रुपये का भुगतान नगर परिषद द्वारा किया गया था। इस हिसाब से एक करोड़ से ज्यादा के बंदर नगर परिषद द्वारा पकड़वा गए थे लेकिन हैरानी की बात थी कि छह हजार बंदर पकड़े जाने के बाद भी शहर के लोगों को बंदरों से निजात नही मिली थी। लोगों का कहना था कि यदि शहर में छह हजार बंदर पकड़े गए हैं तो बंदरों की तादाद कम होनी चाहिए थी लेकिन बंदरों की तादाद लगातार बढ़ रही है और मामले की जांच करवाई जानी चाहिए।

अब 60 फीसदी दिव्यांग को भी मिलेगा पेंशन लाभ

रोहतक। अब 70 फीसदी नहीं, बल्कि साठ फीसदी दिव्यांग की पेंशन बन पाएगी। इसके लिए बाकायदा प्रदेश सरकार ने आदेश जारी कर दिये हैं। साथ ही 21 गंभीर बीमारियों से पीड़ित मरीज भी पेंशन का लाभ ले पाएंगे। पेंशन पाने वाले आवेदक की सभी स्त्रोतों से वार्षिक आय तीन लाख रूपए से अधिक नहीं होनी चाहिए। अतिरिक्त उपायुक्त नरेंद्र कुमार स्थानीय लघु सचिवालय स्थित वीडियो सभागार में समाधान शिविर में नागरिकों की शिकायतें सुन रहे थे। उन्होंने समाधान शिविर में सांघी निवासी हरिओम की दिव्यांग पेंशन से संबंधित शिकायत की सुनवाई करते हुए कहा कि सरकार द्वारा गत 3 मार्च 2025 को दिव्यांग पेंशन के लिए 21 बीमारियों को शामिल किया है। इनमें चलने-फिरने में असमर्थ दिव्यांग, कुष्ठ रोग, मस्तिष्क पक्षाघात, मांसपेशीय दुर्विकास, अंधापन, कम दृष्टि, श्रवण दोष, वाणी और भाषा दिव्यांगता, बौद्धिक दिव्यांगता, विशिष्ट अधिगम दिव्यांगता, ऑटिज्म स्पेक्ट्रम विकार, मानसिक बीमारी, दीर्घकालिक तंत्रिका संबंधी बीमारी, मल्टीपल स्कलेरोसिस, पार्किंसंस रोग, सिकल सेल रोग, बहु विकलांगता, हीमोफीलिया, थैलेसीमिया, एसिड अटैक पीड़ित एवं बौना आदि विकार शामिल हैं। इन बीमारियों से संबंधित पात्र व्यक्तियों को दिव्यांग पेंशन का लाभ प्रदान किया जाता है। दिव्यांग पेंशन का लाभ लेने के लिए सिविल सर्जन कार्यालय से 60 प्रतिशत या इससे अधिक दिव्यांगता का प्रमाण-पत्र प्राप्त करना होता है।

विकास कार्यों में किसी भी प्रकार की ढिलाई न बरती जाए: नायब सिंह सैनी

● विकास कार्यों में किसी भी प्रकार की ढिलाई न बरती जाए : नायब सिंह सैनी

■ मुख्यमंत्री ने गुरुग्राम में क्रियान्वित विकास परियोजनाओं की ली समीक्षा बैठक

एजेंसी

गुरुग्राम। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने गुरुग्राम नगर निगम क्षेत्र में सफाई व्यवस्था की समीक्षा करते हुए कहा कि गुरुग्राम प्रदेश की आर्थिक उन्नति का प्रमुख आधार है। ऐसे में शहर को स्वच्छ व सुंदर बनाना हम सभी की नैतिक जिम्मेदारी है। वे यहां पीडब्ल्यूडी विश्राम गृह में क्रियान्वित विकास परियोजनाओं की समीक्षा बैठक ले रहे थे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हरियाणा कौशल रोजगार निगम लिमिटेड के माध्यम से संबंधित निकाय क्षेत्र आवश्यकता अनुसार सफाई कर्मचारियों की कमी को पूरा किया जाएगा। बैठक में निगम क्षेत्र में डोर टू डोर कूड़ा कलेक्शन पर भी सार्थक चर्चा की गई। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को राज्य सरकार की प्रमुख परियोजनाओं के क्रियान्वयन में तेजी लाने और उन्हें समय पर पूरा करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि अधिकारी यह सुनिश्चित करें कि तीव्र गति से गुणवत्तापूर्ण कार्य करना है और विकास कार्यों में किसी भी प्रकार की ढिलाई न बरती जाए।

मुख्यमंत्री ने सभी संबंधित विभागीय अधिकारियों से गुरुग्राम में सीवरेज, ड्रेनेज, स्वच्छता, जलापूर्ति, सी एंड डी वेस्ट तथा सडक़ व्यवस्था की विस्तृत रिपार्ट लेने उपरान्त कहा कि राज्य सरकार जिले में विकास के नये आयाम स्थापित करने के लिए आधारभूत संरचनाओं का विकास बेहद जरूरी है। जिन परियोजनाओं में

संबंधित एजेंसी द्वारा देर की जा रही है, उन पर पेनल्टी लगाने के साथ-साथ एफआईआर भी दर्ज कराई जाए।

जीएमडीए समयबद्धता के साथ कराए सडक़ों का जीर्णोद्धार

मुख्यमंत्री ने गुरुग्राम महानगर विकास प्राधिकरण के अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि वे शहर में आमजन को सुगम व सुरक्षित यातायात व्यवस्था उपलब्ध कराने के लक्ष्यों के साथ समयबद्ध रूप से सभी सडक़ों का जीर्णोद्धार कार्य पूरा करवाएं। उन्होंने कहा कि अभी मानसून आने में काफी समय है। ऐसे में अधिकारी यह सुनिश्चित करें कि जून माह के अंत तक यह कार्य पूरा कर लिया जाए। बैठक में जानकारी दी गई कि गुरुग्राम महानगर विकास प्राधिकरण के पास 284.5 किलोमीटर सडक़ मार्ग है, जिसमें अभी तक 135 किलोमीटर सडक़ों का जीर्णोद्धार कार्य पूरा हो चुका है। ग्रेप की पाबंदियां हटने के उपरान्त 100 किलोमीटर सडक़ों का जीर्णोद्धार का कार्य 15 फरवरी से शुरू हो गया है। जोकि निर्धारित समय में पूरा कर लिया जाएगा। मुख्यमंत्री ने इस दौरान सी एंड डी वेस्ट के उठान, ड्रेनेज सिस्टम के अपग्रेडेशन कार्य, मेट्रो विस्तार परियोजना में तेजी लाने और कार्यान्वयन में पारदर्शिता और दक्षता सुनिश्चित करने के भी निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि गुरुग्राम शहर में पानी की बढ़ती जरूरतों के हिसाब से आगामी बजट में इसके लिए अलग से प्रावधान किया जाएगा।

नालों की डिसिल्टिंग के बिना न कराएं सडक़ो का जीर्णोद्धार: राव नरबीर

बैठक में उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री राव नरबीर सिंह ने कहा कि गुरुग्राम में सडक़ों के जो भी जीर्णोद्धार कार्य करवाये जा रहे हैं, उससे पूर्व सडक़ के साथ लगते नालों का डीसिल्टिंग का कार्य पूरा करवाया जाए। उन्होंने कहा कि अधिकारी यह सुनिश्चित करें कि किसी भी क्षेत्र में जो विकास कार्य पूरे हो रहे हैं, उनमें संबंधित आरडब्ल्यूए की सहमति जरूर ली जाए।

हरियाणा बोर्ड परीक्षाओं में नकल रोकने के लिए नूंह जिले में परीक्षा केंद्रों पर पुलिस का सख्त पहरा

पुलिस कप्तान विजय प्रताप से किया परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण

एजेंसी

नूंह । हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड की परीक्षाओं में नकल और पेपर लीक की घटनाओं के बाद नूंह पुलिस ने सख्त कदम उठाए हैं। नूंह जिले में 12वीं अंग्रेजी और 10वीं गणित के पेपर लीक होने की घटनाओं के बाद नूंह पुलिस द्वारा नकल कराने वालों व नकलचियों पर सख्त कदम उठाए जा रहे हैं ।

नकल रोकने के लिए प्रशासन ने परीक्षा केंद्रों के आसपास धारा 163 का दायरा 100 मीटर से बढ़ाकर 500 मीटर कर दिया है। इस क्षेत्र में अनधिकृत व्यक्तियों के प्रवेश पर सख्त प्रतिबंध लगाया गया है। इसके अलावा परीक्षा केंद्रों की दीवारों पर कंटीली तारें लगाई गई हैं और परीक्षा सैंटरो की छतों पर पुलिस बल तैनात किया गया है।

जिला नूंह में पुलिस अधीक्षक

विजय प्रताप ने नूंह पुलिस के साथ मिलकर स्वयं मोर्चा संभाला है। सभी परीक्षा केंद्रों पर ड्यूटी मजिस्ट्रेट नियुक्त कराए गए हैं। पुलिस ने नकलचियों से निपटने के लिए पूरी तैयारी की है और 500 मीटर की परिधि में अनाधिकृत व्यक्तियों के प्रवेश पर नियम अनुसार सख्त कार्रवाई के आदेश दिए गए हैं।

पुलिस अधीक्षक विजय प्रताप ने स्वयं परीक्षा केंद्रो पर पहुंचकर निरीक्षण किया और सुरक्षा व्यवस्था को लेकर जरूरी दिशा-निर्देश दिए हैं।

पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि कानून व्यवस्था का पालन कराया जा रहा है और नकलचियों पर शिकंजा कसने के लिए पुलिस गंभीर है। इन सख्त कदमों के बाद बुधवार व वीरवार को दसवीं/बारहवीं की परीक्षा में सभी परीक्षा केंद्रों पर भारी पुलिस बल की मौजूदगी रही और नकल करने वाले दूर-दूर तक नजर नहीं आए। नूंह पुलिस की इस सख्ती से आगामी परीक्षाएं निष्पक्ष और नकल मुक्त होंगी।

तावडू में जनस्वास्थ्य विभाग की लापरवाही के चलते 5 दिन बीत जाने पर भी नहीं हुआ पेयजल समस्या का समाधान, लोगों में रोष

एजेंसी

तावडू। जनस्वास्थ्य विभाग की लापरवाही के चलते शहर के मुख्य मार्ग पर स्थित रामलीला मैदान के समीप कई गलियों में पेयजल 5 दिनों से न पहुंचने के कारण लोगों को भारी परेशानियों का सामना करना पड रहा है। लोगों का कहना है कि विभाग को इसकी शिकायत देने के बावजूद भी जनस्वास्थ्य विभाग ने 5 दिनों बाद भी अपनी कुंभकर्णीय नींद नहीं तोडी है। वार्डवासियों को पेयजल ने मिलने के कारण वार्डवासियों में विभाग के प्रति रोष पनप रहा है।

राम किशोर सोनी, मदन लाल, मनीष कुमार, संयम, नसीम, सन्नी, जगदीश, संदीप, गौरव, दीपक, कुलदीप आदि ने बताया कि पिछले 5 दिनों से जय भारत रामलीला मैदान के समीप कई गलियों में पेयजल न पहुंचने के कारण लोगों को भारी परेशानियों का सामना करना पड रहा है। लोगों को दूर दराज से पानी लाना पड रहा है। लोगों का कहना है कि अभी तो गर्मी शुरू नहीं हुई है और अभी से विभाग की लापरवाही के चलते उन्हें पेयजल किल्लत का सामना करना पड रहा है, तो गर्मियों में क्या हालत होगी। गलीवासियों ने बताया कि संबंधित विभाग को समस्या के बारे में कई बार अवगत कराया जा चुका है। लेकिन समस्या की तरफ विभाग ध्यान नहीं दे रहा। जिससे लगता है कि विभाग कुंभकर्णीय नींद सोया हुआ है। गलीवासियों ने जिला प्रशासन से समस्या के समाधान की गुहार लगाई है। इस संबंध में विभाग के एसडीओ आबिद हुसैन से 2 बार संपर्क करने पर उनके मोबाईल की घंटी घनघनाती रही, लेकिन उन्होंने कोई जवाब नहीं दिया। जिस पर विभाग के बंटी सोनी से बात करने पर उन्होंने बताया कि इस समस्या के समाधान के लिए नई पेयजल लाईनें बिछाई जा रही हैं।

अवैध नशीले पदार्थों का कारोबार करने वालों के खिलाफ जिला पुलिस की बड़ी कार्रवाई

● सीआईए महेंद्रगढ़ और साइबर सेल की पुलिस टीम ने करीब 159 किलो 110 ग्राम गांजा पत्ती की बरामद, 2 नशा तस्करों को किया गिरफ्तार

एजेंसी

नारनौल। पुलिस अधीक्षक पूजा वशिष्ठ ने नशे के खिलाफ अभियान चलाया हुआ है, ताकि लोग नशे से दूर रहें। एसपी के निर्देशानुसार जिला भर में अवैध नशे का कारोबार करने वालों के खिलाफ जिला पुलिस द्वारा कड़ी कार्रवाई की जा रही है। जिसके तहत कार्रवाई करते हुए सीआईए महेंद्रगढ़ और साइबर सेल की संयुक्त टीम को बड़ी कामयाबी मिली है। पुलिस अधीक्षक पूजा वशिष्ठ ने प्रेस वार्ता में बताया कि सीआईए महेंद्रगढ़ और साइबर सेल की संयुक्त टीम ने नांगल चौधरी क्षेत्र से 2 आरोपियों को नशीले पदार्थ सहित पकड़ा है और भारी मात्रा में गांजा पत्ती बरामद की है। सीआईए महेंद्रगढ़ की पुलिस टीम ने गुप्त सूचना के आधार पर नांगल चौधरी क्षेत्र में नाकाबंदी कर दो आरोपियों को अवैध नशीले पदार्थ सहित गिरफ्तार किया है। पुलिस द्वारा आरोपियों से पूछताछ की जा रही है।

टीम ने ट्रक कंटेनर से 159 किलो 110 ग्राम गांजा पत्ती बरामद की है। जिसकी कीमत 20 लाख रुपए तक आंकी जा रही है। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि आरोपित उड़ीसा से गांजा पत्ती लाए थे। ट्रक कंटेनर में कॉटन भरा हुआ था।

जानकारी के अनुसार सीआईए महेंद्रगढ़ की पुलिस टीम गस्त के दौरान टोल प्लाजा नांगल चौधरी पर मौजूद थी, टीम को गुप्त सूचना मिली कि मुकेश वासी आसलवास ट्रक चलाता है और गांजा पत्ती बेचने का काम करता है। आज ट्रक में गांजा पत्ती लेकर राजस्थान की तरफ से नांगल चौधरी आ रहा है, अगर तुरंत रेड की जाए तो अवैध गांजा पत्ती सहित काबू आ सकता है। टीम ने नांगल नांगल चौधरी सर्विस रोड पर नाका बंदी कर चेकिंग शुरू कर दी, इस दौरान टीम ने सर्विस रोड पर एक ट्रक को रुकवाया और चालक को काबू करके नाम पता पूछा तो चालक ने अपना नाम मुकेश वासी आसलवास व साथ बैठे शख्स ने अपना नाम राजपाल आसलवास थाना सूरजगढ़ बतलाया। ट्रक की तलाशी के दौरान ट्रक कंटेनर से कट्टों में गांजा पत्ती नुमा पदार्थ बरामद हुआ, बरामद गांजा पत्ती बारे मुकेश व राजपाल से लाइसेंस व परमिट मांगा तो वह कोई लाइसेंस/परमिट पेश नहीं कर सके। जिनका वजन करने पर एक कट्टे का वजन 15 किलो 640 ग्राम, दूसरे कट्टे का वजन 13 किलो 560 ग्राम, तीसरे कट्टे का वजन 29 किलो 570 ग्राम, चौथे कट्टे का वजन 26 किलो 100 ग्राम, पांचवे कट्टे का वजन 27 किलो 120 ग्राम, छठे कट्टे का वजन 26 किलो 160 ग्राम और सातवें कट्टे का वजन 20 किलो 960 ग्राम हुआ, गांजा पत्ती का कुल वजन 159 किलो 110 ग्राम गांजा हुआ। टीम ने अवैध नशीले पदार्थ को जब्त कर लिया और आरोपियों के खिलाफ थाना नांगल चौधरी में मादक पदार्थ अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी।

जैन परम्परा में सिंह चक्र महामंडल विधान का विशेष महत्व : राजीव जैन

सोनीपत। दिगंबर जैन मंदिर मंडी में धूमधाम से सिंह चक्र विधान का आठ दिवसीय पाठ शुरू हुआ। पाठ शुरू होने से पूर्व बैंड बाजों के साथ शांतिनाथ भगवान की प्रतिमा का नगर भरमन करवाया गया, यात्रा में महिलाएं सिर पर कलश उठाये साथ चल रही थी। मुख्यमंत्री के पूर्व मीडिया सलाहकार एवं वरिष्ठ भाजपा नेता राजीव जैन ने विधि विधान के साथ पूजा अर्चना करके ध्वजारोहण किया और यात्रा में जैन ध्वज लिए साथ चले। राजीव जैन ने अपने सम्बोधन में सिंह चक्र विधान के आयोजन के लिए बधाई दी और कहा कि जैन परम्परा में सिंह चक्र महामंडल विधान का विशेष महत्व है, इस विधान को करने से आध्यात्मिक शांति एवं आंतरिक संतुलन मिलता है। राजीव जैन ने देवीवाड़ा सिथत जैन मंदिर में भगवन चंद्रा प्रभु के निर्वाण का लड्डू अर्पित किया। उन्होंने लड्डू अर्पित करने के बाद निर्वाण दिवस की बधाई दी और कहा कि भक्ति के जरिये कर्म चक्र को तोड़कर मोक्ष की प्राप्ति और 24 तीर्थंकरों की जीवन हमें त्याग, तप, तपस्या युक्त दिनचर्या अपनाने की प्रेरणा देता है।

हरियाणा सरकार ने मार्च 2025 के दौरान होने वाली विभिन्न विभागों की विभागीय परीक्षाओं की डेटशीट की जारी

परीक्षाएं प्रात: और सायंकालीन सत्रों में की जाएंगी संचालित

एजेंसी

चण्डीगढ़। हरियाणा सरकार ने मार्च 2025 के दौरान होने वाली विभिन्न विभागों की विभागीय परीक्षाओं की डेटशीट जारी की है। ये परीक्षाएं 19 से 26 मार्च, 2025 तक प्रातःकालीन और सायंकालीन सत्र में सार्थक गर्वनमेंट इंटिग्रेटिड सीनियर सैकेण्डरी स्कूल सैक्टर-12ए, पंचकूला में संचालित की जाएंगी।प्रशासनिक सुधार विभाग के एक प्रवक्ता ने यह जानकारी देते हुए बताया कि असिस्टेंट कमिश्नर (एसीज), एक्स्ट्रा असिस्टेंट कमिश्नर (इएसीज) और इएसीज के पद के उम्मीदवारों व तहसीलदार के लिए क्रिमिनल लॉ का पहला पेपर, वन विभाग का फॉरेस्ट लॉ, पशुपालन एवं डेयरी विभाग तथा मत्स्य पालन विभाग के लिए अकाऊंट्स पेपर, खण्ड विकास एवं पंचायत अधिकारियों के लिए ग्रुप एक पेपर-ए तथा वन्य प्राणी संरक्षण विभाग के लिए लेखा और विभागीय नियम पेपर 22 मार्च, 2025 को प्रातःकालीन सत्र सुबह 10.00 बजे से 1.00 बजे तक लिए जाएंगे।

उन्होंने बताया कि असिस्टेंट कमिश्नर्स (एसीज), एक्स्ट्रा असिस्टैन्ट कमिश्नर्ज (इएसीज)और इएसीज के पद के उम्मीदवारों व तहसीलदारों के लिए क्रिमिनल लॉ का दूसरा पेपर, वन विभाग के लिए प्रोसिज़र एण्ड अकाउंट्स तथा खण्ड विकास एवं पंचायत अधिकारियों के लिए ग्रुप-1 पेपर-बी का आयोजन 23 मार्च, 2025 को प्रातःकालीन सत्र सुबह 10.00 बजे से 1.00 बजे तक तक होगा। इसी प्रकार, इसीदिन असिस्टेंट कमिश्नर्स (एसीज), एक्स्ट्रा असिस्टैन्ट कमिश्नर्ज (इएसीज)और इएसीज के पद के उम्मीदवारों व तहसीलदारों के लिए वित्तीय नियमों का पेपर और वन विभाग के लिए हिन्दी पेपर, सहकरिता विभाग के लिए अकाऊंट्स पेपर, पंचायती राज विभाग (इंजीनियरिंग ग्रुपस) के एसडीओज के लिए प्प् डिजाईन पेपर का आयोजन सांयकालीन सत्र दोपहर 2.00 बजे से सांय 5.00 बजे तक किया जाएगा। उन्होंने बताया कि असिस्टेंट कमिश्नर्स (एसीज), एक्स्ट्रा असिस्टैन्ट कमिश्नर्ज (इएसीज) और इएसीज के पद के उम्मीदवारों के लिए क्रिमिनल लॉ का तीसरा पेपर (जेल सहित) और तहसीलदारों के लिए क्रिमिनल लॉ का तीसरा पेपर (जेलों को छोड़कर), जेल विभाग के लिए सब्जेक्ट-प् (बिना परिशिष्ट के पंजाब जेल मैनुअल) और खण्ड विकास एवं पंचायत अधिकारियों के लिए ग्रुप-प्प् (बजट एण्ड अकाऊंट्स) पेपर 24 मार्च,2025 को प्रातःकालीन सत्र में प्रातः 10.00 बजे से दोपहर 1.00 बजे तक आयोजित किया जाएगा।

सरकारी स्कूलों पर ध्यान देने के बजाए प्राइवेट स्कूलों को प्रोत्साहित कर रही है सरकार: कुमारी सैलजा

कहा-प्राइवेट स्कूल संचालकों के हाथों में शिक्षा जाने से गरीब वर्ग के बच्चे शिक्षा से हो जाएंगे वंचित

एजेंसी

चंडीगढ़। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की महासचिव, पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं सिरसा की सांसद कुमारी सैलजा ने कहा कि प्रदेश की भाजपा सरकार शिक्षा का बेडागर्क करने पर तुली हुई है। भाजपा सरकारी सरकारी स्कूलों की ओर ध्यान देने के बजाए प्राइवेट स्कूलों को प्रोत्साहित कर रही है। प्राइवेट स्कूलों के हाथों में शिक्षा जाने से गरीब वर्ग के बच्चे शिक्षा से वंचित हो जाएंगे जबकि शिक्षा हर नागरिक का मौलिक अधिकार है और सरकार इससे किसी को भी वंचित नहीं कर सकती। चिराग योजना के नाम पर बच्चों को प्राइवेट स्कूलों के हवाले करने से बेहतर होगा कि उन बच्चों को वहीं वातावरण सरकारी स्कूलों में ही उपलब्ध करवाया जाए।

मीडिया को जारी बयान में कुमारी सैलजा ने कहा है कि प्रदेश में सरकारी स्कूलों की संख्या 14303 जबकि प्राइवेट स्कूलों की संख्या 9216 है यानि प्रदेश में 60. 82 प्रतिशत स्कूल सरकारी है जबकि 39.18 प्रतिशत स्कूल प्राइवेट है। सरकारी स्कूलों में

बच्चों की संख्या 2146888 है जबकि प्राइवेट स्कूलों में यह संख्या 3153075 है यानि 40.51 प्रतिशत बच्चे सरकारी स्कूलों में और 59.49 प्रतिशत बच्चे प्राइवेट स्कूलों में पढ़ते है। सरकारी स्कूलों की संख्या अधिक होने के बावजूद सबसे ज्यादा बच्चे प्राइवेट स्कूलों में पढ़ते है यानि अभिभावक मानते है कि उनके बच्चों को सरकारी स्कूलों में बेहतर शिक्षा नहीं मिल सकती अगर सरकार ने शिक्षा की गुणवत्ता की ओर ध्यान दिया होता तो बच्चे प्राइवेट स्कूलों की ओर रूख न करते।

सरकार खुद मानती है कि अंबाला, सिरसा, फतेहाबाद और नूंह जिलों में शिक्षा को लेकर विशेष फोकस की जरूरत है, सरकार मानती है पर उस दिशा में कोई काम नहीं करती। नूंह पर तो सबसे अधिक ध्यान दिए जाने की जरूरत है। सांसद कुमारी सैलजा ने कहा कि गरीब बच्चों के लिए सरकार ने पहले भी एक योजना शुरू की थी पर वह भी सिरे नहीं चढ़ सकी। प्राइवेट स्कूल संचालकों न सरकार की एक न मानी और दाखिले को लेकर मनमानी करते रहे और सरकार हाथ पर हाथ रखकर बैठी रही। हरियाणा सरकार ने गरीब परिवार के बच्चों के लिए एक नई योजना को शुरू किया है जिसका नाम हरियाणा चिराग योजना है। यह योजना उन बच्चों के लिए शुरू की गई है जो प्राइवेट स्कूल में पढ़ना चाहते हैं, लेकिन आर्थिक स्थिति ठीक न होने के कारण वह प्राइवेट स्कूल की फीस भरने में असमर्थ हैं।

सरकार की यह योजना सीधे तौर पर प्राइवेट स्कूलों को बढ़ावा दे रही है और उन्हें प्रोत्साहित कर रही है। सरकार जो धनराशि चिराग योजना पर खर्च करना चाहती है उसी राशि से सरकारी स्कूलों की व्यवस्था को सुधार सकती है, अगर सरकारी स्कूलों में अच्छी शिक्षा मिलेगी तो बच्चे प्राइवेट स्कूलों की ओर क्यों रूख करेंगे पर ऐसा लग रहा है कि सरकार एक साजिश के तहत सरकारी स्कूलों को धीरे धीरे खत्म कर शिक्षा प्राइवेट स्कूल और कॉलेजों को ही सौंपना चाहती है।

स्पेशल स्टाफ टीम के हत्थे चढ़े फायरिंग के तीन आरोपी

हिसार। नजदीकी गांव बीड़ बबरान में फायरिंग करके दहशत फैलाने के तीन आरोपी स्पेशल स्टाफ टीम के हत्थे चढ़ गए हैं। कार में सवार इन तीनों आरोपियों को एयरपोर्ट के पीछे नहर पुलिया पर नाकाबंदी के दौरान काबू किया गया। इनसे 5 अवैध पिस्तोल और 17 कारतूस बरामद किए गए हैं।एएसआई रविन्द्र ने बताया कि पुलिस टीम ने गश्त के दौरान सूचना के आधार पर तलवंडी रोड एयरपोर्ट के पीछे नहर पुलिया पर नाकाबंदी करके वाहनों की चेकिंग शुरू की। कुछ समय बाद एक गाड़ी तलवंडी की तरफ से नहर पुलिया के पास पहुंची। पुलिस टीम को देखकर गाड़ी सवार युवकों ने भागने का प्रयास किया,

PUBLIC NOTICE

It is general information that I Prince Khurana S/o Harmit Singh Khurana residing at H. No. 219, Block-HD, Sector-135, Noida, Gautam Buddha Nagar, Uttar Pradesh-201304 declare that name of mine and my father has been wrongly written as Prince Khurana and Hermeet Singh Khurana in my Educational documents. The actual name of mine and my father are Jaskirat Singh Khurana and Harmit Singh Khurana, which may be amended accordingly

सोनीपत की समस्याओं को विधानसभा में उठाएंगे विधायक निखिल मदान

एजेंसी

सोनीपत। हरियाणा विधानसभा का बजट सत्र शुरू होने जा रहा है। सोनीपत विधायक निखिल मदान ने इस सत्र में सोनीपत विधानसभा क्षेत्र से जुड़े एक दर्जन से अधिक तारांकित और अतारांकित प्रश्नों को उठाने की तैयारी की है। उन्होंने बताया कि इन मुद्दों पर सरकार से चर्चा के लिए समय मांगा गया है। विधायकनिखिल मदान ने सोनीपत में ट्रैफिक जाम की समस्या को गंभीरता से लेते हुए सामान्य बस स्टैंड को सेक्टर 7 में शिफ्ट करने का प्रस्ताव रखा है। इस प्रस्तावित स्थान का उन्होंने एचएसवीपी (हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण) के अधिकारियों के साथ निरीक्षण भी किया है। यह जगह राष्ट्रीय राजमार्ग के पास स्थित है और बस स्टैंड के लिए उपयुक्त मानी जा रही है। विधायक का पूरा प्रयास है कि इस स्थानांतरण की प्रक्रिया जल्द से जल्द शुरू हो। विधायक ने सामान्य अस्पताल में स्वास्थ्य सुविधाओं को बेहतर करने की आवश्यकता पर भी जोर दिया है। उन्होंने चिकित्सकों के रिक्त पदों को भरने, प्रसूति विभाग की नई बिल्डिंग के निर्माण को जल्द शुरू करने और अन्य स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ करने की मांग उठाई है। मिशन चौक ओवरब्रिज को चौड़ा करने, ड्रेन नंबर 6 को ढकने और शहर में भव्य दशहरा ग्राउंड बनाने जैसे महत्वपूर्ण कार्यों के लिए भी विधायक सरकार से सकारात्मक कार्रवाई की मांग करेंगे। शहर के सौंदर्यीकरण को ध्यान में रखते हुए पांच पांडव द्वारों के निर्माण को जल्द पूरा करने, 133 केवी के नए सबस्टेशन लगाने, बहालगढ़ रोड पर बनी ऑटो मार्केट को सेक्टर 3 में शिफ्ट करने और सोनीपत में अत्याधुनिक स्टेडियम बनाने जैसे मुद्दे भी उठाए जाएंगे। इसके अलावा, सेक्टर 3 में निगम कार्यालय के निर्माण, लेजर वैली पार्क के निर्माण और भू-स्वामित्व योजना के तहत 20 सालों से मालिकाना हक रखने वाले लोगों की रजिस्ट्री कराने के लिए भी सरकार से अनुरोध किया जाएगा। सेक्टर 7 में नए बस स्टैंड की प्रस्तावित जगह का निरीक्षण करते हुए विधायक निखिल मदान के साथ एचएसवीपी विभाग के सहायक अभियंता अमित वशिष्ठ, कनिष्ठ अभियंता रोहित कुमार, कुलदीप वत्स सहित अन्य अधिकारी भी मौजूद रहे।

अब एस्ट्रानोवा मोबिलिटी के नाम से जानी जाएगी इलेक्ट्रिफाई मोबिलिटी

नई दिल्ली। इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) फाइनेंसिंग एवं और परिसंपदा प्रबंधन कंपनी इलेक्ट्रिफाई मोबिलिटी ने अपना नाम बदलकर एस्ट्रानोवा मोबिलिटी कर लिया है, जो कंपनी के ईवी से आगे बढ़कर संधारणीय (सस्टेनेबल) गतिशीलता में क्रांति लाने के विजन को दर्शाता है। कंपनी ने बयान जारी कर बताया कि सड़कों पर 20 हजार से अधिक इलेक्ट्रिक वाहनों की मौजूदगी के साथ एस्ट्रानोवा मोबिलिटी भारत में ईवी परिसंपत्तियों के सबसे बड़े परिनियोजनकर्ताओं में से एक बन गई है। कंपनी ने अगले पांच वर्षों में सस्टेनेबल ट्रांसपोर्ट एसेट्स में एक अरब डॉलर (लगभग 8,300 करोड़ रुपये) के निवेश का महत्वाकांक्षी लक्ष्य तय किया है। कंपनी ने बताया कि वर्ष 2024 की शुरुआत में एस्ट्रानोवा मोबिलिटी ने ईवी फंडिंग श्रेणी में सबसे बड़े सीड फंडिंग राउंड में से एक में 24 करोड़ रुपये जुटाए। इस फंडिंग का नेतृत्व एशियाई विकास बैंक (एडीबी) वेंचर्स और एडवांटेज जैसे प्रमुख निवेशकों ने किया। कंपनी के सह-संस्थापक और सीईओ कुणाल मुंद्रा ने कहा, एस्ट्रानोवा मोबिलिटी में बदलाव हमारी विकास यात्रा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। यह भारत के मोबिलिटी परिदृश्य को बदलने और देश को नेट-जीरो लक्ष्य हासिल करने में मदद करने के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

मारुति सुजुकी गुरुग्राम में इंटीग्रेट ट्रैफिक मैनेजमेंट सिस्टम करेगी लागू

गुरुग्राम। यात्री वाहन बनाने वाली देश की सबसे बड़ी कंपनी मारुति सुजुकी इंडिया लिमिटेड अपनी सीएसआर पहल के तहत गुरुग्राम में इंटीग्रेटेड ट्रैफिक मैनेजमेंट सिस्टम को लागू करने जा रही है। कंपनी ने आज यहां कहा कि इसके लिए मारुति सुजुकी ने गुरुग्राम मेट्रोपॉलिटन डेवलपमेंट अथॉरिटी और उत्कृष्ट सोसाइटी फॉर सेफ हरियाणा (हरियाणा राज्य पुलिस की सोसाइटी) के साथ साझेदारी की है। इस सिस्टम को गुरुग्राम की 4 सड़क खंडों पर 23 चौराहों पर स्थापित किया जाएगा और इसका रखरखाव 400 कैमरों और रडार प्रणाली की सहायता से किया जाएगा। करार के अनुसार गुरुग्राम में शहर की 40 किलोमीटर सड़कों पर इस सिस्टम को स्थापित किया जाएगा। कंपनी की सीएसआर पहल के रूप में इस प्रोजेक्ट को फंड प्रदान किया जाएगा। इन कैमरों के लिए आईटीएमएस मारुति सुजुकी द्वारा स्थापित किया जाएगा और जीएमडीए प्रणाली के साथ इंटीग्रेट किया जाएगा।

एयरोस्पेस विनिर्माण को बढ़ावा देने के लिए मैगेलन एयरोस्पेस और एक्रस में करार

बेलगावी (कर्नाटक)। देश के एयरोस्पेस उद्योग में नवाचार और विनिर्माण क्षमताओं को मजबूत करने की दिशा में एक बड़ा कदम उठाते हुए मैगेलन एयरोस्पेस कॉर्पोरेशन और एक्रस प्राइवेट लिमिटेड ने बेलगावी एयरोस्पेस क्लस्टर (बीएससी) में 50:50 संयुक्त स्वामित्व वाली सैंड कास्टिंग सुविधा की स्थापना की संभावनाओं का पता लगाने के लिए समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं। यह प्रस्तावित सुविधा वाणिज्यिक और रक्षा दोनों क्षेत्रों की बढ़ती मांग को पूरा करने के उद्देश्य से स्थापित की जाएगी। वर्तमान में भारत में एयरोस्पेस-योग्य एनएडीसीएपी प्रमाणित सैंड कास्टिंग सुविधाओं की कमी है। ऐसे में यह पहल देश और दक्षिण पूर्व एशिया के एयरोस्पेस पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत करने में अहम भूमिका निभाएगी। भारत में मेक इन इंडिया और उड़ान योजना जैसी पहलों से एयरोस्पेस उद्योग में जबरदस्त विकास हुआ है। निजी क्षेत्र के बढ़ते निवेश और बढ़ते हवाई यातायात के कारण, इस संयुक्त उद्यम से देश में एयरोस्पेस विनिर्माण के विस्तार को गति मिलने की उम्मीद है। यह पहली बार नहीं है जब मैगेलन और एक्रस एक साथ आए हैं। वर्ष 2007 में दोनों कंपनियों ने एयरोस्पेस प्रोसेसिंग इंडिया (एपीआई) की स्थापना की थी, जो एयरबस और बोइंग द्वारा अनुमोदित भारत की पहली थर्ड-पार्टी सरफेस ट्रीटमेंट सुविधा है। इसके अलावा वर्ष 2024 में दोनों कंपनियों ने कर्नाटक में विमान इंजन के रखरखाव, मरम्मत और ओवरहाल (एमआरओ) सुविधा विकसित करने के लिए भी एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए थे।

रिलायंस जियो की ट्रू 5जी सेवाएं पहुंची कैंची धाम

कैंची धाम। निजी मोबाइल डेटा नेटवर्क रिलायंस जियो ने उत्तराखंड के कैंची धाम में अपनी अत्याधुनिक ट्रू 5जी सेवाएं शुरू कर दी हैं। कंपनी ने आज यहां कहा कि इससे पूरे राज्य में डिजिटल कनेक्टिविटी और सशक्त होगी। जियो इस क्षेत्र में 5जी सेवाएं प्रदान करने वाला पहला और एकमात्र ऑपरेटर बन गया है। इसके साथ ही, कंपनी ने यहां अपने 4जी नेटवर्क को भी और अधिक मजबूत किया है, ताकि ग्राहकों को बेहतर सेवा मिल सके। अब कैंची धाम आने वाले देशभर के जियो उपभोक्ता निर्बाध रूप से जियो के हाई-स्पीड 4जी और 5जी नेटवर्क का लाभ उठा सकते हैं, जिससे डिजिटल कनेक्टिविटी और संचार के असीमित अवसर खुलेंगे। जियो ट्रू 5जी सेवाएं स्थानीय निवासियों, तीर्थयात्रियों, पर्यटकों, व्यापारियों और छात्रों के लिए नई संभावनाएं उत्पन्न करेंगी। उत्तराखंड में जियो की मजबूत उपस्थिति देहरादून से लेकर भारत-तिब्बत सीमा के पास स्थित अंतिम भारतीय गांव माना तक फैली हुई है। जियो का व्यापक नेटवर्क चारधाम, श्री केदारनाथ धाम के यात्रा मार्ग और 13,650 मीटर की ऊंचाई पर स्थित पवित्र श्री हेमकुंड साहिब गुरुद्वारे तक सेवा प्रदान करता है। इस क्षेत्र में जियो ट्रू 5जी सेवा के लॉन्च के साथ, स्थानीय निवासी अब जियो एयरफाइबर सेवा का भी लाभ उठा सकेंगे।

व्यापार संगठनों और उद्यमियों ने दिल्ली बजट को लेकर दिल्ली की मुख्यमंत्री को दिया सुझाव

एजेंसी
नई दिल्ली। दिल्ली के व्यापार संगठनों एवं उद्यमियों ने वित्त वर्ष 2025-26 के बजट को लेकर मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के समक्ष अपने सुझाव रखे। मुख्यमंत्री ने व्यापार जगत की चिंताओं को गंभीरता से सुना और आश्वासन दिया कि उनके महत्वपूर्ण सुझावों को बजट नीति-निर्माण प्रक्रिया में शामिल किया जाएगा। इस कार्यक्रम का संचालन कारोबारी संगठन कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) के राष्ट्रीय महामंत्री एवं संसद सदस्य प्रवीण खंडेलवाल ने किया। खंडेलवाल ने इस बैठक के बाद एक बयान में कहा कि दिल्ली में विकसित दिल्ली कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया, जिसमें मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने व्यापार और उद्योग जगत के प्रतिनिधियों से सीधा संवाद किया। खंडेलवाल ने कहा कि इस

कार्यक्रम में दिल्ली के विभिन्न कारोबारी संगठनों एवं उद्यमियों ने भाग लिया। उन्होंने आगामी बजट को लेकर अपने सुझाव एवं अपेक्षाएं मुख्यमंत्री के समक्ष रखीं। मुख्यमंत्री ने व्यापार जगत की चिंताओं को गंभीरता से सुना और आश्वासन दिया कि उनके महत्वपूर्ण सुझावों को बजट नीति-निर्माण प्रक्रिया में शामिल किया जाएगा। उन्होंने मुख्यमंत्री के इस प्रयास की सराहना करते हुए कहा कि दिल्ली के विकास में व्यापारियों की भूमिका अहम है। हमें खुशी है कि सरकार व्यापारियों की जरूरतों और चिंताओं को प्राथमिकता दे रही है। हमें पूर्ण विश्वास है कि प्रधानमंत्री मोदी एवं मुख्यमंत्री गुप्ता के नेतृत्व में दिल्ली सही दिशा में विकास की ओर बढ़ रही है।उन्होंने कहा कि इस कार्यक्रम में व्यापारिक समुदाय और सरकार के बीच बेहतर समन्वय की नींव रखी गई और दिल्ली के समग्र विकास में व्यापार जगत की महत्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित किया गया। इस अवसर पर मख्यमंत्री ने कहा कि व्यापारियों और उद्यमियों के सहयोग से हम दिल्ली की अर्थव्यवस्था को नई ऊंचाइयों तक ले जाने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

आईसीएआई ने आयकर विधेयक में धाराओं की संख्या घटाने का सुझाव दिया

एजेंसी
नई दिल्ली। चार्टर्ड अकाउंटेंट्स के शीर्ष निकाय भारतीय सनदी लेखाकार संस्थान (आईसीएआई) ने नए आयकर विधेयक की जांच कर रही लोकसभा की प्रवर समिति को अपने सुझाव सौंप दिए हैं। इसमें प्रस्तावित कानून में धाराओं की संख्या कम करने और भाषा को सरल बनाने की मांग की गई है। इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड अकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया (आईसीएआई) के अध्यक्ष चरनजोत सिंह नंदा ने यहां जारी एक बयान में कहा कि प्रस्तावित नए आयकर विधयेक में वर्गों की संख्या को 90 से 100 तक कम करने का सुझाव दिया गया है। नंदा ने बताया कि हम सरकार का समर्थन करना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि संस्थान ने मुकदमों को कम करने और विधयेक की भाषा को और सरल बनाने के तरीकों पर सुझाव दिए हैं। इस विधयेक में 536 खंड हैं। उल्लेखनीय है कि केंद्रीय वित?त मंत्री निर्मला सीतारमण ने नए आयकर विधयेक को पिछले महीने बजट सत्र के प्रथम चरण में लोकसभा में पेश किया था। यह विधयेक भाजपा सांसद बैजयंत पांडा की अध्यक्षता वाली 31 सदस्यीय प्रवर समिति को भेजा गया है, जिसे संसद के अगले सत्र के पहले दिन अपनी रिपोर्ट सौंपने के लिए कहा गया है।

सर्राफा बाजार में सस्ता हुआ सोना, चांदी की बढ़ी चमक

एजेंसी
नई दिल्ली। घरेलू सर्राफा बाजार में आज सोने के भाव में गिरावट का रुख नजर आ रहा है। दूसरी ओर, चांदी आज 1,200 रुपये प्रति किलोग्राम तक महंगा हो गया है। सोना आज 470 रुपये से लेकर 510 रुपये प्रति 10 ग्राम तक सस्ता हो गया है। भाव में आई इस कमजोरी के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना आज 87,480 रुपये से लेकर 87,630 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना आज 80,190 रुपये से लेकर 80,340 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी की कीमत में आज तेजी आने के कारण दिल्ली सर्राफा बाजार में ये चमकीली धातु 99,100 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर कारोबार कर रही है। देश की राजधानी दिल्ली में 24 कैरेट सोना 87,630 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 80,340 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं, देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 87,480 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 80,190 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 87,530 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 80,240 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 87,480 रुपये प्रति 10 ग्राम की

कीमत पर और 22 कैरेट सोना 80,190 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 87,480 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 80,190 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 87,630 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 80,340 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। वहीं, पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 87,530 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 80,240 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह जयपुर में 24 कैरेट सोना 87,630 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 80,340 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी आज सोने के भाव में कमजोरी का रुख बना हुआ नजर आ रहा है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना आज 87,480 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह इन तीनों शहरों के सर्राफा बाजारों में 22 कैरेट सोना 80,190 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

आईडब्ल्यूएआई ने नदी क्रूज पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए जम्मू-कश्मीर के साथ किया समझौता

एजेंसी
नई दिल्ली। भारतीय अंतर्देशीय जलमार्ग प्राधिकरण (आईडब्ल्यूएआई) ने जम्मू-कश्मीर में तीन राष्ट्रीय जलमार्गों पर नदी क्रूज पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए जम्मू-कश्मीर सरकार के साथ एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं। बंदरगाह, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्रालय ने जारी एक बयान में कहा कि केंद्रीय मंत्री सर्बानंद सोनोवाल की उपस्थिति में श्रीनगर में आयोजित चिंतन शिविर के दौरान समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए हैं। इस समझौते का उद्देश्य पर्यटन को आगे बढ़ाना, रोजगार उत्पन्न करना, आर्थिक विकास को बढ़ावा देना और स्थानीय नदियों पर अवकाश/बजट पर्यटन का एक नया तरीका प्रदान करना है।

मंत्रालय ने कहा कि देश के 111 राष्ट्रीय जलमार्गों में से केंद्र शासित प्रदेश जम्मू और कश्मीर में तीन घोषित राष्ट्रीय जलमार्ग हैं। चिनाब नदी (एनडब्ल्यू-26), झेलम नदी (एनडब्ल्यू-49) और रावी नदी (एनडब्ल्यू-84)। नदी क्रूज पर्यटन को बढ़ावा देने की दृष्टि से अंतर्देशीय जलमार्ग विकास परिषद (आईडब्ल्यूएआई) की हाल ही में संपन्न दूसरी बैठक में कश्मीर

से केरल और असम से गुजरात तक फैले विभिन्न क्रूज सर्किटों के विकास की घोषणा की है।

आईडब्ल्यूएआई ने दो महीने की अवधि के भीतर करीब 100 करोड़ रुपये की लागत से केंद्र शासित प्रदेश जम्मू और कश्मीर में नदी क्रूज पर्यटन को विकसित करने के लिए एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है। इस अवसर पर जम्मू और कश्मीर सरकार के खाद्य, नागरिक आपूर्ति और उपभोक्ता मामले, परिवहन, विज्ञान और प्रौद्योगिकी, सूचना प्रौद्योगिकी, युवा सेवा और खेल मंत्री सतीश शर्मा, बंदरगाह, जहाजरानी और जलमार्ग मंत्रालय के सचिव टीके रामचंद्रन, आईडब्ल्यूएआई के अध्यक्ष विजय कुमार और अन्य गणमान्य व्यक्ति भी उपस्थित रहे।

स्टॉक मार्केट में बालाजी फॉस्फेट्स की प्रीमियम एंट्री, 7 प्रतिशत से अधिक के फायदे में निवेशक

एजेंसी
नई दिल्ली। खाद बनाने वाली कंपनी बालाजी फॉस्फेट्स के शेयरों की आज 7.14 प्रतिशत प्रीमियम के साथ स्टॉक मार्केट में एंट्री हुई। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 70 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज नेशनल स्टॉक एक्सचेंज के एसएमई प्लेटफॉर्म पर इसकी लिस्टिंग 75 रुपये के भाव पर हुई। लिस्टिंग के बाद खरीदारी के सपोर्ट से ये शेयर उछल कर 78 रुपये के भाव पर आ गया। हालांकि थोड़ी ही देर बाद बिकवाली का दबाव बनने पर इसमें गिरावट आ गई। लगातार जारी खरीद-बिक्री के बीच दोपहर 11:30 बजे ये शेयर 75 रुपये के स्तर पर कारोबार कर रहा था। बालाजी फॉस्फेट्स का 50.11 करोड़ रुपये का आईपीओ 28 फरवरी से 4 मार्च के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से एवरेज रिस्पॉन्स मिला था, जिसके

कारण ये ओवरऑल 1.21 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इनमें क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए रिजर्व पोर्शन 1.26 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इसी तरह नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन में 1.34 गुना सब्सक्रिप्शन आया था। इसके अलावा रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन 1.09 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इस आईपीओ के तहत 41.58 करोड़ रुपये के नए शेयर जारी किए गए हैं। इसके अलावा 10 रुपये फेस वैल्यू वाले 12.18 लाख शेयर ऑफर फॉर सेल विंडो के तहत बेचे गए हैं। नए शेयरों के जरिए जुटाए गए पैसे का इस्तेमाल कंपनी कैपिटल एक्सपेंडिचर, वर्किंग कैपिटल और आम कॉर्पोरेट उद्देश्यों में करेगी।कंपनी की वित्तीय स्थिति की बात करें तो प्रॉस्पेक्टस में किए गए दावे के मुताबिक वित्त वर्ष 2021-22 में कंपनी को 3.19 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था, जो अगले वित्त वर्ष 2022-23 में बढ़कर 6.09 करोड़ के स्तर पर पहुंच गया। हालांकि 2023-24 में कंपनी का शुद्ध लाभ थोड़ा गिर कर 6.04 करोड़ रुपये रह गया। इस दौरान कंपनी का राजस्व 10 प्रतिशत वार्षिक से अधिक की चक्रवृद्धि दर से बढ़ कर 151.68 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। मौजूदा वित्त वर्ष में अप्रैल से अगस्त 2024 के बीच कंपनी को 4.15 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हो चुका है। इसी तरह इस अवधि में कंपनी 54.85 करोड़ रुपये का रेवेन्यू हासिल कर चुकी है।

प्रदेश में खरीफ सीजन में एक लाख हेक्टेयर तक डीएसआर से धान की खेती

एजेंसी
लखनऊ। उत्तर प्रदेश कृषि अनुसंधान परिषद (उपकार) और यूपी एक्सेलेरेटर प्रगति कार्यक्रम ने समृद्ध धान 2.0 डीएसआर विजन 2025 में प्रदेश में खरीफ सीजन में एक लाख हेक्टयर तक डायरेक्ट सीडेड राइस (डीएसआर) के माध्यम से धान की खेती का लक्ष्य तय किया है। उपकार समृद्ध धान 2.0 पहल के तहत डायरेक्ट सीडेड राइस (डीएसआर) स्केल-अप प्लान 2025 पर गुरूवार को यहां आयोजित एक उच्च स्तरीय चर्चा के दौरान यह जानकारी दी गयी। इसमें उत्तर प्रदेश में डायरेक्ट सीडेड राइस (डीएसआर) के बड़े पैमाने पर विस्तार की रणनीति बनाने के लिए प्रमुख हितधारकों को एक साथ लाया गया। 2024 में डीएसआर की खेती 80,000 हेक्टेयर तक पहुंचने के साथ, यह आयोजन प्रगति की समीक्षा करने, चुनौतियों पर चर्चा करने और सतत विकास के लिए एक मार्ग तैयार करने के लिए एक मंच के रूप में कार्य करेगा, जिसका लक्ष्य 2025 तक 100,000 हेक्टेयर को कवर करना है। इस आयोजन में बुन्देलखण्ड को डीसआर के लिए नये क्षेत्र के रूप में जलवायु परिवर्तन के परिपेक्ष्य में चिन्हित किया गया। पिछले वर्ष 150 से अधिक क्षेत्र स्तरीय परीक्षणों ने डीएसआर के लाभों को सुदृढ़ किया, जिससे इस पद्धति की प्रभावशीलता में किसानों का विश्वास बढ़ा है।विशेषज्ञों ने गुणवत्तापूर्ण बीजों तक समय पर पहुंच, मशीनीकरण सहायता और अपनाने को बनाए रखने तथा गति देने के लिए आवश्यक इनपुट के महत्व पर प्रकाश डाला। चर्चाओं में दीर्घकालिक स्थिरता के लिए प्रमुख प्रवर्तकों के रूप में कार्बन क्रेडिट बाजारों, फसल बीमा और सूक्ष्म सिंचाई के एकीकरण पर भी जोर दिया गया।

सीतारमण ने एमएसएमई के डिजिटल फुटप्रिंट की स्कोरिंग आधारित नया क्रेडिट असेसमेंट मॉडल किया लॉन्च

एजेंसी
विशाखापत्तनम/नई दिल्ली। केंद्रीय वित्त एवं कॉरपोरेट मामलों की मंत्री निर्मला सीतारमण सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम (एमएसएमई) के डिजिटल फुटप्रिंट की स्कोरिंग के आधार पर नया क्रेडिट असेसमेंट मॉडल लॉन्च किया। केंद्रीय बजट 2024-25 में इसकी घोषणा की गई थी। इस अवसर पर केंद्रीय वित्त राज्यमंत्री पंकज चौधरी भी मौजूद रहे। पंकज चौधरी के साथ मिलकर आंध्र प्रदेश के विशाखापत्तनम में बजट के बाद बातचीत कार्यक्रम के दौरान एमएसएमई के डिजिटल फुटप्रिंट के स्कोरिंग के आधार पर 'नया क्रेडिट असेसमेंट मॉडल'लॉन्च किया। इस अलावा वित्त मंत्री सीतारमण ने राजामहेंद्रवरम और काकीनाडा में भारतीय लघु उद्योग विकास बैंक (सिडबी) के दो नई शाखाओं का शुभारंभ भी किया। इसके अलावा नई लॉन्च सिडबी शाखाओं के एमएसएमई लाभार्थियों को स्वीकृति पत्र भी सौंपे गए।

वित्त मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि केंद्रीय बजट 2024-25 में यह घोषणा की गई थी कि सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक (पीएसबी) बाहरी मूल्यांकन पर निर्भर रहने के बजाय एमएसएमई को ऋण के लिए मूल्यांकन करने के लिए अपनी आंतरिक क्षमता का निर्माण करेंगे। पीएसबी अर्थव्यवस्था में एमएसएमई के डिजिटल फुटप्रिंट की स्कोरिंग के आधार पर एक नया क्रेडिट असेसमेंट मॉडल विकसित करेंगे। मंत्रालय के अनुसार नया क्रेडिट असेसमेंट मॉडल पारिस्थितिकी तंत्र में उपलब्ध डिजिटल रूप से प्राप्त और सत्यापन योग्य डेटा का लाभ उठाएगा। साथ ही सभी ऋण आवेदनों के लिए वस्तुनिष्ठ निर्णय लेने और मौजूदा एवं नए एमएसएमई उधारकर्ताओं दोनों के लिए मॉडल-आधारित सीमा मूल्यांकन का उपयोग करके एमएसएमई ऋण मूल्यांकन के लिए स्वचालित यात्रा तैयार करेगा।

इस मॉडल के उपयोग से एमएसएमई को होने वाले लाभों में ऑनलाइन मोड के माध्यम से कहीं से भी आवेदन प्रस्तुत करना, कागजी कार्रवाई और शाखा में जाने की आवश्यकता कम होना, डिजिटल मोड के माध्यम से तत्काल सैद्धांतिक मंजूरी, ऋण प्रस्तावों का निर्बाध प्रसंस्करण, अंत से अंत तक सीधी प्रक्रिया (एसटीपी), कम टर्नअराउंड समय (टीएटी), वस्तुनिष्ठ डेटा/लेन-देन व्यवहार और क्रेडिट इतिहास के आधार पर ऋण निर्णय, सीजीटीएमएसई के तहत कवर किए गए ऋणों के लिए कोई भौतिक संपार्श्विक प्रतिभूतियां नहीं होना आदि शामिल हैं। मंत्रालय ने बताया कि इस मॉडल द्वारा उपयोग किए जाने वाले डिजिटल फुटप्रिंट्स में एनएसडीएल का उपयोग करके नाम और पैन प्रमाणीकरण, ओटीपी का उपयोग करके मोबाइल और ईमेल सत्यापन, सेवा प्रदाताओं के माध्यम से जीएसटी डेटा का एपीआई प्राप्त करना, खाता एग्रीगेटर का उपयोग करके बैंक स्टेटमेंट विश्लेषण, आईटीआर अपलोड और सत्यापन, एपीआई सक्षम वाणिज्यिक और उपभोक्ता ब्यूरो प्राप्त करना और सीआईसी का उपयोग करके उचित परिश्रम, धोखाधड़ी की जांच, एपीआई के माध्यम से हंटर जांच आदि शामिल हो सकते हैं।

सी डॉट ने केरल पुलिस के लिए बनाया त्रिनेत्र

एजेंसी
नयी दिल्ली। दूरसंचार विभाग (डीओटी) के प्रमुख अनुसंधान एवं विकास केंद्र सेंटर फॉर डेवलपमेंट ऑफ टेलीमैटिक्स (सी-डॉट) ने केरल पुलिस के लिए साइबर सुरक्षा परिचालन केंद्र 'त्रिनेत्र' का डिजाइन और विकास किया है। केरल के मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन ने पुलिस प्रणालियों और महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे के लिए साइबर सुरक्षा को मजबूत करने के लिए वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से केरल पुलिस साइबर प्रभाग के 'उन्नत साइबर सुरक्षा संचालन केंद्र' (एसओसी) का उद्घाटन किया है। यह केन्द्र त्रिनेत्र है। सी-डॉट का 'त्रिनेत्र' समाधान एक एआई-संचालित, स्वदेशी, एकीकृत साइबर सुरक्षा मंच है जिसे उद्यमों और महत्वपूर्ण क्षेत्रों की साइबर सुरक्षा के लिए तैयार किया गया है। यह एंडपॉइंट्स, नेटवर्क ट्रैफ़िक और उपयोगकर्ता व्यवहार की निगरानी करने के लिए एक व्यापक एसओसी की स्थापना की सुविधा प्रदान करता है। साथ ही यह सक्रिय रूप से

कमियों व विसंगतियों का पता लगाता है और साइबर खतरों को भी कम करता है।

उन्नत साइबर सुरक्षा संचालन केंद्र (एसओसी), पुलिस मुख्यालय, शहर आयुक्तालयों और संबद्ध पुलिस स्टेशनों में कंप्यूटर और महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे को सुरक्षित रखने पर ध्यान केंद्रित करेगा। यह चौबीसौं घन्टे साइबर खतरे की निगरानी, ??कमियों की पहचान करने और मजबूत डेटा सुरक्षा सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। यह पहल केरल पुलिस के डिजिटल बुनियादी ढांचे की सुरक्षा और साइबर सुरक्षा मजबूती बढ़ाने की दिशा में एक बड़ी उपलब्धि है। उद्घाटन समारोह में सी-डॉट के डॉ. कार्यकारी उपाध्यक्ष पंकज कुमार दलेला, टेक्नोपार्क के सीईओ संजीव नायर, जी. टेक सचिव श्रीकुमार वी, साइबर ऑपरेशन एसपी अंकित अशोकन भी मौजूद थे। सी-डॉट के सीईओ डॉ. राजकुमार उपाध्याय ने सी-डॉट के वैज्ञानिकों को प्रेरित करने के लिए श्री विजयन का आभार व्यक्त किया। डॉ. उपाध्याय ने यह भी आश्वासन दिया कि सी-डॉट स्वदेशी दूरसंचार प्रौद्योगिकियों के विकास और मापनीयता की मदद के लिए प्रतिबद्ध है।

ओरिएंटल रेल इंफ्रा को उत्तर पश्चिमी रेलवे से मिला 1.61 करोड़ का ऑर्डर

मुंबई।ओरिएंटल रेल इंफ्रास्ट्रक्चर को उत्तर-पश्चिमी रेलवे से 1.61 करोड़ रुपये का ऑर्डर प्राप्त हुआ है। इस ऑर्डर के तहत बर्थ और सीटों के रेट्रोफिटमेंट के लिए पीयू फोम (पॉलीयूरेथेन फोम) के 66 सेटों की आपूर्ति की जाएगी, जिन्हें उत्तर पश्चिमी रेलवे, अजमेर को डिलीवर किया जाएगा।

अनुबंध की शर्तों के अनुसार, कुल ऑर्डर मूल्य एक करोड़ 61 लाख 21 हजार 160 रुपये है,

जिसमें 95 प्रतिशत भुगतान नामित निरीक्षण एजेंसी द्वारा निरीक्षण प्रमाण पत्र जारी करने और डिलीवरी प्रमाण प्रस्तुत करने पर किया जाएगा जबकि शेष पांच प्रतिशत का भुगतान सामग्री की प्राप्ति, निरीक्षण और स्वीकृति के बाद किया जाएगा। यह परियोजना 6 सितंबर, 2026 तक पूरी होनी है। इस ऑर्डर से भारतीय रेलवे में यात्री सुविधाओं और आराम में सुधार होगा, जिससे यात्रियों को अधिक आरामदायक यात्रा अनुभव मिलेगा। साथ ही यह परियोजना ओरिएंटल रेल इंफ्रास्ट्रक्चर को रेलवे सेक्टर में अपनी उपस्थिति को और मजबूत करने का अवसर प्रदान करेगा।

लगातार दूसरे दिन मजबूती के साथ शेयर बाजार बंद, बड़ी गिरावट के बाद संभले सेंसेक्स और निफ्टी

एजेंसी
नई दिल्ली।मजबूत ग्लोबल संकेत, कच्चे तेल की कीमत में गिरावट और डॉलर इंडेक्स में आई कमजोरी के कारण घरेलू शेयर बाजार लगातार दूसरे दिन मजबूती के साथ बंद हुआ। आज के कारोबार की शुरुआत भी बढ़त के साथ हुई थी। हालांकि, बाजार खुलते ही बिकवाली का दबाव बन जाने के कारण सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांक थोड़ी ही देर में बड़ी गिरावट के साथ लाल निशान में पहुंच गए। पहले आधे घंटे के कारोबार के दौरान आई इस गिरावट के बाद खरीदारों ने मोर्चा संभाल लिया, जिससे शेयर बाजार की चाल में तेजी आ गई। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 0.83 प्रतिशत और निफ्टी 0.93 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद हुए। आज दिन भर के कारोबार के दौरान पब्लिक सेक्टर एंटरप्राइज, इंफ्रास्ट्रक्चर और फार्मास्यूटिकल सेक्टर के शेयरों में लगातार खरीदारी होती रही। इसी तरह ऑटोमोबाइल, ऑयल एंड गैस, मेटल, एफएमसीजी, एनर्जी, बैंकिंग, आईटी, कैपिटल गुड्स, कंज्यूमर ड्यूरेबल और टेक इंडेक्स भी बढ़त के साथ बंद हुए। ब्रॉडर मार्केट में भी आज लगातार खरीदारी होती रही, जिसके कारण बीएसई का मिडकैप इंडेक्स 0.65 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद हुआ। इसी तरह स्मॉलकैप इंडेक्स ने 1.63 प्रतिशत की तेजी के साथ आज के कारोबार का अंत किया। आज शेयर बाजार में आई मजबूती के कारण स्टॉक मार्केट के निवेशकों की संपत्ति में 4 लाख करोड़ रुपये से अधिक की बढ़ोतरी हो गई। बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन आज के कारोबार के बाद बढ़ कर 397.47 लाख करोड़ रुपये (अस्थाई) हो गया, जबकि पिछले कारोबारी दिन यानी बुधवार को इनका मार्केट कैपिटलाइजेशन 393.04 लाख करोड़ रुपये था। इस तरह निवेशकों को आज के कारोबार से करीब 4.43 लाख करोड़ रुपये का मुनाफा हो गया। आज दिन भर के कारोबार में बीएसई में 4,103 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें 3,006 शेयर बढ़त के साथ बंद हुए, जबकि 990 शेयरों में गिरावट का रुख रहा, वहीं 107 शेयर बिना किसी उतार चढ़ाव के बंद हुए। एनएसई में आज 2,661 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें से 2,114 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में और 547 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में बंद हुए। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 25 शेयर बढ़त के साथ और 5 शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। जबकि निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 42 शेयर हरे निशान में और 8 शेयर लाल निशान में बंद हुए। बीएसई का सेंसेक्स आज 578.07 अंक की मजबूती के साथ 74,308.30 अंक के स्तर पर खुला। बाजार खुलते ही बिकवाली शुरू हो जाने की वजह से पहले आधे घंटे के कारोबार में ही ये सूचकांक ओपनिंग लेवल से 892.62 अंक टूट कर 314.55 अंक की कमजोरी के साथ 73,415.68 अंक तक पहुंच गया। इस जोरदार गिरावट के बाद खरीदारों ने मोर्चा संभाल लिया। लगातार हो रही खरीदारी के सपोर्ट से आज का कारोबार खत्म होने के थोड़ी देर पहले ये सूचकांक निचले स्तर से 975.12 अंक की छलांग लगा कर 660.57 अंक की मजबूती के साथ 74,390.80 अंक तक पहुंचने में सफल रहा। अंत में इंट्रा-डे सेटलमेंट की वजह से हुई मामूली बिकवाली के कारण सेंसेक्स ऊपरी स्तर से करीब 50 अंक फिसल कर 609.86 अंक की तेजी के साथ 74,340.09 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

खाना खाने के कितनी देर बाद पानी पीएं? क्या भोजन के बीच में पी सकते हैं पानी, 99% लोगों में होती है कंफ्यूजन

कई लोगों की आदत होती है कि खाते वक्त या खाने के तुरंत बाद पानी जरूर पीते हैं. ये लोग जितना खाना नहीं खाते उससे ज्यादा पानी पी लेते हैं. लेकिन क्या आप जानते हैं कि, ऐसा करने से पाचन क्रिया पर बुरा प्रभाव पड़ता है. आइए जानते हैं कि आखिर खाना खाने के कितने समय बाद पानी पीना चाहिए?

एक्सपर्ट हर वयस्क को रोजाना 2-3 लीटर तक पानी पीने की सलाह देते हैं. लेकिन, आयुर्वेद में पानी पीने के कुछ नियम भी बताए गए हैं. इनकी अनदेखी करने से सेहत को नुकसान हो सकता है. जी हां, कई लोगों की आदत होती है कि खाते वक्त या खाने के तुरंत बाद पानी जरूर पीते हैं. ये लोग जितना खाना नहीं खाते उससे ज्यादा पानी पी लेते हैं. लेकिन क्या आप जानते हैं कि, ऐसा करने से पाचन क्रिया पर बुरा प्रभाव पड़ता है. साथ ही पेट से जुड़ी कई परेशानियां भी हो सकती हैं.

यही वजह है कि आयुर्वेद में खाने खाते वक्त पानी न पीने की सलाह दी जाती है. लेकिन, सवाल यही है कि आखिर खाना खाने के कितने समय बाद पानी पीना चाहिए? खाने के बीच में क्यों नहीं पीना चाहिए पानी? इस बारे में News18 को बता रहे हैं आयुर्वेद महाविद्यालय एवं हॉस्पिटल लखनऊ के आयुर्वेदाचार्य डॉ. सर्वेश कुमार-

खाने के बीच में क्यों न पीएं पानी?

एक्सपर्ट के मुताबिक, खाना खाते वक्त पानी पीने से पाचन शक्ति कमजोर हो सकती है. इसके चलते हमारा जल्दी मोटापे के शिकंजे आ सकता है. दरअसल, स्वास्थ शरीर के रास्ते हमारे पेट से होकर जाते हैं अगर हमारा पेट ही ठीक नहीं होगा तो शरीर का स्वस्थ रहना असंभव है. इसलिए खाना खाते समय पानी पीने से बचना चाहिए.

खाने के तुरंत बाद क्यों न पीएं पानी?

खाने के तुरंत बाद पानी पीने से अमाशय की जठराग्नि नामक ऊर्जा खत्म हो जाती है, जो भोजन को पकाने का काम करती हैं. इसलिए तुरंत बाद पानी पीने से खाना ठीक से पच नहीं पाता. धीरे-धीरे खाना अमाशय में रहने लगता है. अमाशय में खाना सड़कर गैस और एसिडिटी जैसी समस्याओं में बदल जाता है.

खाने के कितनी देर बाद पीएं पानी?

आयुर्वेद में कहा गया है कि भोजन से 30-40 मिनट पहले पानी पीना शरीर को हाइड्रेटेड रखता है और पाचन को बेहतर बनाता है. वहीं, खाने के तुरंत बाद पानी पीने से पाचन अग्नि कमजोर हो जाती है. यह भोजन को अच्छे से पचाने में बाधा डाल सकता है, जिससे गैस, अपच और एसिडिटी की समस्या हो सकती है. इसलिए, खाने के बाद करीब एक या दो घंटे बाद ही पानी पीएं तो बेहतर है.

एक्सपर्ट एडवाइज

डॉ. सर्वेश कुमार बताते हैं कि, साधारण भोजन के समय पानी पीना स्वस्थ्य के लिए हानिकारक हो सकता है. लेकिन जब भोजन जरूरत से अधिक तीखा या मसालेदार हो तो इस दौरान आप थोड़ा पानी पी सकते हैं. इसके अलावा, भोजन को चबा-चबाकर खाना पाचन के लिए अच्छा होता है.

अंबानी के जंगल में मोदी

वनतारा में मोदी को गोदी मीडिया वाले पत्रकारों को खिलाने जैसा आनंद भी आया। एक वीडियो आया है जिसमें मोदी शेर और सिंह शावकों को गोद में बिठाकर पुचकार रहे हैं, बोतल से दूध पिला रहे हैं। एक नन्हा सिंह तो दहाड़ने की कोशिश करता भी दिखा। नादान है उसे नहीं मालूम कि जिसकी गोद में बैठते हैं, उसके सामने न दहाड़ते हैं, न दहाड़ने का दिखावा करते है।नरेन्द्र मोदी ने अपने आलोचकों को कड़ा जवाब दे दिया है। पिछले 11 सालों से वे सुन-सुन कर तंग आ गए थे कि मोदी साक्षात्कार से घबराते हैं, मोदी चीन को लाल आंखें नहीं दिखाते, मोदी ये नहीं करते, मोदी वो नहीं करते। अब मोदी ने कुछ ऐसा कर दिखाया कि सबकी बोलती बंद हो गई। इस काम में उनके मित्र मुकेश अंबानी बड़े मददगार साबित हुए। हर कोई ट्रंप जैसा नहीं होता, जिनका नाम लेकर कांग्रेस ने तंज कसा था कि दुश्मन न करे, दोस्त ने वो काम किया है..। मुकेश भाई ने कैसेट पलट कर ये दोस्ती हम नहीं छोड़ेंगे, बजा दिया। मोदी के दुश्मनों को आईना दिखाने के लिए उनसे अपने निजी जंगल वनतारा का उद्घाटन करवा दिया। वनतारा को दुनिया का सबसे बड़ा वन्यजीव बचाव और पुनर्वास केंद्र बताया जा रहा है। एक निजी जमीन पर बना जंगल और उसमें रखे गए जानवरों पर कई गंभीर सवाल उठ रहे हैं, लेकिन उसकी चर्चा बाद में। पहले देख लेते हैं कि मोदीजी ने कैसे बुरी नजर वालों को अपनी टेढ़ी नजरें दिखा दीं।सोशल मीडिया में प्रधानमंत्री मोदी ने जानवरों के साथ अठखेलियां करते, लाड़ करते-दुलारते, निहारते कई तस्वीरें और वीडियो डाले हैं। मैन वर्सेज वाइल्ड की शूटिंग हुए छह साल बीत गए, लेकिन पिक्चर अभी बाकी है। वाइल्ड लाइफ का एडवेंचर जैसे आजकल नवधनाढ्यों के सिर पर सवार रहता है, उसकी झलक मोदी के वनतारा एडवेंचर में देखने मिली। यहीं उन्हें अपने आलोचकों का मुंह बंद करने का भी मौका मिला, जो उन्हें डरपोक कहते थे, तंज कसते थे कि मोदी पत्रकारों का सामना नहीं कर सकते। लेकिन आलोचकों को ये नहीं पता था कि मोदी उनका सामना कर सकते हैं, जिसे दुनिया बब्बर शेर कहती है। मोदी अब कह सकते हैं कि जाओ जाकर राहुल के बब्बर शेरों को कह दो कि मैं असली बब्बर शेरों से मिलकर आया हूं। जाओ जाकर मुझसे सवाल पूछने के उत्सुक लोगों को कह दो, मैंने शेर और चीते का साक्षात्कार किया है। अब ये अलग बात है कि मोदी जब शेर, चीते, सिंह सब से साक्षात मिल रहे थे तो बीच में एक कांच की दीवार थी। इधर से शेर अपना हाथ मारता, उधर से मोदी अपना हाथ देते, दे ताली। अगर पत्रकार भी इसी तरह कांच की दीवार के आर-पार साक्षात्कार लेने की कला सीख जाएं, तो फिर मोदी एक क्या सौ सवालों पर इसी तरह दे ताली कर देंगे। हाथों की कला तो उन्हें वैसे भी खूब आती है। अमेरिका में पत्रकार ने अडानी पर सवाल पूछा था तो उस वक्त दे ताली नहीं कर पाए, मगर हाथ नचा कर अच्छे से जवाब दे ही दिया था।वनतारा में मोदी को गोदी मीडिया वाले पत्रकारों को खिलाने जैसा आनंद भी आया। एक वीडियो आया है जिसमें मोदी शेर और सिंह शावकों को गोद में बिठाकर पुचकार रहे हैं, बोतल से दूध पिला रहे हैं। एक नन्हा सिंह तो दहाड़ने की कोशिश करता भी दिखा। नादान है उसे नहीं मालूम कि जिसकी गोद में बैठते हैं, उसके सामने न दहाड़ते हैं, न दहाड़ने का दिखावा करते है। इस मामले में अपनी मौसी बिल्ली से सीखने की जरूरत है। मोदी ने मेडागास्कर में पाए जाने वाले दुर्लभ लेमूर को भी अपनी गोद में बिठाकर खाना खिलाया। लेमूर वानर कुल का ही प्राणी है। कुशल मदारी अच्छे से जानता है कि अपने बंदर को कैसे नचाना है, कब उसे खिलाना है, कब उसके जरिए खिलवाड़ करके दिखाना है। वो तो मेनका गांधी ने अगर भालुओं और बंदरों की रक्षा का स्वघोषित जिम्मा नहीं उठाया होता तो आज सड़कों पर कई मदारी वनतारा से बेहतर मनोरंजन लोगों का कर के दिखाते, लेकिन एक को विजेता बनाने के लिए सारों को रास्ते से हटा दिया गया।खैर, करीब साढ़े तीन हजार एकड़ में बने अंबानी के इस जंगल में मोदी ने ढेर सारे जीव जंतुओं से मुलाकात की। थलचर, जलचर, नभचर सारे प्राणी परमात्मा के साक्षात अंश से मिलकर गदगद हुए होंगे, ऐसा मान लेना चाहिए। वर्ना जानवरों तो अपने जंगलराज में ही मगन रहते हैं, उन्हें कहां मौका मिलता है कि वो लोक राज के मुखिया से भी मिलें। हो सकता है मोदीजी ने उनकी भाषा में बताया भी हो कि अब बिहार में चुनाव होने हैं, और वहां हमें बार-बार जंगलराज की बात करनी पड़ती है। इसलिए आप लोग मुझे सीधे फर्स्ट हैंड जानकारी दें कि आपके असली जंगलराज में आखिर होता क्या है। जैसे बिल गेट्स से एआई और एलन मस्क से सीधे एक्स और टेस्ला की जानकारी मोदी ले चुके हैं, वैसे ही अबकी बार जंगलराज से सीधा साक्षात्कार, का नारा वनतारा में उन्होंने बुलंद किया होगा। यहां मोदी को अजगर, ऊदबिलाव, ओरंगुटान, दरियाई घोड़ा, फ्लेमिंगो और शायद गिद्ध या बाज से भी मिलने का मौका मिला। सुअर शायद वनतारा में नहीं हैं या होंगे भी तो उनके साथ मोदी की तस्वीर देखने नहीं मिली। वैसे भी योगीजी ने तो बताया है कि गिद्ध और सुअर महाकुंभ पर नजर रखे थे।मोदीजी ने शीशे के पुल पर खड़े होकर नीचे पानी में घड़ियालों को भी देखा। इस मुलाकात के वीडियो को देखकर समझना कठिन था कि कौन किसको देखकर चुनौती महसूस कर रहा है। हाल-फिलहाल कोई चुनाव नहीं है, न ये कोई विदेशी दौरा था, जहां सबके सामने आंसू बहाने की जरूरत पड़े। अगर ऐसी नौबत आती, तब तो घड़ियाल सोचते कि अच्छा है हम पानी में ही ठीक हैं, कम से कम यहां मुंह छिपा कर अपने आंसू भी छिपा लेंगे, बाहर रहते तो आंसू बहाने की प्रतियोगिता में हार ही जाते। मोदीजी को वनतारा के फ्लेमिंगों के बीच जाकर अपनेपन का खासा अहसास हुआ होगा। नारंगी फ्लेमिंगों को क्या पता कि उनका रंग देश में कितना सियासी रसूख रखता है। वैसे कानपुर के चिड़ियाघर में रखे गए सारस को बेहद अफसोस हो रहा होगा कि अंबानी की मेहरबान नज़रें उस पर क्यों नहीं पड़ीं। आरिफ ने तो उस सारस के साथ खूब दोस्ती निभाई, लेकिन यहां पशु पक्षियों के संरक्षण और बचाव के लिए बनाए गए कठिन वन्य कानून आड़े आ गए और आरिफ से उस सारस को न केवल अलग कर दिया गया, बल्कि अब आरिफ को सारस से मिलने की भी इजाज़त नहीं है, क्योंकि पिंजरे में कैद सारस आरिफ को देखकर मिलने के लिए तड़पने लगता है। दो साल पहले उसे वन अधिकारियों ने आरिफ से अलग कर दिया था, अब तो न जाने किस हाल में होगा।

मालूम नहीं मोदीजी की वनतारा में किसी जानवर से ऐसी ही पक्की वाली निस्वार्थ दोस्ती हुई या नहीं, क्योंकि अगर वहां कोई जानवर मोदी से मिलने तड़पे तो उसमें तो कोई वन्य कानून आड़े नहीं आएगा। वैसे भी जब दुनिया भर से चुन-चुन कर जानवरों को वनतारा में रखा जा सकता है, तो क्या राष्ट्रीय, क्या अंतरराष्ट्रीय किसी कानून के बारे में पूछने का मतलब ही नहीं रह जाता। छोटे, बड़े, शाकाहारी, मांसाहारी, लुप्तप्राय, दुर्लभ तमाम तरह के जानवर गुजरात ऐसे ही तो नहीं पहुंचे होंगे, इन्हें अंतरराष्ट्रीय सीमाओं से गुजारते हुए लाया गया, रखा गया, पाला गया। यह सब करने के लिए किस तरह राष्ट्रीय, अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सरकारों की स्वीकृति मिली, यह बड़ा सवाल है।

अब मोदी वहां अपनी पूरी कैमरा टीम के साथ पहुंचे, तरह-तरह से फोटो शूट हुए। क्या हम किसी राष्ट्रीय अभयारण्य में इतनी मनमर्जी से टहल सकते हैं। वैसे जंगली जानवर इंसानों से घुलना-मिलना पसंद नहीं करते, लेकिन यहां पालतुओं की तरह उन्हें हाथ से खिलाया-पिलाया गया और वीडियो भी बनवाए गए, क्या इसमें नियमों का उल्लंघन नहीं हुआ। बहुत से जानवरों का इलाज यहां हो रहा है, जिनका मुआयना भी मोदी ने किया। किसी की जान बचाना सही है, लेकिन क्या जब ये जानवर ठीक हो जाएंगे तो क्या उन्हें वापस उनके अपने घर में छोड़ा जाएगा या ये वनतारा की ही संपत्ति कहलाएंगे। इस संपत्ति का क्या कोई व्यापारिक लाभ भी आगे लिया जाएगा, क्योंकि दुनिया में जानवरों की खाल, हड्डी, नाखून, सींग, फर सबकी बड़ी मांग है, इसलिए इनका शिकार होता है और इनकी रक्षा के लिए ही तमाम कानून बने हैं। अब उन कानूनों का क्या होगा, वनतारा की निगरानी का हक क्या सरकार के वन मंत्रालय को होगा। ऐसे कई सवाल हैं, जो मोदी जी से साक्षात्कार में पूछे जा सकते हैं। पर इसके लिए शीशे की दीवार का इंतजाम करना होगा, मोदी तभी सामने आएंगे।

संपादकीय

नफरत पैदा करने वाली विचारधारा, मजहबी भेदभाव से मिलनी चाहिए मुक्ति

स्वास्थ्यकर्मियों को जीवन बचाने वाला और ईश्वर के प्रतिरूप की संज्ञा दी जाती है, लेकिन बीते दिनों ऑस्ट्रेलिया में स्वास्थ्यकर्मियों की एक करतूत ने इस पेशे को कलंकित करने का काम किया। इस मामले से जुड़े स्वास्थ्यकर्मी केवल मजहबी कारणों से एक वर्ग विशेष के रोगियों के साथ भेदभाव की बात गौरवान्वित होकर स्वीकार रहे हैं।वे नफरत की आग में उपचाराधीन यहूदी रोगियों को जान से मारने का भी दावा कर रहे हैं। आखिर मजहब के नाम पर मानवों को प्रताड़ित करने के पीछे यह कौन सा जहरीला दर्शन है? यह वाकया ऑस्ट्रेलिया के सिडनी स्थित बैंक्सटाउन अस्पताल का है। वहां कार्यरत दो मुस्लिम नर्सों (महिला सहित) द्वारा 11 फरवरी को ढाई मिनट के वीडियो चैट में एक इजरायली व्यक्ति से संवाद में दिखाया गया।इसमें पुरुष चिकित्साकर्मी कहता है, ÷मैं इससे अत्यंत व्यथित हूं कि आप इजरायल से हैं, आपको मरना ही होगा।

÷ इसमें स्वास्थ्यकर्मी स्वीकार करते हैं कि उन्होंने उपचाराधीन कई यहूदी मरीजों को 'जहन्नुम' भेजा है। अर्थात मौत के घाट उतारा है। पिछले एक साल से ऑस्ट्रेलिया में गैर-मुस्लिम विशेषकर यहूदी-विरोधी भावनाओं में एकाएक वृद्धि हुई है।समुदाय से जुड़े लोगों के घरों, कार्यालयों और व्यावसायिक प्रतिष्ठानों में तोड़फोड़ की कई खबरें आई हैं। इसमें एक स्कूल और दो सिनेगाग (यहूदी पूजास्थल) को आग के हवाले तक कर दिया गया था। यहूदियों से घृणा केवल ऑस्ट्रेलिया तक सीमित नहीं। अमेरिका और यूरोपीय देशों में भी कुछ समय से ऐसे मामलों में वृद्धि हुई है।नीदरलैंड की राजधानी एम्सटर्डम में गत सात नवंबर को एक फुटबाल मैच के दौरान यहूदियों को फलस्तीन समर्थकों द्वारा निशाना बनाया गया। वित्त वर्ष 2022-23 के बीच नीदरलैंड में यहूदियों पर हमलों में 245 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है।

इसी अवधि में ब्रिटेन में 550 यहूदी-विरोधी घटनाएं दर्ज हुई थीं। फ्रांस और अन्य यूरोपीय देश भी इससे अछूते नहीं हैं।कथित तर्कवादी हालिया यहूदी-विरोधी घटनाओं को फलस्तीन समर्थक आतंकी संगठन हमास द्वारा अक्टूबर 2023 में इजरायल पर घातक जिहादी हमले और प्रतिक्रियास्वरूप उस पर गाजा-पट्टी पर इजरायली सैन्य कार्रवाई से जोड़कर देखते हैं। इसके उलट वास्तविकता यही है कि यहूदियों को किसी एक हालिया घटना से नहीं, बल्कि उन्हें मजहबी आधार पर चौथी शताब्दी से ईसाइयत और फिर आठवीं सदी में इस्लाम के उदय से सतत उत्पीड़न का सामना करना पड़ रहा है।

मध्यकालीन यूरोप में यहूदियों का मजहबी दमन और तीव्र हुआ। 1466 में तत्कालीन पोप पाल-द्वितीय के निर्देशानुसार क्रिसमस के दिन रोम में यहूदियों को निर्वस्त्र कर सार्वजनिक रूप से अपमानित किया गया। कालांतर में यहूदी पुजारियों (रब्बियों) को विदूषक के वस्त्र पहनाकर परेड कराई जाने लगी। 25 दिसंबर, 1881 को पोलैंड के वारसा में 12 यहूदियों की भीड़ द्वारा निर्मम हत्या कर दी गई।उत्पीड़न की ऐसी अनगिनत घटनाएं प्रमाणित करती हैं कि यहूदी-विरोधी अभियानों ने सदियों तक यूरोप में उनके लिए एक असुरक्षित और हिंसक परिवेश बनाया, जिसे चर्च का समर्थन प्राप्त था। गहरी जड़ें जमा चुकी इसी घृणा ने 1933-45 के बीच एडोल्फ हिटलर के नेतृत्व में यहूदियों के व्यापक नरसंहार 'होलोकास्ट' का रूप लिया। इस अवधि में लगभग 60 लाख यहूदियों की हत्या कर दी गई, जिसमें 15 लाख बच्चे भी शामिल थे।जहां यहूदियों को दुनिया भर में दमन का सामना करना पड़ता रहा है, वहीं भारतीय भी अपनी जमीन पर उत्पीड़न के शिकार होते रहे हैं। भारत में मजहबी अत्याचार की शुरुआत आठवीं शताब्दी में अरब आक्रांता मुहम्मद बिन कासिम द्वारा सिंध पर आक्रमण के साथ हुई।

इस्लामी आक्रांताओं की इसी मानसिकता के वशीभूत गजनी, गौरी, खिलजी, तैमूर, तुगलक, बाबर औरंगजेब और टीपू सुल्तान जैसे शासकों ने भारत की मूल सनातन संस्कृति, मानबिंदुओं और परंपराओं को नष्ट करने का प्रयास किया।इन आक्रांताओं के वैचारिक उत्तराधिकारी आज भी भारतीय उपमहाद्वीप में इसी जहरीले चिंतन के साथ सक्रिय हैं। इसी जिहादी मानसिकता के कारण भारत का बड़ा भाग इस्लामी नियंत्रण में चला गया, जहां हिंदू, सिख, बौद्ध और जैन किसी शरीयत व्यवस्था के अनुरूप दोयम दर्जे के नागरिक हैं।

अंधविश्वासी विचारों का प्रचार करने वालों की साजिशों का पर्दाफाश होना चाहिए

आस्था और विश्वास जो पहले एक व्यक्तिगत मामला हुआ करता था, अब राज्य द्वारा कायम रखा जा रहा है। ऐसे आयोजनों का प्रबंधन आज तक धार्मिक संस्थाओं द्वारा किया जाता रहा है, जबकि राज्य केवल सहायक सेवाएं ही प्रदान करता रहा है। लेकिन पिछले एक दशक में राज्य न केवल इन आयोजनों को बढ़ावा देने में शामिल रहा है, बल्कि उन्हें मजबूत करने के लिए कथा-कथन भी गढ़ रहा है।

प्रयागराज में कुंभ स्थल पर गंगा नदी के पानी में उच्च स्तर के प्रदूषण की केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की रिपोर्ट के बाद अब बिहार आर्थिक सर्वेक्षण ने एक रिपोर्ट जारी की है जिसमें कहा गया है कि बिहार में अधिकांश स्थानों पर गंगा नदी का पानी स्नान के लिए भी उपयुक्त नहीं है, क्योंकि इसमें जीवाणुओं की मात्रा बहुत अधिक है। यह अध्ययन बिहार राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड द्वारा किया गया है, जो नियमित रूप से गंगा नदी में प्रदूषण के स्तर की निगरानी करता है।

प्रयागराज में बड़ी संख्या में लोगों के एकत्र होने का संज्ञान लेते हुए, राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एनजीटी) ने पहले चेतावनी दी थी कि कुंभ स्थल प्रयागराज का पानी अत्यधिक प्रदूषित है। उन्होंने बताया कि प्रदूषण की मात्रा अनुमेय सीमा से कहीं अधिक है और प्रदूषकों में मल का उच्च स्तर शामिल है। 16 फरवरी, 2025 को एनजीटी ने उत्तर प्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (यूपीपीसीबी) को उसकी खराब कार्रवाई के लिए फटकार लगायी, जिसके कारण 50 करोड़ लोगों ने न केवल अत्यधिक प्रदूषित पानी में स्नान किया, जो कई बीमारियों का कारण बन सकता है, बल्कि इससे भी बदतर यह कि लोगों को वह पानी पीना भी पड़ा। एनजीटी ने यह भी आशंका जतायी कि शायद यूपीपीसीबी किसी तरह के दबाव में है। कोई अश्चर्य नहीं कि एनजीटी की टिप्पणियों के बाद उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि प्रयागराज का पानी पीने योग्य है।

यह तब है जब केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) ने पाया कि 12 जनवरी और उसके बाद 23 जनवरी, 2025 को निरीक्षण के दौरान कई निगरानी स्थलों पर पानी की गुणवत्ता घटिया पायी गयी। सीपीसीबी की एक रिपोर्ट में कहा गया है कि कई स्थानों पर बायोकेमिकल ऑक्सीजन डिमांड (बीओडी) का स्तर सामान्य मानक तीन मिलीग्राम (एमजी) प्रति लीटर से अधिक पाया गया। उच्च बीओडी प्रदूषण के उच्च स्तर को इंगित करता है, क्योंकि सूक्ष्मजीवों को पानी में कार्बनिक अपशिष्ट को विघटित करने के लिए अधिक ऑक्सीजन की आवश्यकता होती है। फेकलकोलीफॉर्म बैक्टीरिया का स्तर बहुत अधिक था, जो मुख्य रूप से मानव और पशु मलमूत्र से आते हैं। इन बैक्टीरिया की मौजूदगी से पता चलता है कि पानी सीवेज से दूषित है, जिससे टाइफाइड, डायरिया और हैजा जैसी जलजनित बीमारियों के फैलने की संभावना है।

यह देखा गया कि कई स्थानों पर नालों से अनुपचारित अपशिष्ट जल सीधे गंगा में बह रहा था। जबकि कुछ नालों को टैप करके उपचारित किया जा रहा था, लेकिन उपचार प्रक्रिया या तो आंशिक या अप्रभावी थी।

एनजीटी की रिपोर्ट लोगों को उस प्रदूषित पानी में डुबकी लगाने से पहले सावधानी बरतने की चेतावनी थी। यह एक विरोधाभास है कि वैज्ञानिक चेतावनी के बावजूद लोग अत्यधिक प्रदूषित पानी में नहाने और पीने के लिए उमड़ पड़े। लेकिन इस विश्वास के बिना कि कुंभ के दौरान डुबकी लगाने से उन्हें देवताओं का आशीर्वाद मिलेगा, इनमें से अधिकांश लोग ऐसे प्रदूषित जल स्रोतों के पास भी नहीं खड़े होंगे।

ऐसी आस्था और विश्वास जो पहले एक व्यक्तिगत मामला हुआ करता था, अब राज्य द्वारा कायम रखा जा रहा है। ऐसे आयोजनों का प्रबंधन आज तक धार्मिक संस्थाओं द्वारा किया जाता रहा है, जबकि राज्य केवल सहायक सेवाएं ही प्रदान करता रहा है। लेकिन पिछले एक दशक में राज्य न केवल इन आयोजनों को बढ़ावा देने में शामिल रहा है, बल्कि उन्हें मजबूत करने के लिए कथा-कथन भी गढ़ रहा है। इतना अधिक कि कई बार संवैधानिक संस्थाओं के लिए दोषियों के खिलाफ कार्रवाई करना मुश्किल हो जाता है।12 अप्रैल 2017 को टाइम्स ऑफ इंडिया में प्रकाशित एक समाचार में चार सदस्यीय समिति ने सिफारिश की थी कि तथाकथित धर्मगुरु श्री श्री रविशंकर के आर्ट ऑफ लिविंग (एओएल) फाउंडेशन को यमुना नदी तट को हुए व्यापक और गंभीर नुकसान के लिए मरम्मत लागत के रूप में 100-120 करोड़ रुपये का भुगतान करना चाहिए। यह क्षति 2016 में दिल्ली में यमुना के तट पर एओएल द्वारा आयोजित सामूहिक उत्सव के कारण हुई थी। लेकिन एओएल ने इस आदेश का पालन नहीं किया, क्योंकि उन्हें केंद्र सरकार का संरक्षण प्राप्त था।सत्ता में बैठी सरकार द्वारा बार-बार अवैज्ञानिक कथा-कथन गढ़कर लोगों को मिथकों में उलझाए रखने का एक सूक्ष्म प्रयास किया जाता है। उदाहरण के लिए, गोमूत्र को कैंसर सहित विभिन्न बीमारियों के इलाज के रूप में प्रचारित किया जाता है। भाजपा सांसद प्रज्ञा ठाकुर ने कहा था कि गाय के मूत्र से उनका स्तन कैंसर ठीक हो गया। गाय के गोबर और पंचगव्य को कई बीमारियों के लिए पसंदीदा उपचार माना जाता है। साथ ही, गाय के गोबर में परमाणु विकिरणों से बचाने की शक्ति भी होती है, उन्होंने कहा था।उत्तराखंड के सीएम त्रिवेंद्र सिंह रावत ने जुलाई 2019 में कहा था कि गाय एकमात्र ऐसा जानवर है जो ऑक्सीजन सांस लेता और छोड़ता है और इस हवा को सांस के साथ लेने से लोगों की सांस की समस्या ठीक हो सकती है क्योंकि गाय प्राण वायु देती है।राजस्थान उच्च न्यायालय के एक न्यायाधीश ने कहा था कि मोरनी मोर के आंसू चाटने पर संतानों को जन्म देती है। जालंधर में आयोजित भारतीय विज्ञान कांग्रेस में आंध्र प्रदेश विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. नागेश्वर राव ने कहा था कि-100 कौरव इसलिए पैदा हुए क्योंकि हमारे पास इतना उन्नत विज्ञान था कि हम प्राचीन भारत में प्रत्यारोपण के लिए स्टेम सेल का इस्तेमाल करते थे। आरोग्य भारती रति क्रीड़ा के दौरान विशिष्ट श्लोकों का जाप करके अनुकूलित शिशुओं के जन्म को बढ़ावा दे रही है।वास्तव में इस तरह की अवैज्ञानिक कथा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा के केंद्र में सत्ता में आने के तुरंत बाद गढ़ी गयी थी। अक्टूबर 2014 में मुंबई के एक अस्पताल के उद्घाटन के अवसर पर उन्होंने दावा किया था कि हाथी के सिर वाले हिंदू देवता गणेश प्राचीन भारत के प्लास्टिक सर्जरी के ज्ञान का प्रमाण थे। यह उनके बैंड वैगन को झूठी कहानियों का महिमामंडन करने का संकेत था। यह सब लगातार प्रयास लोगों को तर्कसंगत सोच से दूर रखने के लिए है।

लेकिन इस तरह के मिथकों और झूठ को हमेशा समय-समय पर चुनौती दी जाती रही है। प्राचीन भारत में एक ऋषि चार्वाक ने ब्रह्मांड और सामाजिक संबंधों के निर्माण की प्रचलित अवधारणा को चुनौती दी थी। उन्हें उनके विचारों के लिए जलाकर मार दिया गया था। गैलीलियो ने पृथ्वी के चारों ओर सूर्य के घूमने के मिथक को चुनौती दी, भले ही उन्हें इसके लिए सताया गया था। सूफी संतों ने भी मिथकों के खिलाफ बात की। गुरु नानक देव ने उस समय मिथकों को चुनौती दी जब ऐसा करना बहुत मुश्किल था। अब जब हमारे पास आसपास हो रही घटनाओं के पर्याप्त वैज्ञानिक प्रमाण हैं, तो यह हमारा कर्तव्य है कि हम निडर होकर उन लोगों के नापाक इरादों को उजागर करें जो विज्ञान का पूरा लाभ तो लेना चाहते हैं, लेकिन समाज में तर्कहीन और रूढ़िवादी विचारों को बढ़ावा भी देना चाहते हैं।

बाल बढ़ाना हुआ आसान

आपके बाल स्टाइलिश छोटे और खूबसूरत लेयर्स वाले बालों के बीच आते हैं तो आप उन्हें पूरी तरह बढ़ने तक सुंदर कैसे बनाएं, यह जानना बेहद जरूरी है। जब बालों का नया कट लिया जाता है तब वे काफी सुंदर नजर आते हैं। लेकिन धीरे-धीरे जब वे बढ़ना शुरू करते हैं तो उनकी स्टाइल बदल जाती है। साथ ही बढ़े बालों को देखकर दोबारा कटाने या छोटा करने का मन नहीं करता। स्त्रियां पार्लर इसलिए जाना नहीं चाहतीं कि कहीं बालों की ज्यादा छंटाई न हो जाए। हमने एक्सपर्ट से बात करके कुछ नायाब तरीके ढूंढ निकाले हैं, जिन्हें अपनाकर बालों को बढ़ाना और उन्हें मनचाहे आकार में ढालना बहुत आसान हो जाएगा।

उलझी हुई लेयर्स

बालों का कटिंग अगर लेयर में हो तो बढ़ी हुई लेयर्स खराब दिखाई देती हैं। अगर आपके बाल कुदरती रूप से घुंघराले हैं तो आप भाग्यशाली हैं, क्योंकि लेयर्स आपके घुंघराले बालों के बीच कहीं गुम हो जाएंगे। अगर आपके बाल सीधे हैं तो कुछ दिन ऐसे ही बालों के साथ गुजारने पड़ सकते हैं।

घर पर क्या करें

सौंदर्य विशेषज्ञा सामंथा कोचर के मुताबिक अगर आपके बाल ऊपर से चपटे नजर आते हैं तो आप रुट बूस्टर या सी सॉल्ट स्प्रे के इस्तेमाल से इन्हें घना दिखा सकती हैं। अपने बालों को ऐसा लुक दें कि वे बिखरे और फैले हुए लगें। इससे लगेगा कि आपने बालों को ऐसी स्टाइल दी है। साथ ही आपके बालों की खामी भी छुप जाएगी।

फ्रिंज कट हेयर

आपके बाल अकसर आंखों के ऊपर गिरते रहते हैं और इतनी जल्दी बढ़ जाते हैं कि शायद आपको अपनी आधी उम्र हेयर ड्रेसर के पास ही बितानी पड़ जाए।

घर पर क्या करें

बालों को सीधा रखने के लिए स्ट्रेटनिंग आयरन घर पर रखें। आयरनिंग से बाल थोड़े लंबे हो जाते हैं। इस तरह वे बाल कानों तक आ जाते हैं, उन्हें पीछे की ओर क्लिप किया जा सकता है। कभी भी अपनी लटों को खुद ही ब्लो-ड्राइ न करें। इसे सिर्फ प्रोफेशनल से ही करवाएं। अपने पास हेयर ट्रिमिंग कैंची जरूर रखें। विशेषकर अगर आपको आगे रखे जाने वाले बाल यानी बैंग्ज पसंद हैं। इन्हें काटना भी सीखें। केवल तभी काटें जब आपके बाल सूखे हों।

सलॉन में क्या करें

आपका फ्रिंजेस का शौक पूरा हो जाए तो अपने स्टाइलिस्ट से कहें कि वे इन्हें साइड-स्वेप्ट बैंग्ज का रूप दे दें। बढ़े हुए बैंग्ज के लिए कहें कि वे इसे टेक्सचर दे कर ऐसा बनाएं, ताकि ये आपके बाकी बालों के साथ एकरूप नजर आएं। अगर आपके बाल छोटे और घुंघराले हैं तो इन पर जेल लगाकर इन्हें पीछे की ओर संवारें। यह लुक आप पर बहुत जंचेगा। इन पर तरह-तरह के हेयर एक्सेसरीज जैसे, रंग-बिरंगी पिंस और हेयरबैंड्स लगाकर अधिक आकर्षक बना सकती हैं और ये इन दिनों ट्रेंड में भी हैं।

ब्लंट कट

ऐसे बाल जब हलके बढ़ने शुरू होते हैं तो असमान और चपटे नजर आते हैं। ऐसे में आप क्या करें जानें-

घर पर क्या करें

हलके मूस या लीव-इन कंडिशनर का इस्तेमाल करें और बालों को बांध लें। अनइवेन बालों वाला लुक आपके लिए मुफीद होगा।

सलॉन में क्या करें

बालों की लंबाई जितनी है, रहने दें। हेयरस्टाइलिस्ट से बालों को टेक्सचर करवाएं। ऊपरी हिस्से में लेयर्स डालने को कहें। क्लिप्स और हेयरबैंड जैसी एक्सेसरीज का इस्तेमाल करें। बालों को सीधा करने के बाद एक साइड की मांग निकालें। यहां के थोड़े से बालों को लेकर उसी ओर क्लिप करें, बचे हुए बालों को पीछे की ओर लाएं और स्टाइलिश शिग्नॉन बना लें।

शाइनिंग सनग्लासेज

सनग्लासेज सिर्फ फैशनेबल एक्सेसरी नहीं है। आंखों की सुरक्षा के लिहाज से इनका इस्तेमाल है बेहद जरूरी। नंगी आंखों से सूरज की ओर देखते हैं तो पराबैंगनी किरणों के विकिरण से उत्पन्न अतिरिक्त ऊर्जा के कारण तकलीफ होती है। इससे राहत का सबब हैं पोलराइज्ड एंटी ग्लेयर सनग्लासेज। ये सुरक्षा परत की तरह काम करते हैं। इनके लेंस में मौजूद छोटी-छोटी हॉरीजेंटल स्ट्राइप्स उस चमक को बीच में रोक देती हैं, जो सतह से टकराकर परावर्तित होती हैं। वहीं फोटोक्रोमिक लेंस में सिल्वर क्लोराइड या सिल्वर हैलाइड यौगिक होता है। जब पराबैगनी किरणें उससे टकराती हैं तो एक विशेष प्रतिक्रिया उत्पन्न होती है। यही वजह है कि धूप में आने पर फोटोक्रोमिक लेंस का रंग गहरा हो जाता है। लेंस के बाद अब बारी आती है फैशन की। आजकल ड्रेस की मैचिंग के सनग्लासेज हैं युवाओं की पसंद। उनका चयन चेहरे के आकार के अनुसार करना चाहिए। पतले और स्ट्रेट चेहरे पर छोटे सनग्लासेज फबते हैं, जबकि बड़े चेहरे पर चौड़े सनग्लासेज भाते हैं। वहींगोरे रंग के लोगों पर गहरे शेड्स के सनग्लासेज जंचते हैं, जबकि गहरी रंगत पर गहरे शेड्स को छोड़कर किसी भी कलर के सनग्लासेज खूबसूरत लगते हैं।

सदाबहार है आभूषण

माना जाता है आभूषण और औरत का रिश्ता आर्यो के समय से चला आ रहा है। आभूषण पहनना श्रृंगार रस का ही एक हिस्सा है। दुलहन को चूंकि लक्ष्मी का रूप माना जाता है इसलिए उसके लिए उस दिन आभूषणों को धारण करना अनिवार्य माना जाता है।

आजकल हलकी, महीन कारीगरी और देखने में उत्कृष्ट आभूषण चलन में है। फिर चाहे वे प्लैटिनम के हों या एंटीक लुक वाले, बस उनकी फिनिशिंग अच्छी होनी चाहिए। इसी के साथ डिजाइनयुक्त आभूषण चलन में है। अधिकतर दुलहन बिलकुल अलग हटकर डिजाइन मांगती है जिनकी फिनिशिंग में कोई कमी न हो। सोने के गहनों की हमेशा मांग रहती है पर आजकल सोने से ज्यादा हीरे की ज्यादा मांग है। हालांकि खास मौकों पर पहनने के लिए हलकी मीनाकारी वाले भारी सेट या कुंदन के सेट चलन में है। पश्चिमी परिधानों के साथ मोती के नेकलेस अच्छे लगते है। हीरे के आभूषण विभिन्न फिनिशिंग जैसे फ्रॉस्टिंग, साटन, मैट आदि के साथ बन रहे है। तड़क-भड़कदार गहनों की अपेक्षा डल, एंटीक लुक ने ले ली है।

सोने के गहने पारंपरिक परिधानों के साथ अच्छे लगते है पर डायमंड ट्रेडिंग कंपनी की डायरेक्टर देविका गिडवानी कहती है, हीरे में पारंपरिक भारतीय फूलों के डिजाइन आजकल लोकप्रिय हो रहे है क्योंकि इन्हे भारतीय या पश्चिमी किसी भी तरह के परिधानों के साथ पहना जा सकता है। शादी के लिए लड़कियां व्हाइट और येलो गोल्ड के सम्मिश्रिण से बने सेट खरीदना पसंद कर रही है।

व्हाइट चाहे वह व्हाइट गोल्ड हो या प्लैटिनम इनका चलन कभी खत्म नहीं होता है। वैसे ही हीरे की मांग सदा बनी रहती है। पारंपरिक गोल, अंडाकार, पान के आकार, चौकोर और एमरल्ड कट हमेशा की तरह फैशन में हैं।

लक्ष्मी डायमंड के चैयरमेन बसंत भाई गजेरा ने सिग्नस नाम से एक रेज पेश की है जो स्टाइल, और डिजाइन के हिसाब से एकदम अनूठी है। वह कहते है, आभूषण एक आर्ट वर्क की तरह होते है जिनमें अच्छी फिनिशिंग के साथ डिजाइन का भी बहुत महत्व होता है। चूंकि आज कामकाजी स्त्रियों की संख्या बढ़ गई है इसलिए विवाह के बाद भी वे ज्यादा आभूषण नहीं पहनना चाहती है। हीरे के आभूषणों की मांग सदैव रहती है और खासकर फैंसी कट के आभूषण चाहे वे अंगूठी हों, पेंडेट, नेकलेस, चूड़ियां या कंगन हों, ज्यादा बिक रहे हैं। इन हीरों के आभूषणों में वे चाहती है कि विभिन्न रंगों के नग लगे हों ताकि वे अपने परिधानों के साथ उन्हे मैच कर पहन सकें।

तनिष्क की मार्केटिंग और डिजाइनर अध्यक्ष वाई एल सरोजा के अनुसार,दुलहन के लिए तैयार जोया नामक कलेक्शन में हीरों के साथ रूबी, नीलम, पन्ने जैसे बेशकीमती नगों का सुंदर प्रयोग किया गया है। आज की स्त्री विशिष्टता और नफासत की मांग करती है।

तनिष्क की डिजाइनर पल्लवी डुडेजा कहती है,आज की दुलहन अगर एक तरफ हलके डिजाइन पसंद करती है तो दूसरी तरफ वह उसमें पारंपरिकता का मिश्रण भी चाहती है। सोने और हीरे का मिश्रण चलन में है। वे ऐसे आभूषण चाहती है जो भारतीय और पश्चिमी दोनों तरह के परिधानों के साथ पहने जा सकें। आम के मोटिफ या पैसले डिजाइन के आभूषण इसलिए ज्यादा फैशन में है क्योंकि भारी या हलके दोनों तरह के डिजाइन इसमें मिल जाते है।

तनिष्क की डिजाइनर एलिजाबेथ माथन का मानना है कि विवाह के दिन पहने जाने वाले आभूषण ऐसे होने चाहिए जिन्हे पहनने के बाद दुलहन असुविधा न महसूस करे। हीरे के साथ रंगीन पत्थरों की मांग बेहद बढ़ गई है। इनमें पारदर्शी इनैमल का भी प्रयोग किया जा रहा है।

डिजाइनर अंजलि लाल मानती है कि सोना भारतीय वर्ण पर ज्यादा जंचता है। पर विवाह में पहनने के लिए मीनाकारी किए आभूषणों का चलन हो गया है। नारंगी, बैगनी, मैरून, हरा और ब्रौंज लुक की मीनाकारी एथनिक लगती है। प्लैटिनम गिल्ड इंडिया की मैनेजर वैशाली बैनर्जी महसूस करती है कि बतौर ब्राइडल ज्वेलरी प्लैटिनम के आभूषणों की जगह कोई नहीं ले पाया है। इसके बने आभूषणों को संजोकर रखा जाता है और पीढ़ी दर पीढ़ी ये चलते है। इसलिए न तो कभी ये किसी ट्रेंड में आते है न ही कभी इनका फैशन खत्म होता है। विवाह के लिए ज्यादातर लड़कियां अंगूठी, कानों के टॉप्स, हीरे जड़ित पेंडेट और प्लैटिनम की चेन खरीदती है। चूड़ी, वैडिंग बैंड और ब्रेसलेट की भी मांग है।

हजूरीलाल ज्वेलर्स के रमेश नारंग के अनुसार, विवाह के मौके पर पहनने के लिए भारी जेवरातों की ही मांग है। व्हाइट गोल्ड में जड़े हीरे और सेमी प्रेशियस स्टोंस के आभूषणों का चलन बढ़ गया है। कुंदन की पुरानी चीजें जैसे बाजूबंद, टीका, माथापट्टी, चोकर आदि फिर से फैशन में है। निजाम के समय के बड़े-बड़े लालड़ी और पन्ने की मणियों के सेट चलन में हैं।

ज्वेलरी डिजाइनर अनुराधा छाबड़ा कहती है कि कुंदन में डायमंड पोल्की के सेट फैशन में है। मोतियों की विभिन्न वर्णी लड़ियों में कुंदन के पेंडेट पहने जा रहे है।

सिया आर्ट ज्वेलर्स के कमल कामरा के अनुसार, कुंदन के गहनों ने सबसे ज्यादा जगह ले ली है। हमने पूरे ब्राइडल सेट बनाए है जिसमें चोकर, हाथपंजा, मांग टीका, पायल सभी कुछ है। इसमें 49 रंग है पर ज्यादातर मैरून और हरा रंग चलता है। सामान्यतया कुंदन के जेवर सोने में बनते है पर हमने चूंकि इन्हे चांदी और सेमी प्रेशियस स्टोन में जड़ा है इसलिए न सिर्फ इन्हे किसी भी मौके पर पहना जा सकता है बल्कि इनकी कीमत भी कम है।

फैट भी है जरूरी

हेल्थ प्लस

ओमेगा-3

फैट को मोटापे का प्रमुख कारण मानते हुए अक्सर लोग इसका इस्तेमाल करना पसंद नहीं करते, लेकिन डाइट में इसका सेवन भी उतना ही जरूरी है जितना अन्य न्यूट्रिएंट्स का...

फैट का नाम सुनकर शायद आपको ऐसा लग रहा हो कि आपको इसका सेवन नहीं करना चाहिए, पर ऐसा नहीं है। फैट, हैल्दी डाइट का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। छोटे बच्चों की डाइट में फैट की एक विशेष मात्रा होनी जरूरी है, ताकि उनके ब्रेन और नर्वस सिस्टम की डिवैलपमेंट सही तरीके से हो सके। हाई फैट फूड्स का बहुत ज्यादा मात्रा में सेवन करने से हम बहुत ज्यादा कैलोरीज कंज्यूम कर लेते हैं। इससे वजन बढ़ सकता है और साथ ही कैंसर, हार्ट डिसीज, हाई ब्लड प्रैशर और स्ट्रोक जैसी जानलेवा बीमारियां होने की संभावना भी बढ़ जाती है। इसलिए 30 फीसदी से ज्यादा कैलोरीज फैट्स से नहीं आनी चाहिए।

फैट के प्रकार

सैच्युरेटिड फैट्स: सैच्युरेटिड फैट्स फैटी एसिड है, जो ब्लड कोलेस्ट्रॉल का लैवल बढ़ाता है। यह मीट, होल डेयरी प्रॉडक्ट्स, जैसे मक्खन, मार्जरिन, चीज, क्रीम व आईसक्रीम में पाया जाता है। कुछ सैच्युरेटिड फैट्स पौधों में भी पाए जाते हैं, जैसे कोकोनट व पाम ऑयल।

स्किम्ड मिल्क (मलाई के बगैर दूध) और लो-फैट चीजों का इस्तेमाल करके हम डाइट में से सैच्युरेटिड फैट्स की मात्रा कम कर सकते हैं।

अनसैच्युरेटिड फैट्स: अनसैच्युरेटिड फैट्स आमतौर पर रूम टैम्परेचर पर तरल अवस्था में होते हैं। यह मुख्य रूप से वैजिटेबल प्रॉडक्ट्स और तेलों में पाया जाता है। पॉलीअनसैच्युरेटिड और मोनोअनसैच्युरेटिड फैट्स वाले खाद्य पदार्थों के सेवन से हार्ट डिसीज के खतरे में बढ़ौतरी नहीं होती। अन्य सभी फैट्स की ही तरह इनसे भी हमें एक ग्राम में नौ कैलोरीज प्राप्त होती हैं। इसलिए इसका ज्यादा सेवन करने से वजन बढ़ सकता है।

लो-फैट फूड्स जैसे सब्जियां, फल, रोटी, चावल व दालों का अधिक सेवन करके हम अनसैच्युरेटिड फैट की मात्रा कम कर सकते हैं।

कोलेस्ट्रॉल: कोलेस्ट्रॉल एक जरूरी फैट है, जिसे लिवर बनाता है। कई लोग मीट व डेयरी प्रॉडक्ट्स के सेवन से अतिरिक्त कोलेस्ट्रॉल प्राप्त कर लेते हैं। इससे ब्लड कोलेस्ट्रॉल का लैवल बढ़ जाता है जिससे हार्ट डिसीज का खतरा बढ़ जाता है।

ऐसे खाद्य पदार्थों का ज्यादा सेवन करें, जिनमें कोलेस्ट्रॉल और सैच्युरेटिड फैट की मात्रा कम हो।

ट्रांस फैट: जब लिक्विड ऑयल को सॉलिड फैट में बदला जाता है, तब ट्रांस फैट्स पैदा होते हैं। इस प्रक्रिया को हाइड्रोजेनेशन कहते हैं। ट्रांस फैट्स भी सैच्युरेटिड फैट्स की ही तरह काम करते हैं और आपका कोलेस्ट्रॉल लैवल बढ़ा सकते हैं।

ट्रांस फैट्स के अधिक सेवन से बचने के लिए ऐसे खाद्य पदार्थों के सेवन से बचें, जिन पर हाइड्रोजेनेटिड ऑयल लिखा हुआ हो। प्रोसैस्ड फूड्स, फास्ट फूड और बेक्ड गुड्स इत्यादि में ट्रांस फैट्स होते हैं। इसलिए इनके सेवन से बचें।

क्यों है जरूरी ?: सेहतमंद रहने के लिए फैट्स बहुत जरूरी हैं। 20 से 30 फीसदी कैलोरीज हमें फैट से मिलनी चाहिए।

- भोजन में मौजूद फैट शरीर को विटामिन ए, डी, इ और के को अब्सॉर्ब करने में बड़ी आंत की मदद करते हैं, क्योंकि ये फैट सॉल्यूबल विटामिन हैं।
- ब्रेन की डिवैलपमेंट के लिए फैट्स बहुत जरूरी हैं।
- फैट्स एनर्जी का सबसे बढ़िया स्रोत हैं। एक ग्राम फैट से नौ कैलोरीज मिलती हैं, जबकि एक ग्राम कार्बोहाइड्रेट्स और प्रोटीन से केवल चार कैलोरीज मिलती हैं।
- हैल्दी स्किन के लिए फैट्स जरूरी हैं। इसकी कमी से स्किन रूखी हो जाती है। स्किन के नीचे फैट की तह शरीर के अपने इंसुलेशन की तरह काम करती है, जो शरीर का तापमान रैगुलेट करने में मदद करती है।
- हैल्दी झिल्ली के बगैर सैल कार्य नहीं कर सकते। फैट्स झिल्ली का महत्वपूर्ण हिस्सा हैं।
- हार्मोन बनाने के लिए भी फैट्स जरूरी होते हैं, जो शरीर के कई कार्यों को रैगुलेट करते हैं। ये सैक्स हार्मोन की प्रॉडक्शन भी नियमित करते हैं। यही कारण है कि जो टीनएजर लड़कियां बहुत ज्यादा पतली होती हैं, उनमें प्यूबर्टी डिवैलपमेंट देर से होती है।
- एनर्जी का न्यूट्रिशस जरिया होने के अलावा ये भोजन को फ्लेवर और टेस्ट देते हैं।
- शरीर के कई महत्वपूर्ण अंगों, जैसे किडनी, दिल और आंतों को फैट्स प्रॉटैक्टिव कुशन प्रदान करते हैं। इससे इन्हें चोट से बचने और अपनी जगह पर बने रहने में मदद मिलती है।

सॉर्स

नट्स, ऑयल्स, मक्खन और मीट में फैट काफी मात्रा में फैट पाया जाता है। पीनट बटर में फैट काफी ज्यादा मात्रा में होता है, पर यह बहुत पौष्टिक भी होता है।

क्या होता है ?- ओमेगा-3 ऑयल्स सबसे बढ़िया ब्रेन फूड हैं। ये हार्ट के लिए बहुत बढ़िया हैं। मानसिक तनाव कम करने के साथ-साथ शरीर में कोलेस्ट्रॉल व फैट कम करके वजन घटाने में मदद करते हैं और हार्ट व अन्य रोगों से बचाते हैं।

क्या है फायदा ?- ओमेगा-3 ऑयल्स हार्ट डिसीज से बचाव करने, ब्लड प्रैशर व कोलेस्ट्रॉल लैवल को सामान्य रखने और जोड़ों तथा माइग्रेन के दर्द से तुरंत राहत देने में मदद करते हैं। ये ब्रेन डिवेलपमेंट इम्प्रूव करते हैं, याद्दाश्त को बढ़ाते हैं।

कहां से मिलता है ?- मछली के तेल के अलावा टोफू और सोयाबीन के अन्य उत्पाद, पालक, कनोला, अखरोट और अलसी के बीजों में ओमेगा-3 फैटी एसिड पाए जाते हैं। इनमें अल्फा लिनोलेनिक एसिड (एलएनए) होता है, जो हमारे शरीर में ओमेगा-3 फैटी एसिड बन जाता है।

फैट एंड फिट

अगर आप बहुत ज्यादा ओवरवेट हैं, तो आपको एरोबिक एक्सरसाइज जरूर करनी चाहिए, चाहे इससे आपका वेट लॉस न भी हो। ओबिसिटी और इनएक्टिव लाइफ स्टाइल से क्रॉनिक बीमारियों और समय से पूर्व मृत्यु का खतरा बढ़ जाता है। अमेरिकन मैडिकल एसोसिएशन के जर्नल में छपी एक हालिया स्टडी के अनुसार, 'जो लोग फिट हैं (ट्रेडमिल टैस्ट के आधार पर), वे उन लोगों की तुलना में लंबी जिंदगी जीते हैं, जो अनफिट हैं। फिर चाहे वे कितने भी ओवरवेट क्यों न हों।' फैट, लेकिन फिट लोगों का डैथ रेट सामान्य वजन वाले या पतले अनफिट लोगों की अपेक्षा कम है।

...तो कुछ मीठा हो जाए

क्या आपको डायबिटीज है? अगर हां, तो टैंशन छोड़िए और मुंह मीठा कीजिए। आपके लिए गुड न्यूज है। डायबिटीज का इलाज ढूंढने की दिशा में भारत एक कदम आगे बढ़ता दिख रहा है। इस बात पर रिसर्च कामयाब होती नजर आ रही है कि इस बीमारी को जड़ से मिटाने के लिए सर्जरी कितनी कारगर है।

इंडियन काउंसिल फॉर मैडिकल रिसर्च (आईसीएमआर) की देखरेख में एक स्टडी की जा रही है, जिसमें देखा जा रहा है कि की-होल इंटरपोजिशन सर्जरी से डायबिटीज के मरीजों को कितना फायदा हो रहा है। इस स्टडी के काफी पॉजिटिव रिजल्ट सामने आ रहे हैं। स्टडी में शामिल डॉक्टरों का दावा है कि यह टाइप-2 डायबिटीज के लिए वरदान साबित हो रही है और 80 फीसदी मरीज बिना किसी दवा के अपना ब्लड शुगर मैनेज कर पा रहे हैं। बाकी 20 फीसदी में भी फ़ायदा दिखाई दे रहा है।

स्टडी में शामिल बॉम्बे हॉस्पिटल मुंबई के डॉ. रमन गोयल का कहना है कि टाइप-2 डायबिटीज के मरीजों में ग्लाइसेमिक कंट्रोल के लिए की जा रही इस सर्जरी में मुख्य रूप से छोटी आंत के हिस्से में बदलाव किया जाता है। स्टडी में देखा गया कि इस सर्जरी के बाद ऐसे मरीजों में भी इंसुलिन इंजैक्शन बंद हो गया है, जो पिछले 25 सालों से इंसुलिन पर थे। दिल्ली डायबिटिक रिसर्च सैंटर के अध्यक्ष डॉ. ए. के. झिंगन कहते हैं कि मोटापे को कम करने के लिए इस तरह की सर्जरी पिछले दो साल से पूरी दुनिया में की जा रही है, लेकिन इसका डायबिटीज के मरीजों पर क्या असर है? इसका लॉन्ग टर्म इफैक्ट क्या होगा? यह पता लगाने के लिए अभी तक कोई स्टडी नहीं हुई है। ऐसे में अगर प्रॉपर स्टडी करके इसके रिजल्ट का पता लगा लिया जाएगा, तो ऐसे डायबिटिक मरीजों की परेशानी खत्म हो जाएगी, जिनका बीएमआई स्तर 35 से ऊपर है।

डॉक्टरों का कहना है कि इस सर्जरी की कामयाबी में डाइट और फिजिकल एक्टिविटी का अहम रोल है। सर्जरी के दो हफ्ते तक लिक्विड डाइट पर रहना होगा, जबकि उसके बाद चार हफ्ते तक सॉफ्ट डाइट और उसके बाद नॉर्मल डाइट लेनी होती है। शरीर के मैटाबॉलिक सिस्टम को सही रखने के लिए कुछ फिजिकल एक्सरसाइज भी बताई जाती हैं। हॉस्पिटल से आने के 10 दिन बाद लॉन्ग वॉक की इजाजत दी जाती है, जबकि स्विमिंग जैसी एरोबिक एक्टिविटी 20 दिन बाद। वेट ट्रेनिंग की इजाजत महीने भर बाद और अब्डॉमिनल एक्सरसाइज तीन महीने बाद की जा सकती है।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ)

रुका हुआ लाभ आज प्राप्त हो सकता है। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। शुभ कार्यों की प्रवृत्ति बनेगी और शुभ समाचार भी मिलेंगे। लाभकारी गतिविधियों में संक्रियता रहेगी। कार्यक्षेत्र में संतोषजनक सफलता मिलेगी। शुभांक-5-8-9

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो)

कुछ एकाग्रता की प्रवृत्ति बनेगी। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। शुभांक-4-6-7

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा)

जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। हित के काम में आ रही बाधा मध्याह्न पश्चात् दूर हो जाएगी। परिवारजनों के सहयोग से काम बनाना आसान रहेगा। अपने काम आसानी से बनते चले जाएंगे। थाड़े प्रयास से कार्य सिद्ध होंगे। शुभ कार्य सम्पन्न होने से वातावरण आनन्द देने वाला बना रहेगा। शुभांक-3-6-9

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो)

परिवारजन का सहयोग व समन्वय से काम बनाना आसान करेगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी आर्थिक लाभ हेतु किये गए कार्यों का तत्काल प्रतिफल मिलेगा। बौद्धिक उलझनें बनी रहेगी। लाभमार्ग प्रशस्त होगा। नवीन उद्योगों के अवसर बढ़ेंगे व अभिलाषाएं पूर्ण होगी। शुभांक-5-7-8

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे)

मेहमानों का आगमन होगा। राजकीय कार्यों से लाभ होगा। पैतृक सम्पत्ति से लाभ मिलेगा। नैतिक दायरे में रहें। मेहमानों का आगमन होगा। विद्यार्थियों को लाभ मिलेगा। दाम्पत्य जीवन सुखद रहेगा। चिंतनीय वातावरण से मुक्ति मिलेगी। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। शुभांक-2-6-9

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो)

शत्रुपक्ष पर आप हावी रहेंगे। पारिवारिक परेशानी बढ़ेगी। कुछ प्रतिकूल गोचर का क्षोभ दिन-भर रहेगा। यश-प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखें। व्यापार में वृद्धि होगी। नौकरी में सहयोगियों का सहयोग प्राप्त होगा। ज्ञानार्जन का वातावरण बनेगा। शुभांक-2-5-7

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते)

कुछ प्रतिकूल गोचर का क्षोभ दिन-भर रहेगा। सुबह-सुबह की महत्वपूर्ण सिद्धि के बाद दिन-भर उत्साह बना रहेगा। किसी लाभदायक कार्य के लिए व्ययकारक स्थितियां पैदा होगी। प्रसन्नता के साथ सभी जरूरी कार्य बनते नजर आएंगे। मनोरथ सिद्धि का योग है। मेहमानों का आगमन होगा। शुभांक-3-6-9

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू)

स्वास्थ्य और जीवन स्तर में सुधार की अपेक्षा रहेगी। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। कुछ कार्य भी सिद्ध होंगे। व्यर्थ की भाग-दौड़ से यदि बचा ही जाए तो अच्छा है। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। शुभांक-5-7-9

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे)

महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध होंगे। कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते है। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। सभा-गोष्ठियों में मान-सम्मान बढ़ेगा। शुभांक-3-5-7

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी)

धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। सुख-आनंद कारक समय है। लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। बुद्धितत्व की सक्रियता से अल्प लाभ का हर्ष होगा। कुछ महत्वपूर्ण कार्य बनाने के लिए भाग-दौड़ रहेगी। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। सुखद समय की अनुभूतियां प्रबल होगी। शुभांक-3-4-6

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा)

शुभ कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा। कामकाज की अधिकता रहेगी। लाभ भी होगा और पुराने मित्रों से समागम भी होगा। व्यवसायिक अभ्युदय भी होगा और प्रसन्नताएं भी बढ़ेगी। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। पैतृक सम्पत्ति से लाभ मिलेगा। नैतिक दायरे में रहें। शुभांक-4-7-9

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची)

धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी। रुका हुआ लाभ आज प्राप्त हो सकता है। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। शुभ कार्यों की प्रवृत्ति बनेगी और शुभ समाचार भी मिलेंगे। शुभांक-3-5-7

काकुरो पहेली - 2012

■	■	29	11	■	■	23	6	■	■
■	14 21			■	9 13			23	■
14				29 24					17
17			16 10				15 16		
35						24 6			
■	3	10 8			6 7			30	6
7				16 10					
4			8 13				11 11		
■	10					10			
■	■	15		■	17				■

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए.किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

	11 7	1	2	3	5
1		1+2+3+4+5+6=21			
2		1+2+3+4+5+7=22			
4		3+5+6+7+8+9=38			
		4+5+6+7+8+9=39			

काकुरो - 2011 का हल

■	4 15		■	28 15		■	11 16	
3	1	2	14	6	8	11	2	9
7	3	4	16 24	9	7	8 23	1	7
■	24	9	7	8	14	9	5	10
■	■	13 21	8	5	13 7	6	3	4
4	11 3	2	9	9 11	1	8	11	2
4	1	3	9	5	4	■	8 22	1
9	2	7	3 17	1	2	12 11	9	3
■	20	9	8	3	14	9	5	■
■	■	11	9	2	10	2	8	■

लॉफिंग ज़ोन

डॉक्टर ने रमन के सिर पर ड्रेसिंग करने के बाद पट्टी बाँध दी और पूछा कि चोट कैसे लगी है?

रमन- छोड़ो डॉक्टर! लंबी कहानी है।

डॉक्टर- फिर भी सुनना चाहता हूँ।

रमन- बात यह है कि पिछले हफ्ते पत्नी मायके गई हुई थी। मैं भी हवा बदलने रविवार को होटल में जा टिका। मेरे बगल के कमरे में एक खूबसूरत औरत थी। रात ग्यारह बजे उसने दरवाजा खटखटाया और माफी माँगते हुए कहा कि उसे ठंड लग रही है अगर मैं कुछ मदद कर सकूँ तो वह आभारी रहेगी। मैंने एक कम्बल दे दिया। थोड़ी देर बाद वह फिर आ गई और वही शिकायत करने लगी। मैंने उसे अपना ओवरकोट दे दिया।

आज जब मैं हथौड़ी से कील ठोंक रहा था तो अचानक मुझे समझ में आया कि उस दिन वह क्या चाह रही थी और बस, मैंने हथौड़ी अपने सिर पर दे मारी।

□ □ □

अफरीदी (शोएब से)- हम सचिन को सेंचुरी नहीं बनाने देंगे।

शोएब- मगर हम उसे रोकेंगे कैसे? वो तो फॉर्म में है।

अफरीदी- हम सौ के अंदर ही ऑल आउट हो जाएँगे।

□ □ □

फिल्म वर्ग पहेली- 2012

1		2		3	■	4		5	■
	■		■	6			■	7	8
	■	9			■	10	11	■	
■	12		■	■	13	■	14	15	■
16		■	17				■	18	
	■	19		■		■	20		■
■	21	■	22		■	23		■	24
25				■	26		27	28	
■		■	29	30		■	■		■
31			■		■	32			

ऊपर से नीचे:-

१. 'कितना प्यारा वादा' गीत वाली फिल्म-३
२. सुनीलदत्त, किशोर सायरा की फिल्म-४
३. 'सुंदरा सुंदरा' गात वाली फिल्म-३
४. फिल्म जिसमें शाहरूख ने गूँगे की भूमिका की थी-३
५. 'राहों में उड़ती जाए बिछड़े' गीत वाली फिल्म-२
८. 'जीवनमृत्यु' में धर्मेन्द्र के साथ नायिका?-२
११. 'अबके बरस ये हाल है' गीत किस म्यूजिक एलबम का है?-२
१२. 'मिजाजे गिरामी दुआ है' गीत वाली फिल्म-२
१३. संजय कपूर, शिल्पा की 'टक टका टक' गीत वाली फिल्म-३
१५. 'बिन साजन झूला झूलूँ' गीत वाली फिल्म-३
१६. फिल्म 'शोला और शबनम' में गोविंदा की नायिका कौन थी?-२
१७. 'पालकी में होके सवार' गीत वाली फिल्म-५
२०. 'आंखों में नींदें ना' गीत वाली फिल्म-३
२१. जीतेंद्र, नंदा की 'देखते ही तुझे मेरे दिलने कहा' गीत वाली फिल्म-४
२४. 'सजना साथ निभाना' गीत वाली फिल्म-२
२६. लक्की अली, गौरी की एक फिल्म-२
२८. 'एक बेचारा प्यार का मारा' गीत वाली फिल्म-३
३०. विनोद खन्ना, भानुप्रिया की फिल्म-२

बायें से दायें:-

१. अमिताभ, राखी, की 'एक रास्ता है' गीत वाली फिल्म-२,३
४. 'ये नैन डरे डरे' गीत वाली फिल्म-३
६. सनी देओल, रवीना की 'दिल ना किसी का जाये' गीत वाली फिल्म-३
७. 'मैं तुझसे मिलने आई मंदिर जाने के बहाने' गीत वाली की फिल्म-२
९. संजयदत्त, पूजा की 'रहने को घर नहीं है' गीत वाली फिल्म-३
१०. 'कुछ लोग मुहब्बत करके' गीत वाली राज बब्बर, डिम्पल की फिल्म-२
१२. अजय देवगन, ट्विंकल खन्ना की जोड़ी वाली पहली फिल्म-२
१४. 'डाकिया रोज गली पर' गीत वाली मिथुन, स्वाति, मानसी की फिल्म-२
१६. 'हम प्यार करने वाले' गीत वाली फिल्म-२
१७. 'थोड़ा है थोड़े की' गात वाली राकेश रोशन, बिंदिया की फिल्म-२,२
१८. 'मैंने कहा फूलों से' गीत वाली फिल्म-२
१९. 'जिंदगी के खेल में' गात वाली अनिल कपूर, माधुरी की फिल्म-२
२०. फिल्म 'डकैत' में मीनाक्षी के साथ नायक कौन था?-२
२२. फिल्म 'परिंदा' में 'अन्ना' के चरित्र की भूमिका किसने की थी?-२
२३. 'ई है बंबई नगरिया' गीत वाली फिल्म-२
२५. जीतेंद्र, जया की 'बीती ना बिताई रैना' गीत वाली फिल्म-४
२७. 'झोंपड़ी में चारपाई' गीत वाली जीतेंद्र, श्रीदेवी, जया की फिल्म-३
२९. 'कितना बेचैन होके' गीत वाली फिल्म-३
३१. संजीव, राखी की एक फिल्म-३
३२. 'तारे हैं बारती' गीत वाली फिल्म-४

फिल्म वर्ग पहेली-2011

बा	ग	बा	न	■	त्रि	■	धू	म
रू	■	द	■	स्व	दे	श	■	र्या
द	ला	ल	■	■	व	■	दा	दा
■	ड़	■	प्या	सा	■	सी	मा	■
दु	ला	रा	■	ज	ख्मी	■	द	म
श्म	■	ज	मी	न	■	ने	■	म
नी	तू	■	ना	■	म	हा	न	ता
■	■	आ	■	दो	स्त	■	गी	■
दि	ल	ज	ले	■	■	बे	ना	म

सूडोकु -2012

3	9			1	4			2
1	2		6		3		5	
		5		8	7			9
	7			6	9			8
2	1			5			4	6
4			3	2			9	
9			8	4		5		
	6		9		5		2	4
8			1	7			6	3

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -2011 का हल

6	9	2	3	7	4	5	8	1
3	8	5	6	2	1	7	4	9
7	4	1	8	9	5	6	2	3
2	3	9	5	4	6	8	1	7
1	7	4	9	8	3	2	6	5
5	6	8	7	1	2	9	3	4
4	5	7	1	6	8	3	9	2
8	2	3	4	5	9	1	7	6
9	1	6	2	3	7	4	5	8

शब्द पहेली - 2012

■	1		2		3	■	4		5	6
7		■		■	8			■	9	
	■	10				■	11	12	■	
13			■	■	14		■	15	16	
	■		■	17		■	18	■		■
19	20		21		■	22		23		24
■		■		■	25		■		■	
26		27	■	28		■	■	29		
	■	30	31		32		33		■	
34	35	■	36			■		■	37	
38				■	39					■

बाएँ से दाएँ

1. आरोपित, तथाकथ्य-5
4. प्रलय, वज्रपात-4
7. परिमाण, माप-2
8. प्लेट, तश्तरी-3
9. भीगा हुआ-2
10. वेश्या, गणिका-4
11. ज्वालामुखी से निकला द्रव पर्दाथ-2
13. अपवित्र (उर्दू-3)
14. दान करने वाला-2
15. आंचल-3
17. पंख-2
19. चाहे जो भी हो -5
22. अनूठापन, विचित्रता-5
25. उम्मीद, आस-2
26. अनाशवान, अक्षय-3
28. सुनील शेट्टी की पहली फिल्म-2
29. बंदर, मर्कट-3
30. सम्मान, आदर-2
32. करामात, करिश्मा-4
34. नवीन, नव-2
36. नसीरुद्दीन और अर्चना पूरणसिंह की फिल्म-3
37. शारीरिक ऊंचाई-2
38. भाग्य, लक-4
39. रावण, दशानन-5

ऊपर से नीचे

1. तपस्या-2
2. कॉफी-3
3. तरफदारी करनेवाला-5
4. जन जाति, झुंड-3
5. वोट-2
6. बढ़ई, खाती-4
7. जो मुनासिब न हो-5
10. भाग्य (उर्दू-4)
12. प्रतिज्ञा, वचन-2
16. राजा, राजन-3
17. क्षण-2
18. संपूर्ण, देवी का एक नाम-2
20. रनिवास (उर्दू-3)
21. नुकसान, घाटा-2
22. रजनी, रात्रि-2
23. अनुपम, बेजोड़-4
24. जिसे घर में ही कैद किया गया हो-5
25. आतंक फैलानेवाला-5
26. धरोहर, थाती-4
27. लक्ष्मी-2
31. निगाह, दृष्टि-3
33. बैचेनी, परेशानी, संघर्ष-3
35. लद्दाख में पाया जानेवाला बैल जैसा एक जानवर-2
37. टैक्स, हाथ-2

शब्द पहेली -2011 का हल

ल	गा	म	■	अ	■	त	र	ब	त	र
ल	■	त	म	स	■	ह	म	ला	■	खै
क	श	■	■	ल	■	ल	■	■	का	ल
■	ही	■	क	हा	नी	का	र	■	र	■
ब	द	मा	श	■	र	■	च	म	क	ना
■	■	■	ल	क्ष	■	सी	ना	■	■	■
र	त	ज	गा	■	आ	■	का	म	या	ब
■	र	■	ना	ना	स	सु	र	■	च	■
रा	ह	■	■	म	■	रा	■	■	क	म
ह	■	त	ना	व	■	पा	य	ल	■	डु
त	ल	ब	गा	र	■	न	■	ब	ल	वा

तमिलनाडु में मुखिया ने 8 परिवारों के 30 लोगों को गांव से 'बहिष्कृत' किया, एनएचआरसी ने लिया स्वतः संज्ञान

एजेंसी

नई दिल्ली। राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (एनएचआरसी) ने एक मीडिया रिपोर्ट का स्वतः संज्ञान लिया है, जिसमें एक गांव के मुखिया ने एक परिवार के सभी सदस्यों को बहिष्कृत कर दिया। इस परिवार ने तमिलनाडु के तेनकासी जिले के संबावरवदकरई शहर में भूमि अतिक्रमण को लेकर एक व्यक्ति के खिलाफ कानूनी लड़ाई शुरू की थी। इस परिवार का समर्थन करने पर सात अन्य परिवारों को भी बहिष्कृत कर दिया गया। बहिष्कार के खिलाफ जिला कलेक्टर के कार्यालय के सामने विरोध प्रदर्शन करने पर पुलिस ने कथित तौर पर 8 परिवारों के 30 लोगों को गिरफ्तार किया था। आयोग ने पाया है कि समाचार रिपोर्ट की सामग्री यदि सच है तो यह पीड़ित परिवारों के मानवाधिकारों के उल्लंघन का गंभीर मुद्दा है। इसलिए आयोग ने तमिलनाडु में तेनकासी के जिला कलेक्टर को नोटिस जारी कर दो सप्ताह के भीतर विस्तृत रिपोर्ट मांगी है।

महाकुंभ में बड़ी घटना करने की तैयारी में था बब्बर खालसा का संदिग्ध आतंकी लाजर मसीह - डीजीपी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) प्रशांत कुमार ने बताया कि महाकुंभ में बब्बर खालसा का संदिग्ध आतंकी लाजर मसीह बड़ी घटना करने की तैयारी में था। गिरफ्तारी के बाद पूछताछ के दौरान लाजर ने बताया कि वह पाकिस्तान में बैठे तीन आईएसआई एजेंटों के सम्पर्क था। घटना करने के बाद संदिग्ध आतंकी लाजर की पुर्तगाल जाने की तैयारी थी। इसके कुछ साथी पुर्तगाल में रहते है। कौशाम्बी में गिरफ्तारी से पहले वह लखनऊ और कानपुर में छुपकर रहा था। पुलिस महानिदेशक ने पुलिस मुख्यालय में बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में अपराध और अपराधियों के प्रति जीरो टालरेंस पर कार्य हो रहा है। महाकुंभ के पहले देश विदेश में बैठे खास लोगों से गड़बड़ी की सूचना यूपी पुलिस को मिली थी। इसी क्रम में एक महत्वपूर्ण सफलता उत्तर प्रदेश एफटीएफ को बीती रात में मिली है। यह कार्यवाही यूपी एसटीएफ और पंजाब पुलिस के संयुक्त आपरेशन में की गयी। गाजियाबाद से फर्जी आधार कार्ड बनवाने वाले लाजर के बारें में पंजाब पुलिस की ओर से जानकारी मिली थी। प्रशांत कुमार ने बताया कि हीरोइन की तस्करी में आतंकी लाजर पंजाब की जेल में गया था। जेल में मारपीट में घायल होने के बाद आतंकी अस्पताल में भर्ती था। वहीं से यह 24 सितम्बर 2024 को फरार हो गया था। 23 अक्टूबर 2024 बब्बर खालसा के सम्पर्क में आने के बाद इसने एक हत्या की थी और इसके बाद से यह छुपकर रह रहा था।

छत्तीसगढ़ में नक्सल प्रभावित कोहकवाड़ा और तोड़मा गांव के 8 परिवारों को नक्सलियों ने गांव से किया बेदखल

दंतेवाड़ा। छत्तीसगढ़ के बीजापुर-नारायणपुर जिले की सरहद पर बसे नक्सल प्रभावित अंदरूनी क्षेत्र के कोहकवाड़ा और तोड़मा गांव के 8 परिवार के 17 से ज्यादा सदस्यों को नक्सलियों ने गांव से बेदखल कर दिया है। दंतेवाड़ा एएसपी आरके बर्मन ने इसकी पुष्टि की है। दो दिन पहले इन दोनों गांव में लगभग 40 से 50 की संख्या में हथियारबंद नक्सली पहुंचे थे। फिर जनअदालत लगाकर कोहकवाड़ा के 6 और तोड़मा के 2 परिवारों पर शक जताते हुए आरोप लगाया कि ये पुलिस के मुखबिर हैं। नक्सलियों ने उन्हें जान से मारने की धमकी देते हुए तत्काल गांव छोड़ देने की हिदायत दी। उन्होंने आरोप लगाया कि इन्हीं की वजह से थुलथुली मुठभेड़ में 38 नक्सलियों को सुरक्षाबलों ने मारा गया है। गांव से निकाले जाने के बाद सभी ग्रामीण अपना घर, खेती, पशु छोड़कर अपने परिचितों के पास रहने की व्यवस्था कर ली है। बताया जा रहा है कि ये सभी बेदखल 8 परिवार बस्तर और दंतेवाड़ा जिले के गांव में अपने रिश्तेदारों के घर चले गए हैं। परिवार के सदस्य काफी डरे हुए हैं।सुरक्षाबलों की लगातार जारी कार्रवाई में जहां एक ओर नक्सली संगठन के कमजोर पड़ने का दावा किया जा रहा है वहीं नक्सल प्रभावित अंदरूनी इलाके में नक्सलियों की दहशत अब भी बरकरार है। आठ परिवारों के बेदखल के बाद गांव के अन्य परिवारों में भी दहशत व्याप्त है।

वन-स्टॉप सेंटर में 10 दिनों तक ठहर सकेंगी घरेलू हिंसा पीड़िता , महिला एवं बाल विकास मंत्रालय का अहम फैसला

नई दिल्ली। केंद्र सरकार घरेलू हिंसा से पीड़िता के लिए वन-स्टॉप सेंटर (ओएससी) में ठहरने की अवधि को मौजूदा पांच दिनों से बढ़ाकर दस दिन करने की तैयारी कर रही है। विशेष मामलों में यह अवधि में बढ़ाकर 15 दिनों तक की जा सकेगी। केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री अन्नपूर्णा देवी ने अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस समारोह के लिए राष्ट्रीय राजधानी पहुंची झारखंड की महिला पंचायत नेताओं और सरपंचों के लिए बीती शाम डिनर की मेज़बानी करते हुए मीडिया को यह जानकारी दी। फिलहाल, हिंसा पीड़िता को पांच दिनों तक का अस्थायी आश्रय प्रदान किया जाता है, जिसमें सभी उम्र की महिलाएं शामिल हैं। प्रस्तावित विस्तार का उद्देश्य पीड़ित को उनके पुनर्वास के दौरान बेहतर सहायता प्रदान करना है।

राम भरोसे चल रही है हिमाचल की कांग्रेस सरकार : राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा

एजेंसी

शिमला। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं केंद्रीय मंत्री जगत प्रकाश नड्डा ने कांग्रेस सरकार पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि प्रदेश में कांग्रेस की सरकार राम भरोसे चल रही है। कांग्रेस केवल सत्ता में बने रहने के लिए कार्य कर रही है, जबकि जनहित से उसका कोई लेना-देना नहीं है। केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्री नड्डा बिलासपुर में आयोजित एक जनसभा को संबोधित कर रहे थे। नड्डा ने कांग्रेस की कार्यशैली पर सवाल उठाते हुए कहा कि यह पार्टी अब केवल भाई, बहन और माता तक सीमित रह गई है और इसके पास कोई ठोस नीति नहीं है। नड्डा ने राज्य की कांग्रेस सरकार पर केंद्र से मिले धन के दुरुपयोग करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि हमने मकान और सड़क निर्माण के लिए धनराशि भेजी थी, लेकिन कांग्रेस सरकार ने इस धन को वेतन और पेंशन देने में खर्च कर दिया। उन्होंने कटाक्ष करते हुए कहा कि यदि सत्ता गलत हाथों में चली जाती है तो ऐसा ही होता है।

आपदा के समय राज्य में क्यों नहीं आते कांग्रेस नेता

भाजपा अध्यक्ष ने प्रदेश में हाल ही में आई आपदा का जिक्र करते हुए कहा कि कांग्रेस के बड़े नेता जब चाहे हिमाचल प्रदेश में घूमने फिरने आ जाते हैं, लेकिन जब जनता को उनकी सबसे ज्यादा जरूरत थी, तब कोई नहीं आता। उन्होंने दावा किया कि संकट की घड़ी में भाजपा नेता अनुराग ठाकुर, जयराम ठाकुर और वे स्वयं तीन-तीन बार प्रदेश में आए और केंद्र से राहत राशि भी दिलाई।

कांग्रेस के नेता अनपढ़ के अनपढ़ :नड्डा ने कांग्रेस पर तंज कसते हुए कहा कि इस पार्टी के नेता अनपढ़ के अनपढ़ ही हैं। उन्होंने कहा कि मैं स्वास्थ्य मंत्री हूं, आंखें ठीक कर सकता हूं, लेकिन रोशनी नहीं दे सकता। अब कांग्रेस को कुछ दिखता ही नहीं है तो इसमें हमारी क्या गलती? उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार दिशाहीन हो चुकी है और प्रदेश की जनता को इस सरकार से कोई उम्मीद नहीं रखनी चाहिए।

मोदी सरकार की उपलब्धियां गिनाईं: नड्डा ने केंद्र सरकार की उपलब्धियां गिनाते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत ने राफेल जेट, बुलेटप्रूफ जैकेट, 70 हजार करोड़ का एक्सपोर्ट, मेड इन इंडिया और ऑटोमोबाइल सेक्टर में जापान को भी पीछे छोड़ दिया है। उन्होंने हिमाचल में एम्स, पीजीआई सैटेलाइट सेंटर, चार मेडिकल कॉलेज, मदर एंड चाइल्ड अस्पताल, कैंसर सेंटर और सुपर स्पेशलिटी ब्लॉक की उपलब्धियों का भी उल्लेख किया।

भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि जब भी प्रदेश में भाजपा सरकार आई, तब-तब विकास हुआ। उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि जब मैं हिमाचल में विधायक था, तब 95फीसदी गांवों को प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत पक्की सड़कें मिलीं। पहले एक विधायक को 50 सड़कों के लिए मात्र 40 लाख रुपये मिलते थे, लेकिन भाजपा सरकार में विकास कार्यों के लिए बजट बढ़ाया गया।

छत्तीसगढ़ में एक्सयूवी डिवाइडर तोड़कर ट्रक से टकराई, पांच की मौत

एजेंसी

रायपुर। छत्तीसगढ़ में राजधानी रायपुर से सटे मंदिर हसौद और आरंग के बीच नेशनल हाइवे पर मयूर स्कूल के पास दोपहर बाद तेज रफ्तार एक्सयूवी डिवाइडर तोड़कर सामने से आ रही ट्रक से टकरा गई। इस हादसे में एक्सयूवी में सवार पांच लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। बताया जा रहा है कि दुर्घटनाग्रस्त एक्सयूवी कार टायर फटने से अनियंत्रित हो गई थी, जिससे कार सवार में अंदर ही फंसे रह गए थे। मंदिर हसौद पुलिस ने बताया कि दुर्घटनाग्रस्त कार रायपुर की है। पुलिस ने क्रेन की सहायता से सभी शवों को निकालकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मृतकों में महिलाएं भी शामिल हैं। शवों की शिनाख्त की जा रही है। सभी मृतक उरला रायपुर के निवासी बताए गए हैं।

वित्त आयोग के अध्यक्ष एवं सदस्यों ने किया विश्व धरोहर भीमबेटका का भ्रमण

एजेंसी

भोपाल। सोलहवें केन्द्रीय वित्त आयोग के अध्यक्ष डॉ अरविंद पनगढ़िया और सदस्य एनी जॉर्ज मैथ्यू, डॉ सौम्य कांति घोष एवं डॉ मनोज पांडा ने मध्य प्रदेश के प्रवास के दौरान रायसेन जिले में स्थित यूनेस्को विश्व धरोहर भीमबेटका (भीम बैठका) का भ्रमण किया। उन्होंने प्रदेश के गौरवशाली इतिहास से परिचय प्राप्त किया और भारतीय संस्कृति की समृद्ध धरोहर को नजदीक से देखा।

वित्त आयोग के सदस्यों ने कहा कि भीम बैटका जैसे ऐतिहासिक स्थल भारत की सांस्कृतिक और आध्यात्मिक विरासत के अमूल्य प्रतीक हैं। इन स्थलों का संरक्षण भावी पीढ़ियों के लिए अत्यंत आवश्यक है। वित्त आयोग के अध्यक्ष एवं सदस्यों द्वारा भीमबेटका में शैलाश्रय तथा शैलचित्रों का अवलोकन किया गया। इस अवसर पर बताया गया कि पुरा पाषाण काल से मध्य ऐतिहासिक काल तक यह स्थान मानव गतिविधियों का केंद्र रहा है। यहाँ के शैल चित्र मुख्यतः सामूहिक नृत्य, रेखांकित मानवाकृति, शिकार, पशु-पक्षी, युद्ध और प्राचीन मानव जीवन के दैनिक क्रियाकलापों से जुड़े हैं। चित्रों में प्रयोग किये गए

खनिज रंगों में मुख्य रूप से गेरुआ, लाल और सफेद रंग का उपयोग किया गया है। आयोग के अध्यक्ष डॉ पनगढ़िया तथा सदस्यों को भीमबेटका में प्रस्तावित रॉक आर्ट इको पार्क म्यूजियम के बारे में बताया गया। आयोग के सदस्यों को गाइड रवि यादव द्वारा शैलाश्रयों तथा शैलचित्रों के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई।

इस अवसर पर भारतीय प्रशासनिक सेवा के वरिष्ठ अधिकारीगण, रायसेन कलेक्टर अरुण विश्वकर्मा, जिला पंचायत सीईओ अंजू पवन भदौरिया, पुरातत्व विभाग के अधिकारी भी उपस्थित रहे।

राहुल गांधी ने धारावी के चमार स्टूडियो का दौरा किया और कारीगरों से बातचीत की

एजेंसी

मुंबई। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी जी ने मुंबई के धारावी में स्थित चमार स्टूडियो का दौरा किया। इसके बाद राहुल गांधी ने डिजाइनर सुधीर राजभर और उनकी टीम के कारीगरों से बातचीत की।

बता दें चमार स्टूडियो अपने रचनात्मक दृष्टिकोण के लिए प्रसिद्ध है, जिसमें वह रीसाइकल टायरों का उपयोग करके हैंड बैग बनाते हैं। यह स्टूडियो उस दलित, चमड़े के कारीगर समुदाय की परंपरा को संरक्षित करता है, जिसके नाम पर इसका नाम रखा गया है। पारंपरिक हस्तकला को आधुनिक व्यापार से जोड़कर, यह स्टूडियो न केवल इस समृद्ध परंपरा को सम्मानित करता है, बल्कि धारावी के कुशल कारीगरों को आर्थिक सशक्तिकरण भी प्रदान करता है । राहुल गांधी जी ने समावेशी उत्पादन नेटवर्क के महत्व पर जोर दिया, जो वंचित उद्यमियों, विशेष रूप से दलितों और अन्य कम प्रतिनिधित्व वाले समुदायों को समान अवसर सुनिश्चित करता है, जिन्हें बाज़ार तक पहुंच और समर्थन कठिनाई से मिलता है। उन्होंने यह भी कहा कि चमार स्टूडियो उनके समृद्धि और हिस्सेदारी के विजन् का एक

उदाहरण है- एक ऐसा मॉडल जिसमें कारीगरों को आवश्यक उपकरण, नेटवर्क और संस्थागत समर्थन प्राप्त होता है, जिससे वो अपने काम को वैश्विक स्तर पर ले जा सकते हैं। इस विजन की दिशा में एक और कदम बढ़ाते हुए, उनके साथ उत्तर प्रदेश के कुशल मोची रामचेत मोची जी भी थे। उनसे उनकी पहली मुलाकात पिछले साल हुई थी, जिसके बाद से वे उन्हें लगातार मार्गदर्शन दे रहे हैं। इस दौरे में रामचेत की भागीदारी ने कारीगरों के बीच ज्ञान साझा करने की सोच को बढ़ावा दिया और यह दिखाया कि पारंपरिक कारीगरों को अपनी पहुंच बढ़ाने और आर्थिक स्वतंत्रता प्राप्त करने के लिए सहयोग का एक नेटवर्क बनाना कितना ज़रूरी है। राहुल गांधी के इस दौरे ने उनके इस निरंतर संकल्प को दोहराया कि वे भारत के कारीगरों के लिए स्थायी आजीविका को बढ़ावा देने, भारत के रचनात्मक उद्योगों को मजबूत करने और समाज के सभी वर्गों के लिए समान आर्थिक विकास सुनिश्चित करने की दिशा में काम करते रहेंगे।

आईटीआई के विद्यार्थियों की हो करियर काउंसिलिंग, विदेशी भाषाओं में बनाया जाए पारंगत: सीएम

एजेंसी

गोरखपुर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जंगल कौड़िया स्थित स्व. रामपति यादव राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान (आईटीआई) का निरीक्षण कर विद्यार्थियों के साथ संवाद किया। इस दौरान उन्होंने जोर दिया कि आईटीआई में विद्यार्थियों को कैंपस प्लेसमेंट, करियर काउंसिलिंग और वर्क एक्सपोजर का लाभ मिलना चाहिए। उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि प्रदेश में आईटीआई में विदेशी भाषाओं से संबंधित कोर्सेस का संचालन भी किया जाए, जिससे विदेशों में नौकरी के लिए जाने वाले छात्रों को किसी प्रकार की भाषाई असुविधा का सामना न करना पड़े। उन्हें अलग से ट्रेनिंग करने के बजाए स्थानीय दक्ष वर्क फोर्स जैसी तरजीह मिले। सीएम योगी ने इस बात पर भी जोर दिया कि ट्रेनिंग पूरी करने के बाद विद्यार्थियों की आय का मार्ग प्रशस्त हो, इसके लिए भविष्य की

जरूरतों पर आधारित कोर्सेस का संचालन किया जाए। इसके साथ ही, सीएम योगी ने विद्यार्थियों से संवाद करते हुए उन्हें सफलता के मूलमंत्र भी सिखाए। आईटीआई में विद्यार्थियों के साथ संवाद करते हुए सीएम योगी ने विद्यार्थियों को सफलता के मूलमंत्र सिखाए। उन्होंने विद्यार्थियों से कहा कि छोटी-छोटी बातों पर ध्यान दें क्योंकि डिटेलिंग से ही बड़ी से बड़ी समस्या का समाधान किया जा सकता है। स्वयं के प्रति जवाबदेही सुनिश्चित करने की सीख देते हुए सीएम योगी ने विद्यार्थियों को आत्मअनुशासन के पालन करने का पाठ भी पढ़ाया। उन्होंने ट्रेनिंग के दौरान सभी जरूरी प्रक्रियाओं का पालन करने तथा भविष्य की योजनाओं को लेकर कार्य करने का सही फ्रेमवर्क निर्धारित करने का मूलमंत्र भी दिया।

सीएम योगी ने सिउरिया में निर्माणाधीन पंप हाउस का निरीक्षण किया। इस दौरान परियोजना को लेकर जारी निर्माण कार्य की प्रगति जानने के लिए उन्होंने डिटेल्ड प्रोजेक्ट रिपोर्ट (डीपीआर) का आध्ययन किया। पंप हाउस के निर्माण निर्धारित समयसीमा के अंदर हो, इस बात को सुनिश्चित करने के लिए उन्होंने अधिकारियों व इंजीनियर्स को निर्देश भी दिए। इस दौरान सांसद रवि किशन, विधायक महेंद्र पाल सिंह, ब्लॉक प्रमुख बृजेश यादव समेत प्रशासनिक अधिकारी भी मौजूद रहे।

हमें लोक कल्याण की भावना को लेकर कार्य करना चाहिए : मोहन भागवत

एजेंसी

पटना/सुपौल। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत ने बिहार के सुपौल जिले के वीरपुर में सरस्वती विद्या मंदिर के नवनिर्मित भवन का लोकार्पण किया। इस मौके पर उन्होंने कहा कि हमें लोक कल्याण की भावना को लेकर कार्य करना चाहिए। कार्य की सफलता के लिए पुरुषार्थ करना होगा। डॉ. भागवत ने कहा कि किसी भी कार्य की सफलता के लिए विविध प्रयास करने पड़ते हैं। भाग्य को अनुकूल बनाने के लिए हमें योग्य कर्ता बनाना होगा। विद्या भारती समाज की सहायता से देशभर में 21 हजार विद्यालय संचालित कर रही है। उन्होंने कहा कि मैं सबका पेट भर सकूं इस भावना से विद्या भारती के विद्यालयों में छात्र तैयार किए जाते हैं। उन्होंने कहा कि हमारे देश में शिक्षा को पैसे से गिनने की परंपरा नहीं है। मनुष्य सृष्टि का सबसे बुद्धिमान प्राणी है इसलिए शिक्षा पाने का अधिकार सबको है। शिक्षा मनुष्य को मनुष्य बनाता है। मनुष्य ने काफी प्रगति कर लिया है, मनुष्य सुखी रहे पर्यावरण की हानि ना हो ऐसा कार्य होना चाहिए। उन्होंने कहा कि हमें ऐसी खेती की आवश्यकता है जिससे मिट्टी की उर्वरा शक्ति बनी रहे। इस अवसर पर संघ उत्तर पूर्व क्षेत्र के क्षेत्र कार्यवाह डॉ. मोहन सिंह, लोकशिक्षा समिति बिहार के प्रदेश मंत्री डॉ सुबोध कुमार, विद्यालय प्रबंधकारिणी समिति के सचिव डॉ. ललन प्रसाद सिंह, भारती उत्तर पूर्व क्षेत्र के क्षेत्रीय संगठन मंत्री ख्यालीराम, संघ के क्षेत्र प्रचारक रामनवमी जी क्षेत्र सह कार्यवाह दिनेश प्रसाद, क्षेत्र शारीरिक शिक्षण प्रमुख मनोज कुमार, उत्तर बिहार के प्रांत प्रचारक रवि शंकर, प्रांत कार्यवाह अभय गर्ग समेत कई प्रमुख पदाधिकारी मौजूद रहे।

बड़े राज्यों के विकास के बिना नहीं हो सकता देश का विकास: डॉ पनगढ़िया

एजेंसी

भोपाल। सोलहवें केन्द्रीय वित्त आयोग ने मध्य प्रदेश विकास के विभिन्न क्षेत्रों में हुई प्रगति की सराहना करते हुए कहा कि मध्य प्रदेश भविष्य में प्रगति के प्रति जागरूक भी है। आयोग के अध्यक्ष डॉ. अरविन्द पनगढ़िया ने कहा कि बड़े राज्यों के विकास के बिना देश का विकास नहीं हो सकता। उन्होने कहा कि कृषि के क्षेत्र में उपलब्धियों के साथ औद्योगिक प्रगति भी जरूरी है। सिर्फ कृषि के आधार पर किसी देश के विकसित बनने का उदाहरण नहीं है। उन्होने कहा कि प्रदेश को नीतियों में सुधार लाना चाहिए। अपनी ऊर्जा का पूरा उपयोग जरूरी है। मध्य प्रदेश आगे बढ़कर कुछ क्षेत्रों में पहल कर कानूनों में सुधार करे तो केन्द्र भी सहयोग देगा।

भोपाल में 16वें केन्द्रीय वित्त आयोग के अध्यक्ष और सदस्यों के साथ महत्वपूर्ण बैठक हुई। बैठक में

आयोग के अध्यक्ष डॉ. पनगढ़िया ने कहा कि विकास होगा तो शहरीकरण भी होगा। यह जरूरी है लेकिन इसके लिए कदम उठाये जा सकते हैं। रोजगार निर्माण की प्रक्रिया भी साथ-साथ चलना चाहिए। उन्होने कहा कि आयोग पर विकसित भारत के लिए रोडमैप बनाने की चुनौती है। वित्त आयोग सभी राज्यों के साथ संवाद कर रहा है। संवाद सत्रों के बाद आयोग के सभी विशेषज्ञ सदस्यों के साथ परामर्श कर राज्यों को वित्तीय संसाधनों के आवंटन पर निर्णय लिया जा सकेगा।

प्रदेश अन्य प्रदेशों के लिये बन सकता है उदाहरण

आयोग के सदस्य डॉ. मनोज पांडा ने मध्य प्रदेश में विकास के कार्यक्रमों और नवाचारी पहल की तारीफ करते हुए कहा कि मध्य प्रदेश का भविष्य सुरक्षित हाथों में है। आयोग के सदस्य एएन झा ने कहा कि बीते वर्षों में मध्य प्रदेश सबसे ज्यादा आर्थिक वृद्धि करने वाला राज्य है। मुख्यमंत्री की विकास संबंधी सोच अच्छी है। कई क्षेत्रों में अन्य प्रदेशों के लिए उदाहरण बन सकता है। सदस्य डॉ. एनी जार्ज मैथ्यू ने प्रदेश की ओर से विभिन्न सेक्टर पर हुए प्रेजेंटेशनों की तारीफ करते हुए कहा कि कहा कि आपदा प्रबंधन और जलवायु परिवर्तन जैसे क्षेत्रों पर ध्यान देना होगा। डॉ. सौम्या कांति घोष ने कहा कि मध्य प्रदेश ने स्वयं को वित्तीय प्रबंधन में आदर्श राज्य बनाया है। यह निरंतर राजस्व आधिक्य वाला राज्य बना है। मध्य प्रदेश के पन्द्रहवें वित्त आयोग के भी सभी लक्ष्यों को हासिल कर लिया है। उन्होने कहा कि देश के लिए मध्य प्रदेश का जल, जंगल और जमीन जैसे संसाधनों की रक्षा करना जरूरी है। बैठक में उप मुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा ने 16 वें वित्त आयोग के अध्यक्ष, सदस्यों तथा अधिकारियों स्वागत करते हुए कहा कि मध्य प्रदेश अपने वित्तीय संसाधनों का पूरी क्षमता और कुशलता से संचालन कर रहा है। कोविड-19 महामारी के बावजूद हमने अपनी अर्थव्यवस्था को संतुलित बनाए रखा।

बिहार के रोहतास में आर्केस्ट्रा समूहों पर छापे, 42 बच्चियों सहित 45 बच्चों को मुक्त कराया

एजेंसी

पटना। बाल मजदूरी, बच्चों की ट्रैफिकिंग और बाल यौन शोषण के खिलाफ बिहार पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की। बाल अधिकार संगठन एसोसिएशन फॉर वालंटरी एक्शन (एवीए) की सूचना पर बिहार के रोहतास जिले की पुलिस ने आर्केस्ट्रा पार्टियों पर छापे मारे। इस दौरान 42 लड़कियों और तीन लड़कों सहित 45 बच्चों को मुक्त कराया। इनमें से ज्यादातर लड़कियां छत्तीसगढ़ की हैं। मुक्त कराए गए सभी बच्चों को बाल कल्याण समिति के समक्ष पेश किया गया, जहां आगे की कार्रवाई जारी है। इन बच्चियों को मुक्त कराने के लिए 'आपरेशन नटराज' के तहत जिले के पुलिस अधीक्षक रौशन कुमार की अगुआई में नौ थानों की पुलिस, एंटी ह्यूमन ट्रैफिकिंग यूनिट (एएचटीयू) सहित पूरे जिले का पुलिस अमला शामिल था। इस दौरान पांच आरोपियों को गिरफ्तार कर उनसे

> एवीए के वरिष्ठ निदेशक मनीष शर्मा ने बताया कि अलग-अलग राज्यों से गरीब व मजबूर परिवारों को लड़कियों को आर्केस्ट्रा में काम करने के लिए लाया जाता है।

पूछताछ जारी है। एसोसिएशन फॉर वालंटरी एक्शन की टीम को पता चला था कि जिले में आर्केस्ट्रा समूहों में कार्य करने करने के लिए दूसरे राज्यों और खास तौर से छत्तीसगढ़ से जनजातीय समुदाय की लड़कियों को यहां लाया जा रहा है। उनसे आर्केस्ट्रा में काम करने के नाम पर वेश्यावृत्ति भी कराई जाती है। इस बाबत सभी जानकारियां बिहार के पुलिस मुख्यालय में अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (सीआईडी) डॉ. अमित कुमार जैन से साझा की।

डॉ. जैन के आदेश पर पुलिस ने आर्केस्ट्रा ग्रुपों में यौन शोषण व उत्पीड़न की पीड़ित बच्चियों को मुक्त कराने के लिए 'आपरेशन नटराज' शुरू किया। आर्केस्ट्रा पार्टियों के सात से आठ ठिकानों पर छापे मारे गए और इन बच्चियों को मुक्त कराया गया। तड़के चार बजे से दस बजे तक छह घंटे चली इस छापामार कार्रवाई में पुलिस की 19 गाड़ियां शामिल रहीं।

राष्ट्रपति आशियाना परिसर में बनेगा विश्व स्तरीय पार्क

एजेंसी

देहरादून। राष्ट्रपति आशियाना परिसर में विश्व स्तरीय सार्वजनिक पार्क बनेगा। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु 20 जून को राजपुर रोड स्थित ऐतिहासिक राष्ट्रपति आशियाना परिसर की अत्याधुनिक सार्वजनिक पार्क की आधारशिला रखेंगी। यह पार्क 32 एकड़ भूमि में बनेगा। इसी दिन राष्ट्रपति आशियाना आमजन के लिए खोला जाएगा।

राजपुर रोड स्थित राष्ट्रपति आशियाना में राष्ट्रपति के अपर सचिव राकेश गुप्ता की अध्यक्षता में उत्तराखंड सरकार के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ हुई उच्च स्तरीय बैठक में यह जानकारी साझा की गई। इस पार्क की डी.पी.आर. तैयार की जा रही है। पार्क का पूर्ण विकास होने के बाद राष्ट्रपति की ओर से 2026 में यह पार्क उत्तराखंड की जनता को समर्पित किया जाएगा। डॉ. राकेश गुप्ता ने बताया कि उत्तराखंड की जनता के लिए खोला जाने वाला यह पार्क एक ऐतिहासिक परियोजना के रूप में काम करेगा जिसमें विश्व स्तरीय सुविधाएं, नवीन डिज़ाइन, टिकाऊ विशेषताएं होंगी और यह हरियाली, स्वास्थ्य और सांस्कृतिक कार्यक्रमों के लिए एक केंद्र के रूप में काम करेगा। यह पहल उत्तराखंड के लोगों के साथ नागरिकों के जुड़ाव को बढ़ाने के राष्ट्रपति के दृष्टिकोण के अनुरूप है। उन्होंने कहा कि ये पहल भागीदारीपूर्ण शासन और समुदाय-संचालित विकास के प्रति राष्ट्रपति की प्रतिबद्धता को दर्शाती हैं। राष्ट्रपति के अपर सचिव डॉ.राकेश गुप्ता ने सभी संबंधित विभागीय अधिकारियों से अपेक्षा की कि पार्क की अवस्थापना सुविधाओं के विकास के साथ सड़क, बिजली, पानी, यातायात, पार्किंग, संचार, सुरक्षा, शान्ति व्यवस्था आदि से संबंधित व्यवस्थायें समय पर पूर्ण कर ली जाए। बैठक में सभी अधिकारियों से पार्क के विकास और इसे और अधिक जनोपयोगी बनाये जाने के लिये अपने सुझाव भी देने को कहा। उन्होंने अधिकारियों की ओर से दिये गये सुझावों को तैयार की जाने वाली डी.पी.आर. में सम्मिलित करने के लिए निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिये।

वहम का इलाज हकीम लुकमान के पास भी नहीं: गजेंद्र सिंह शेखावत

एजेंसी

जोधपुर। केंद्रीय संस्कृति और पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन के दक्षिण भारत में परिसीमन के बाद सीटें कम होने वाले बयान पर पलटवार किया। केन्द्रीय मंत्री ने कहा कि वहम का इलाज हकीम लुकमान के पास भी नहीं है। उनका उनका सारा विषय वहम पर आधारित है।

केन्द्रीय मंत्री शेखावत यहां जोधपुर एयरपोर्ट पर पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। केन्द्रीय मंत्री शेखावत यहां केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान के बेटे की शादी में शामिल होने पहुंचे थे। शेखावत कहा कि तमिलनाडु के मुख्यमंत्री के बयान पर कहा कि कुछ लोग वहम के कारण ऐसा करते हैं। कुछ लोग इस तरह के बयान से पॉलिटिकल लाभ पाने की कोशिश करते हैं। अब देखने का विषय है कि स्टालिन कौन से ब्रैकेट में खड़े हैं।

दरअसल, तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन के नेतृत्व में बुधवार को जनगणना आधारित परिसीमन और ट्रायल लैंग्वेज वार पर सर्वदलीय बैठक हुई थी। इस बैठक में स्टालिन ने संसद में सीटें बढ़ाने के लिए वर्ष 1971 की जनगणना को आधार बनाने की वकालत की थी।सपा नेता अब्बू आजमी ने महाराष्ट्र विधानसभा में गलत इतिहास दिखाने का आरोप लगाते कहा था कि औरंगजेब ने कई मंदिर बनवाए हैं, वे उसे क्रूर शासक नहीं मानते। अबू आजमी के इस बयान पर शेखावत ने कहा कि उनके बयान का उचित जवाब उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सदन में दे दिया है। केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान के बेटे की शादी को लेकर उन्होंने कहा कि इस तरह की शादियों से शहर और अर्थव्यवस्था को बहुत बड़ा लाभ होता है। निश्चित रूप से इस तरह की बड़ी शादियों से राजस्थान की अर्थव्यवस्था बढ़ेगी।

मंदिरों के प्रोजेक्ट होंगे स्वीकृत

केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने बीकानेर जिले के प्रसिद्ध करणी माता मंदिर में प्रसाद योजना के तहत 22.57 करोड रुपये की लागत से करवाए जाने वाले विकास कार्यों को लेकर विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बताया कि पर्यटन क्षेत्रों के विकास और भारत में धार्मिक पर्यटन के महत्व को समझते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने प्रसाद योजना को लागू किया है। करणी माता मंदिर उनके ही नहीं देशवासियों के लिए आस्था का विषय है। वहां दर्शन के लिए आने वाले श्रद्धालुओं के अनुभव में सुधार किया जाए, उनके लिए आधुनिक सुविधाओं का विकास किया जा सके। इसके लिए राजस्थान सरकार ने प्रोजेक्ट प्रस्तावित किया था। इसको लेकर प्रदेश के मुख्यमंत्री और उप मुख्यमंत्री ने इसको लेकर मंत्रालय से आग्रह किया था। उनके आग्रह पर स्वीकृति प्रदान की गई। जिससे करणी माता मंदिर में विकास कार्य करवाए जाएंगे। राजस्थान सरकार और भी मंदिरों को लेकर प्रस्ताव भेजेगी तो आने वाले वर्षों में और प्रोजेक्ट भी स्वीकृत किए जाएंगे।

नाश्ते में रवा उपमा खाने से मिलेंगे ये लाभ

नाश्ते में अगर कुछ अच्छा (स्वादिष्ट और हेल्दी) खाने को मिल जाए तो पूरा दिन मूड अच्छा रहता है और आप अपनी प्रॉडक्टिविटी में भी अच्छा परिणाम देखते हैं। बस, जरूर इस बात की है कि हम सभी अपने काम और अपने शरीर की जरूरतों को समझें लेकिन हममें से ज्यादातर लोग बस यहीं मात खा जाते हैं। आइए, जानते हैं दिन की बेहतर शुरुआत करने में रवा उपमा किस तरह हमारी सहायता कर सकता है.

रवा खाने के फायदे

- दक्षिणी भारत में सूजी को रवा कहा जाता है। उत्तर भारत और हिंदी भाषी राज्यों में सूजी का हलवा जिस तरह आय दिन घरों में बनता है और सभी बहुत चाव से खाते हैं। ठीक इसी तरह सूजी से तैयार उपमा यानी रवा उपमा दक्षिण भारत में बहुत अधिक लोकप्रिय भोजन है।
- रवा यानी सूजी गेहूं से तैयार होती है। यह फाइबर से भरपूर होती है इसलिए इसे पचाना हमारे पाचनतंत्र के लिए आसान होता है।
- फाइबर धीमी गति से डायजेस्ट होता है इसलिए यह लंबे समय तक हमारे शरीर को ऊर्जा देने का काम करता है।
- यानी रवा से बना उपमा खाने के बाद जल्दी से भूख नहीं लगती, नींद नहीं आती और आप लंबे समय स्वयं को तक ऊर्जावान महसूस करते हैं।
- रवा उपमा तैयार करते समय इसमें मौसमी सब्जियां मिलाई जाती हैं। यानी इसे खाने से आपको संपूर्ण पोषण प्राप्त होता है। सब्जियों से विटमिन्स और मिनरल्स साथ ही रवा से दिनभर के लिए ऊर्जा।
- रवा उपमा बनाने में मूंगफली और ड्राई फ्रूट्स का उपयोग किया जाता है। इन्हें खाने से आपको सभी जरूरी अमीनो एसिड्स, ओमेगा-3 फैटी एसिड, फॉलिक एसिड और विटमिन्स तथा मिनरल्स की प्राप्ति होती है।
- रवा उपमा फैट यानी वसा और हानिकारक कॉलेस्ट्रोल से पूरी तरह फ्री होता है। इसलिए यह आपके हार्ट की सेहत के लिए भी एक शानदार नाश्ता है। जो हृदय की पंपिंग को सही बनाए रखने और अपने पौषक तत्वों से रक्त का प्रवाह बनाए रखने का काम करता है।
- रवा उपमा खाने में बहुत अधिक स्वादिष्ट और साथ ही सेहत के गुणों से भरपूर होता है। इसलिए साउथ इंडिया से निकलकर इस फूड ने देश के हर हिस्से और घर में अपनी जगह बना ली है।
- आज के समय में पोहा (मुख्य रूप से मध्य भारतीय आहार) दही चूड़ा (मुख्य रूप से बिहार का भोजन) और रवा उपमा तथा इडली (दक्षिण भारतीय भोजन) अपने-अपने राज्यों की सीमाए पार कर नैशनल फूड बन चुके हैं।
- इसकी खास वजह है कि इन फूड्स को तैयार करने में कम समय लगता है। ये पौषक तत्वों से भरपूर होते हैं और कम ऑइली होने के कारण फिटनेस को किसी तरह का नुकसान नहीं पहुंचाते हैं। इसके साथ ही पाचन के लिहाज से बहुत अच्छे होते हैं तो इन्हें खाने के बाद आलस भी नहीं आता है।

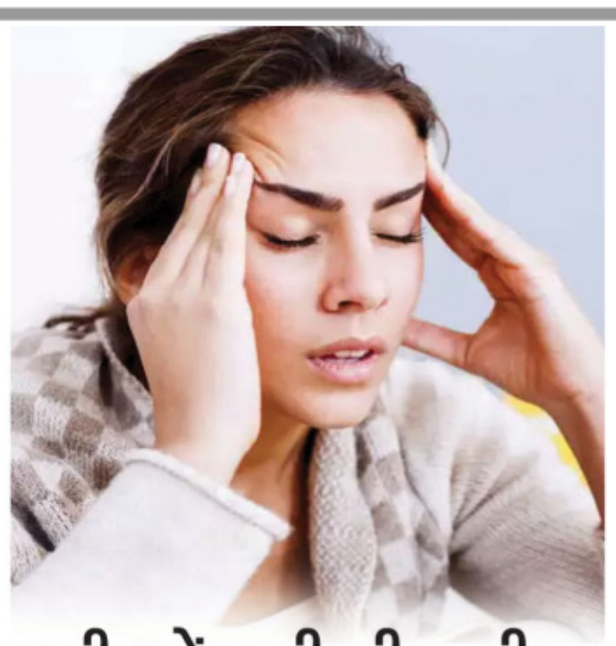

शरीर में पानी की कमी को हल्के में ना लें

शरीर में पानी की कमी को हल्के में ना लें। ये आपको कई गंभीर बीमारियों की तरफ धकेल सकती है. चिकित्सा विज्ञान के अनुसार, हमारे शरीर का 30 प्रतिशत हिस्सा तरल है और बाकी 70 प्रतिशत में अस्थि और मज्जा शामिल है। यही वजह है कि जल को जीवन की संज्ञा दी गई है। क्योंकि मनुष्य बिना भोजन के कुछ समय रह सकता है लेकिन बिना पानी के रहना असंभव होता है। यानी जल के बिना जीवन की कल्पना नहीं की जा सकती है। पानी तो हम सभी लोग पीते हैं लेकिन ज्यादातर लोग शरीर की जरूरत के अनुसार उचित मात्रा में पानी नहीं पीते हैं। यही कारण है कि हमारे समाज में बड़े स्तर पर सूखे की बीमारी से पीड़ित पेशंट देखे जा सकते हैं। खासतौर पर गर्मी के मौसम में डिहाइड्रेशन के मरीजों की मानो बाढ़ आ जाती है।

हल्के में ना लें यह समस्या

- आमतौर पर शरीर में पानी की कमी होने को हम सभी बहुत हल्के में लेते हैं। यह एक बड़ी वजह है कि डिहाइड्रेशन के कारण बड़ी संख्या में रोगियों की मृत्यु हो जाती है। आइए, यहां जानते हैं शरीर के उन सामान्य लक्षणों के बारे में जो आपके शरीर में पानी की कमी को दर्शाते हैं। ताकि इन लक्षणों के आधार पर आप तुरंत इस समस्या से निजात पा सकें.

पानी की कमी के सामान्य लक्षण

- जब शरीर में पानी की कमी होती है तो आपके होंठ बहुत सूखे-सूखे हो जाते हैं और उनकी बाहरी त्वचा फटने लगती है। कई बार होठों से खून भी आने लगता है।
- पानी की कमी के कारण गला लगातार सूखा बना रहता है और बार-बार प्यास लगने पर पानी पीने के बाद भी प्यास नहीं मिटती है।
- शरीर में पानी की कमी के कारण सीने पर हल्की जलन, पेट में एसिडिटी या असहजता हो सकती है। साथ ही मुंह से सांसों के साथ लगातार दुर्गंध आती है। ब्रश करने के बाद भी आप सांसों की दुर्गंध फील कर पाते हैं।

यूरिन, स्किन और मसल्स पर असर

- जब शरीर में पानी की कमी होती है तो पेशाब गाढ़े पीले रंग का आता है। इसके साथ मात्रा में सामान्य से कम होता है और पेशाब के बाद प्राइवेट पार्ट में जलन या खुजली की समस्या हो सकती है।
- डिहाइड्रेशन से जूझ रहे लोगों के शरीर की त्वचा भी बहुत रूखी और बेजान नजर आती है। जो लोग लंबे समय से पानी की कमी से जूझ रहे होते हैं, उनकी त्वचा पर कम उम्र में ही झुर्रियां नजर आने लगती हैं।
- पानी की कमी से मांसपेशियों में दर्द, ऐंठन और जकड़न की समस्या हो सकती है। इसके साथ ही सिर में लगातार दर्द बना रहता है। इस कारण रोगी का चेहरा मुर्झाया हुआ और तेजहीन लगता है।
- जो लोग शरीर की जरूरत के अनुसार पानी नहीं पीते हैं, उनकी आंखों के नीचे काले घेरे साफ देखे जा सकते हैं। इन लोगों की आंखें अंदर धसने लगती हैं और इन्हें हर समय कमजोरी का अहसास बना रह सकता है।

सेहत समस्याओं से निजात पाने के लिए पुदीने के घरेलू नुस्खे

गर्मियों का मौसम आते ही भूख कम लगने लगती है, पेट व त्वचा की गर्मी बढ़ जाती है। ऐसे मौसम में ऐसी चीजें खाने की जरूरत होती है जो आपको ठंडक दे और पुदीना इस मौसम के लिए एक बेहतरीन विकल्प है। गर्मियों में पुदीना या मिंट के अलग-अलग इस्तेमाल से कई सेहत लाभ पाए जा सकते हैं। आइए, जानते हैं पुदीना के ये 8 बेहतरीन घरेलू नुस्खे

- पेट की गर्मी को कम करने के लिए पुदीने का प्रयोग बेहद फायदेमंद है। इसके अलावा यह पेट से संबंधित अन्य समस्याओं से भी जल्द निजात दिलाने में लाभकारी है। इसका कोई साइड इफेक्ट भी नहीं है।
- दिनभर बाहर रहने वाले लोगों को पैर के तलवों में जलन की शिकायत रहती है, ऐसे में उन्हें फ्रिज में रखे हुए पुदीने को पीसकर तलवों पर लगाना चाहिए ताकि तुरंत राहत मिल सके। इससे पैरों की गर्मी भी कम होगी।
- सूखा या गीला पुदीना छाछ, दही, कच्चे आम के पने के साथ मिलाकर पीने पर पेट में होने वाली जलन दूर होगी और ठंडक मिलेगी। गर्मी हवाओं और लू से भी बचाव होगा।
- अगर आपको अक्सर टॉन्सिल्स की शिकायत रहती है और इसमें होने वाली सूजन से भी आप परेशान हैं तो पुदीने के रस में सादा पानी मिलाकर इस पानी से गरारे करना आपके लिए फायदेमंद होगा।
- गर्मी में पुदीने की चटनी का रोजाना सेवन सेहत से जुड़े कई फायदे देता है। पुदीना, काली मिर्च, हींग, सेंधा नमक, मुनक्का, जीरा, छुहारा सबको मिलाकर चटनी पीस लें। यह चटनी पेट के कई रोगों से बचाव करती है व खाने में भी स्वादिष्ट होती है। भूख न लगने या खाने से अरुचि होने पर भी यह चटनी भूख को खोलती है।
- पुदीने व अदरक का रस थोड़े से शहद में मिलाकर चाटने से खांसी ठीक हो जाती है। वहीं अगर आप लगातार हिचकी आने से परेशान हैं तो पुदीने में चीनी मिलाकर धीरे-धीरे चबाएं। कुछ ही देर में आप हिचकी से निजात पा लेंगे।
- पुदीने की पत्तियों का लेप करने से कई प्रकार के चर्म रोगों को खत्म किया जा सकता है। घाव भरने के लिए भी यह उत्तम है। इसके अलावा गर्मी में इसका लेप चेहरे पर लगाने से त्वचा की गर्मी समाप्त होगी और आप ताजगी का अनुभव करेंगे।
- पुदीने का नियमित रूप से सेवन आपको पीलिया जैसे रोगों से बचाने में सक्षम है। वहीं मूत्र संबंधी रोगों के लिए भी पुदीने का प्रयोग बेहद लाभदायक है। पुदीने के पत्तियों को पीसकर पानी और नींबू के रस के साथ पीने से शरीर की आंतरिक सफाई होगी।

हल्की-हल्की भूख में लें इन तीन सूप का मजा

नाश्ते के बाद और लंच से पहले वाली भूख को हैंडल करने के लिए ज्यादातर लोग चाय, कॉफी या फास्ट फूड और डिब्बाबंद फूड्स का सेवन करते हैं। लेकिन हम यहां आपको चंद मिनट में तैयार होनेवाले उन 3 खास सूप के बारे में बताने जा रहे हैं, जो आपको 'अपनी तो लाइफ सेट है!' जैसा फील देंगे.

वेजिटेबल सूप

- मौसमी सब्जियों के साथ आप मिक्स वेज सूप तैयार कर सकते हैं। इसके लिए आप किसी एक सब्जी को उबालकर उसका सूप बनाएं और शिमला मिर्च, बीन्स, मशरूम, हरी प्याज और आलू को महीन टुकड़ों में काटकर इन्हें अलग उबाल लें।
- पहले से तैयार सूप में इन सब्जियों को मिलाएं और अपने स्वाद के हिसाब से काला नमक, जीरा पाउडर आदि मिलाएं। ध्यान रखें सूप को गाढ़ा करने के लिए कॉर्नफ्लोर मिलाया जाता है। आप इसका उपयोग कर सकते हैं लेकिन अधिक मात्रा में इसे मिलाने से बचें। नहीं तो यह आपके वजन को बढ़ाने की वजह बन सकता है।

चुकंदर का सूप

- चुकंदर का सूप बनाने के लिए आप टमाटर, आलू, प्याज, लहसुन, काली मिर्च का पाउडर और नींबू का रस जैसी चीजों का उपयोग करते हैं। ये सभी बहुत पौष्टिक और सेहत को फिट रखनेवाली चीजें हैं।
- चुकंदर का सूप तैयार करने के लिए एक कुकर में बारीक कटे प्याज और लहसुन भून लें। इसके बाद कटे हुए चुकंदर, आलू और टमाटर डालकर भूनें। इन्हें दो मिनट पकाने के बाद कुकर को बंद कर दें और इसमें धीमी आंच पर 4 सीटी आने दें।
- तैयार मिश्रण को मिक्सी में डालकर पीसें और गाढ़ा लिक्विड तैयार करें। इसे छान लें और काली मिर्च पाउडर तथा नींबू का रस मिलाकर सूप तैयार करें और इसे हरी धनिया पत्तियों के साथ गार्निश करके सूप का लुत्फ उठाएं।

मूंग दाल का शोरबा

- मूंग दाल का शोरबा मात्र 10 मिनट में तैयार हो जाता है। इसके लिए आप बिना छिलके की मूंग दाल को धुलकर कुकर में 3 से 4 सीटी लगा लें। इसे तैयार करते समय आपको पानी की मात्रा सामान्य दाल बनाने से दोगुना रखें और गैस की धीमी आंच पर रखकर ही पकाएं।
- अब इसमें हरी धनिया पत्ती, बारीक कटी हरी मिर्च, बारीक कटा कच्चा प्याज मिलाकर तड़का लगा दें। मसलों के नाम पर इसमें सिर्फ हल्दी पाउडर का उपयोग करें, हल्का काला नमक मिलाएं और काली मिर्च पाउडर मिक्स करके गर्मागर्म शोरबा का लुत्फ उठाएं।

वजन घटाने के लिए लोग न जानें कितनी प्रकार की डायट फॉलो करते हैं। लेकिन अपने आपको भूखा रखकर लंबे समय तक बिना सोचे-समझे किसी भी प्रकार की डायट का पालन करना मुश्किल हो जाता है। वजन घटाना कोई आसान काम नहीं है। शरीर की एक्सट्रा चर्बी को निकालने के लिए नियमित व्यायाम के साथ कैलोरीज भी बर्न करनी पड़ती हैं। इसके लिए आयुर्वेद के पास ऐसे कई तरीके हैं, जिससे शरीर की गंदगी बाहर निकलेगी और आपको वजन कम करने में आसानी होगी। ये तरीके बेहद आसान हैं, लेकिन आपको इन्हें अपनी लाइफस्टाइल का हिस्सा बनाना होगा। आइए जानते हैं क्या हैं वो तरीके जिसे मोटापा घटाने के लिए आयुर्वेद में अहम माना गया है.

खाली पेट इन चीजों का सेवन करने से घटता है मोटापा

गर्म पानी के साथ घी और नींबू

200 मिलीलीटर पानी के साथ थोड़ा सा नींबू या घी का सेवन करने से पेरिस्टलसिस में सुधार होता है, जो कि वेस्ट और खाने की गति को नीचे की ओर ढकेलता है। यदि आपका शरीर वात या पित्त प्रकार का है, तो आप इससे आपका पाचन तंत्र चिकना होगा जिससे कब्ज की समस्या दूर होगी।

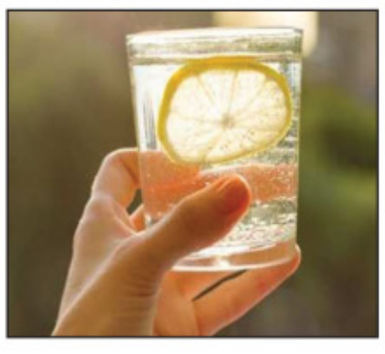

डायजेस्टिव चाय

आजकल, बाजार में आयुर्वेदिक चाय की ढेर सारी वैराइटीज उपलब्ध हैं। लेकिन अच्छा होगा कि आप घर पर अपनी चाय खुद ही बना लें। इसके लिए 1 चम्मच जीरा, 1 चम्मच सौंफ, 1 चम्मच धनिया के बीज, 1 इलायची और थोड़ी सी अजवाइन को लेकर 500 मिलीलीटर पानी में तब तक उबालें, जब तक पानी की मात्रा आधी न हो जाए।

मेटाबोलिज्म बढ़ाने के लिए चाय आजमाएं

अपने मेटाबोलिज्म को तेज बनाने के लिए आप दालचीनी, इलायची, लौंग, कद्दूकस की हुई अदरक, काली मिर्च, हल्दी और स्टार ऐनीज को 500 मिली पानी में उबालें। यह पानी आधा हो जाए तब इसमें आधा नींबू और कोकोनट शुगर मिलाएं। चाय शरीर की गर्मी बढ़ाकर चयापचय में सुधार करके वजन कम करने में मदद करेगी।

कच्चे फल

सुबह खाली पेट हर्बल चाय पीने के बाद, कच्चे फलों का सेवन करें जो प्रकृति में थोड़े से कसैले हो सकते हैं। ग्रीन और रेड एपल, क्रैनबेरी, ब्लूबेरी, चेरी, स्ट्रॉबेरी, ब्लैकबेरी, अनानास, आंवला और अनार जैसे फलों को ही चुनें। यह फल शरीर में वॉटर रिटेंशन को कम करते हैं और आपकी त्वचा में कोलेजन को बढ़ाते हैं, जिससे वजन कम करने में मदद मिलती है।

सिलेरी जूस (अजमोद का रस)

तनाव से बचने के लिए आयुर्वेद कच्चे फल और पकी या उबली हुई सब्जियां खाने की सलाह देता है। ऐसी स्मूदी लेने से बचें जिसमें फल, सब्जियां, दूध और दही का मिश्रण शामिल हो। यह शरीर में विषाक्त पदार्थों के संचय का कारण बन सकता है। बल्कि पेट की ब्लोटिंग और अतिरिक्त चर्बी को कम करने के लिए एक चुटकी सेंधा नमक और नारियल तेल के साथ सिलेरी का जूस लें।

वजन घटाने के पांच बुनियादी नियम भी जानें

- जब आपको भूख लगे तब ही खाएं।
- सूर्यास्त के बाद न खाएं।
- इंटरमिटेंट फास्टिंग करें जिसमें 16 घंटे के तक कुछ भी न खाएं। इससे आपकी ऊर्जा तो बढ़ती है साथ में दिमाग पर कंट्रोल रहता है।
- कच्चे फल खाने के बाद पका हुआ भोजन करें।
- आपका पेट केवल आपकी मुट्ठी के आकार का है। अपनी भूख से 80 प्रतिशत भोजन कम खाएं, ताकि खाना पचाने वाले रस अपना काम आसानी से कर सकें।

शकील, टाइम आउट होने वाले सातवें बल्लेबाज

एजेंसी

लाहौर। पाकिस्तान के सउद शकील प्रथम श्रेणी क्रिकेट में निर्धारित समय में क्रीज पर नहीं पहुंचने पर टाइम आउट करार दिये गये। वह टाइम आउट होने वाले दुनिया के सातवें बल्लेबाज है। पाकिस्तान के प्रथम श्रेणी घरेलू टूर्नामेंट प्रेसीडेंट ट्रॉफी फाइनल के दूसरे दिन स्टेट बैंक ऑफ पाकिस्तान की ओर से खेल रहे शकील दो गेंद पर दो विकेट गिरने के बाद तैयार नहीं होने के कारण निर्धारित समय के भीतर क्रीज पर नहीं पहुंचे। विपक्षी पीटीवी टीम के कप्तान अमाद बट ने निर्धारित तीन मिनट के अंदर क्रीज पर नहीं पहुंचने पर आउट की अपील कर दी। अंपायरों ने तीन मिनट के अंदर क्रीज पर नहीं पहुंचने के कारण शकील को टाइम आउट करार दिया। टाइम आउट का वाक?या वर्ष 2023 एकदिवसीय विश्वकप में उस समय सामने आया था जब एंजेलो मैथ्यूज को बंगलादेश के कप्तान शाकिब अल हसन के द्वारा अपील की गई और आउट करार दिया गया था वह अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में इस तरह आउट करार दिये गये पहले बल्लेबाज थे। प्रथम श्रेणी मुकाबले में मोहम्मद शहजाद ने उमर अमीन और फवाद आलम को लगातार दो गेंद में आउट कर दिया था और उनकी हैट्रिक होने वाली थी।

मुशफिकुर ने एकदिवसीय क्रिकेट को कहा अलविदा

ढाका। बंगलादेश के विकेटकीपर बल्लेबाज मुशफिकुर रहीम ने बुधवार देर रात अंतरराष्ट्रीय एकदिवसीय क्रिकेट से संन्यास ले लिया है। खराब फॉर्म में जूझ रहे मुशफिकुर ने अपने फेसबुक पेज पर अपने संन्यास की जानकारी दी। वह वर्ष 2022 में टी-20 से संन्यास ले चुके है। मुशफिकुर ने अपने फेसबुक पेज पर लिखा, मैं आज एकदिवसीय प्रारूप से संन्यास की घोषणा कर रहा हूं। सभी चीजों के लिए अलहमदुलिल्लाह। विश्व स्तर पर मेरी उपलब्धि सीमित रही। जब भी मैं अपने देश के लिए खेलने मैदान पर उतरा तो मैंने पूरी लगन और इमानदारी से अपना शतप्रतिशत से अधिक दिया। पिछले कुछ सप्ताह मेरे लिए चुनौतीपूर्ण रहे और मैंने महसूस किया कि यही मेरी किस्मत है। उन्होंने कहा, मैं अपने परिवार, दोस्तों और प्रशंसकों को धन्यवाद करता हूं जिनके लिए मैं पिछले 19 साल तक क्रिकेट खेला। मुशफिकुर चैंपियंस ट्रॉफी में भी संघर्ष करते हुए देखे गये। वह भारत के खिलाफ शून्य और न्यूजीलैंड के खिलाफ मात्र दो रन बनाकर आउट हुये। उन्होंने आखिरी एकदिवसीय अर्धशतक पिछले वर्ष मार्च में श्रीलंका के खिलाफ बनाया था। इसके बाद वह चोटिल होने की वजह से नवंबर में अफगानिस्तान के खिलाफ दो एकदिवसीय और नवंबर, दिसंबर में वेस्टइंडीज के दौरे पर टीम का हिस्सा नहीं थे।

जिला स्तरीय जूनियर कुश्ती प्रतियोगिता में खिलाड़ियों ने दिखाया दम

मुरादाबाद। खेल निदेशालय उप्र लखनऊ के तत्वावधान में क्षेत्रीय खेल कार्यालय, मुरादाबाद द्वारा जिला स्तरीय जूनियर कुश्ती प्रतियोगिता का आयोजन नेताजी सुभाषचंद्र बोस सोनकपुर स्टेडियम में किया गया। प्रतियोगिता में बतौर मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे उत्तर प्रदेश ओलम्पिक संघ के संयुक्त सचिव डॉ अजय पाठक ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर टूर्नामेंट का शुभारंभ किया। प्रभारी क्षेत्रीय क्रीडा अधिकारी प्रदीप कुमार सक्सेना ने प्रतियोगिता परिणाम की घोषणा करते हुए बताया कि 57 किग्रा प्रथम स्थान पर अभिषेक राजपूत, द्वितीय ऋतिक राजपूत, तृतीय यश व सूरज, 61 किग्रा में प्रथम हनी, द्वितीय रोहित, तृतीय अरूण, तृतीय रवि, 65 किग्रा प्रथम श्रेय वर्मा, द्वितीय रिंकू, तृतीय लव, तृतीय सुमित रहे। 70 किग्रा में प्रथम संजय दत्त, द्वितीय कृष्ण कुमार, तृतीय ओमवीर, तृतीय दुर्गेश, 74 किग्रा प्रथम शिवम चाहल, द्वितीय विनीत, तृतीय समीर, तृतीय स्थान पर राहुल रहे। प्रतियोगिता के निर्णायक करतार पहलवान, आनन्द राघव, सुनील चौधरी, मुस्कान, दीपक, गोविन्द कुमार यादव, अभी, दिलीप गुप्ता आदि रहे।

सुनील छेत्री ने संन्यास तोड़कर की राष्ट्रीय टीम में वापसी

नई दिल्ली। भारत के सर्वकालिक शीर्ष गोलस्कोरर और पूर्व कप्तान सुनील छेत्री ने अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल से संन्यास तोड़ते हुए मार्च में होने वाली अंतरराष्ट्रीय विंडो में मालदीव और बांग्लादेश के खिलाफ खेलने का फैसला किया है 40 वर्षीय छेत्री ने पिछले साल जून में फीफा वर्ल्ड कप 2026 क्वालिफायर में कुवैत के खिलाफ गोलरहित ड्रॉ के बाद अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल से संन्यास की घोषणा की थी। 94 अंतरराष्ट्रीय गोलों के साथ, वह पुरुष फुटबॉल में सबसे ज्यादा गोल करने वाले खिलाड़ियों की सूची में चौथे स्थान पर हैं, उनसे ऊपर केवल क्रिस्टियानो रोनाल्डो, लियोनेल मेसी और अली डेई हैं। हालांकि, उन्होंने इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) में बेंगलुरु एफसी के लिए खेलना जारी रखा और 12 गोल दागकर इस सीजन में लीग के शीर्ष भारतीय गोलस्कोरर बने। उन्होंने बेंगलुरु एफसी के लिए 23 मैच खेले हैं, जिनमें से 17 में वह शुरुआती एकादश में थे और कुल 14 गोलों में योगदान दिया, जिसमें दो असिस्ट शामिल हैं।

मुंबई इंडियंस ने यूपी वॉरियर्ज को छह विकेट से हराया

एजेंसी

लखनऊ। एमेलिया कर (पांच विकेट) और हेली मैथ्यूज (दो विकेट/68 रन) के शानदार प्रदर्शन की बदौलत मुंबई इंडियंस ने वूमेंस प्रीमियर लीग के 16वें मुकाबले में यूपी वॉरियर्ज को नौ गेंदे शेष रहते छह विकेट से हरा दिया। मुंबई इंडियंस की छह मैचों की यह चौथी जीत हैं।

यूपी वॉरियर्ज के 150 रनों के जवाब में बल्लेबाजी करने उतरी मुम्बई इंडियंस की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसने 24 के स्कोर पर एमेलिया केर (10) का विकेट गवां दिया। इसके बाद बल्लेबाजी करने आयी नेट सायवर ब्रंट ने हैली मैथ्यूज के साथ पारी को संभाला। दोनों बल्लेबाजों के बीच दूसरे विकेट के लिए 92 रनों की साझेदारी हुई। 13वें ओवर में ग्रेस हैरिस ने नेट सायवर ब्रंट को आउट कर इस साझेदारी को तोड़ा। नेट सायवर ब्रंट ने 23 गेंदों में सात चौके लगाते हुए (37) रनों की पारी खेली। 14वें ओवर में क्रांति गौड़ ने हैली मैथ्यूज को आउटकर पवेलियन भेज दिया। हैली मैथ्यूज ने 46 गेंदों में आठ चौके और दो छक्के

लगाते हुए आतिशी अंदाज में (68) रनों की पारी खेली। कप्तान हरमनप्रीत कौर (चार) रन बनाकर चौथे विकेट के रूप में आउट हुई। 19वें ओवर की तीसरे गेंद पर यास्तिका भाटिया ने विजयी चौका लगाकर स्कोर पांच विकेट पर 153 रन कर अपनी टीम को छह विकेट से जीत दिला दी। यास्तिका भाटिया (10) और अमनजोत कौर (12) रन बनाकर नाबाद रही। यूपी वॉरियर्ज की ओर से ग्रेस हैरिस को दो विकेट मिले। शिनेल हेनरी, कांति गौड ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया।

इससे पहले आज यहां मुम्बई इंडियंस की कप्तान हरमनप्रीत कौर ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी यूपी वॉरियर्ज के लिए ग्रेस हैरिस और जॉर्जिया वॉल ने अच्छी शुरुआत करते हुए पहले विकेट के लिए 74 रन जोड़े। सातवें ओवर में हेली मैथ्यूज ने ग्रेस हैरिस को आउटकर इस साझेदारी को तोड़ा। इसके बाद एमेलिया केर ने किरण नवगिरे (शून्य) को आउट कर पेवलियन भेज दिया। जॉर्जिया वॉल ने 33 गेंदों में 12 चौके लगाते हुए (55) रनों की पारी खेली। उन्हें 12वें ओवर में नेट सायवर ब्रंट ने बोल्ड आउट किया। इसके बाद मुम्बई के गेंदबाजी आक्रमण के आगे यूपी का कोई भी बल्लेबाज अधिक देर तक नहीं टिक सका। दिनेश वृंदा (10), शिनेल हेनरी (छह), श्वेता सहरावत (शून्य), उमा छेत्री (एक) और सोफी एकल्सटन (16) रन बनाकर आउट हुई। मुंबई इंडियंस के गेंदबाजों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए यूपी वॉरियर्ज की पूरी टीम निर्धारित 20 ओवरों में नौ विकेट पर 150 रन के स्कोर पर रोक दियामुंबई इंडियंस की ओर से एमेलिया केर ने पांच विकेट लिये।

सनराइजर्स हैदराबाद ने चोटिल कार्स की जगह मुल्डर को टीम में किया शामिल

एजेंसी

हैदराबाद। सनराइजर्स हैदराबाद (एसआरएच) ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 के लिए चोटिल ब्रायडन कार्स की जगह दक्षिण अफ्रीका के ऑलराउंडर वियान मुल्डर को टीम में जगह दी है। एसआरएच ने बताया कि इंग्लैंड के ऑलराउंडर कार्स चोट के कारण आईपीएल के इस सत्र नहीं खेल पाएंगे। टीम प्रबंधन ने उनकी जगह मुल्डर को 75 लाख रुपये में खरीदा है। मुल्डर ने दक्षिण अफ्रीका के लिए 11 टी-20, 25 एकदिवसीय और 18 टेस्ट मैच खेले हैं। उन्होंने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में कुल 60 विकेट लिए हैं और 970 रन बनाए हैं। एसस20 में भी उनका प्रदर्शन शानदार रहा है। उन्होंने डरबन सुपर जायंट्स के लिए खेलते हुए 32 मैचों में 26.21 की औसत और 136.11 के स्ट्राइक रेट से 603 रन बनाए हैं। इसमें तीन अर्धशतक भी शामिल हैं। इस दौरान उन्होंने नौ विकेट भी लिये।

आईपीएल में पदार्पण करने पर धोनी की सलाह मददगार साबित हुई : राहुल त्रिपाठी

एजेंसी

नयी दिल्ली। भारतीय क्रिकेटर राहुल त्रिपाठी ने कहा है कि वर्ष 2017 में इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में पर्दापण करने पर कैप्टन कूल महेन्द्र सिंह धोनी की सलाह उसके लिए मददगार साबित हुई थी।

हाल ही में गगन नारंग स्पोर्ट्स फाउंडेशन की पहल हाउस ऑफ ग्लोरी पॉडकास्ट में राहुल त्रिपाठी ने बताया कि उन्होंने लीग के दसवें सत्र के दौरान आईपीएल में पदार्पण किया। उस समय वह माही के साथ राइजिंग पुणे सुपरजायंट्स टीम का हिस्सा थे। फ्रैंचाइजी के लिए अपने पहले मैच से पहले, पूर्व भारतीय कप्तान धोनी ने त्रिपाठी की घबराहट को शांत करने में मदद की थी। उन्होंने कहा, ÷अपना पहला मैच खेलने से दो दिन पहले मैं ड्रेसिंग रूम में उन्हें देख रहा था। उन्होंने मुझे बुलाया और कहा कि मैं कुछ भी अतिरिक्त करने या सोचने का प्रयास न करूँ और मैं प्रशिक्षण के दौरान जिस तरह से खेल रहा था, वैसा ही

खेलने को कहा। इस सलाह से मेरा आत्मविश्वास बढ़ा। माही की सलाह ने वास्तव में मेरी घबराहट को शांत किया। उन्होंने कहा, मैं भाग्यशाली हूं कि मुझे उनके साथ समय बिताने का मौका मिला। क्रिकेट जगत में कई लोगों का सपना होता है कि वे उनके साथ क्रिकेट के अनुभव साझा करें और उनके साथ खेलें। लंबे इंतजार के बाद आखिरकार राहुल ने 31 साल की उम्र में जनवरी 2023 में श्रीलंका के खिलाफ टी-20 सीरीज

> हाल ही में गगन नारंग स्पोर्ट्स फाउंडेशन की पहल हाउस ऑफ ग्लोरी पॉडकास्ट में राहुल त्रिपाठी ने बताया कि उन्होंने लीग के दसवें सत्र के दौरान आईपीएल में पदार्पण किया।

के दौरान भारत के लिए अंतरराष्ट्रीय मैच में पर्दापण किया।राहुल ने उस पल को याद करते हुए कहा जब उन्हें अपनी पहली टी-20 कैप मिली थी। अपनी कड़ी मेहनत और धैर्य के अलावा, राहुल ने अपनी सफलता का श्रेय पूर्व भारतीय क्रिकेटर धोनी और भारतीय टीम के बल्लेबाजी कोच अभिषेक नायर को दिया।

महिला मुक्केबाजी राष्ट्रीय प्रतियोगिता 21 मार्च से होगी शुरु

एजेंसी

नयी दिल्ली। उत्तर प्रदेश में ग्रेटर नोएडा के गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय में 21 से 27 मार्च तक चलने वाली आठवीं एलीट महिला राष्ट्रीय मुक्केबाजी चैंपियनशिप भारत की ओलंपिक तैयारी के लिए महत्वपूर्ण मंच प्रदान करेगी।

विश्व मुक्केबाजी और भारतीय मुक्केबाजी महासंघ (बीएफआई) के प्रतियोगिता दिशानिर्देशों के तहत उत्तर प्रदेश मुक्केबाजी संघ के सहयोग से आयोजित होने वाली इस चैंपियनशिप में देश भर से करीब 300 शीर्ष महिला मुक्केबाज हिस्सा लेंगी। इस प्रतियोगिता में 01 जनवरी 1984 से 31 दिसंबर 2005 के बीच जन्मे मुक्केबाज प्रतिभाग ले सकते हैं मैच तीन राउंड के प्रारूप का पालन होगा। प्रत्येक राउंड तीन मिनट का होगा और एक मिनट का आराम अंतराल दिया जायेगा। इसमें 100 से अधिक कोच, सहायक कर्मचारी तथा 60 तकनीकी अधिकारी भी मौजूद

रहेंगे। इस प्रतियोगिता में प्रत्येक राज्य अधिकतम 10 मुक्केबाजों को मैदान में उतार सकता है। नंबरों के आधार पर प्रवेश की अंतिम तिथि 10 मार्च है। प्रतियोगिता के लिए अंतिम नाम की पुष्टि 15 मार्च तक पूरी होगी। चैंपियनशिप के लिए आधिकारिक तौर पर 20 मार्च से प्रतिभागियों का आगमन शुरू होगी, उसके बाद ड्रॉ और तकनीकी बैठक होगी। शुरुआती मुकाबले 21 से 24 मार्च तक होंगे, 25 मार्च को क्वार्टर फाइनल, 26 मार्च को सेमीफाइनल और 27 मार्च को ग्रैंड फिनाले होगा।

गोल्फ टूर्नामेंट हीरो इंडियन ओपन का शुभारंभ 27 मार्च से

एजेंसी

नयी दिल्ली। भारत का बहुप्रतिष्ठित गोल्फ टूर्नामेंट हीरो इंडियन ओपन 2025 आगामी 27 से 30 मार्च तक गुरुग्राम के डीएलएफ गोल्फ एंड कंट्री क्लब में खेला जायेगा। यहां आयोजित एक समारोह में भारतीय गोल्फ संघ (आईजीयू) द्वारा सह-स्वीकृत हीरो इंडियन ओपन टूर्नामेंट के शुभारंभ की घोषणा की गई। टूर्नामेंट में जैक्स क्रुइसविज्क, जोहान्स वीरमैन, जूलियन ग्यूरियर, एंजेल हिडाल्गो, फ्रेडरिक लैक्रोइक्स, डेविड रेवेटो, इवेन फर्ग्यूसन और गुइडो मिग्लिओजी जैसे नामी हिस्सा लेंगे। इस टूर्नामेंट में जीत हासिल करने वाले भारतीय गोल्फरों को डीपी वर्ल्ड टूर पर अगले वर्ष के लिए पूर्ण कार्ड प्राप्त करने का अवसर मिलता है। समारोह में टूर्नामेंट के लिए 22.5 लाख अमेरिकी डॉलर की पुरस्कार राशि घोषणा की गई है।जापान के 24 वर्षीय गत विजेता कीता नाकाजिमा

इस टूर्नामेंट में नेतृत्व करेंगे। नाकाजिमा के साथ एक और पिछले विजेता जर्मनी के मार्सेल सिएम भी होंगे। इस अवसर पर हीरो मोटोकॉर्प के कार्यकारी उपाध्यक्ष संजय भान ने कहा, ÷हीरो इंडियन ओपन सिर्फ एक टूर्नामेंट नहीं है यह भारतीय गोल्फ के विकास और वैश्विक मंच पर इसकी बढ़ती प्रमुखता का प्रमाण है। हीरो इंडियन ओपन 2025 की घोषणा के साथ हमें भारत के राष्ट्रीय ओपन के साथ अपनी दो दशक लंबी साझेदारी का विस्तार करने पर गर्व है। यह टूर्नामेंट यहाँ की गोल्फ विरासत की आधारशिला है। हीरो मोटोकॉर्प भारत और वैश्विक स्तर पर खेलों को समर्थन देने और उन्हें आगे ले जाने में अपनी विरासत को बढ़ाने के लिए समर्पित है। डीपी वर्ल्ड टूर पर दो बार के विजेता शुभंकर शर्मा और वीर अहलावत इस आयोजन में भारतीय टीम की अगुवाई करेंगे। वीर पिछले साल हीरो इंडियन ओपन में संयुक्त रूप से दूसरे स्थान पर रहे थे और टूर्नामेंट के पिछले दो संस्करणों (टी-2 और टी-13) में शीर्ष भारतीय रहे हैं। स्थानीय मनु गंडास और भारत के उभरते सितारे कार्तिक सिंहभी इस टूर्नामेंट का हिस्सा हैं। भारतीय गोल्फ संघ के अध्यक्ष ब्रिजिंदर सिंह ने कहा, ÷हीरो इंडियन ओपन एशिया के सबसे प्रतिष्ठित गोल्फ टूर्नामेंटों में से एक है और इसने भारतीय गोल्फ के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। हम हीरो मोटोकॉर्प और डीपी वर्ल्ड टूर के हीरो इंडियन ओपन को उनके निरंतर समर्थन के लिए आभारी हैं।

त्रिकोणीय श्रृंखला खेलने श्रीलंका जाएगी भारतीय महिला टीम

एजेंसी

मुंबई। भारतीय महिला क्रिकेट टीम अप्रैल और मई में दक्षिण अफ्रीका के साथ होने वाले

एकदिवसीय त्रिकोणीय श्रृंखला खेलने के लिए श्रीलंका का दौरा करेगी। इस त्रिकोणीय श्रृंखला के सभी मैच आर प्रेमदासा स्टेडियम में 27 अप्रैल से 11 मई के बीच दिन में खेले जाएंगे। तीनों टीमें के बीच चार-चार मैच खेले जायेंगे और शीर्ष दो टीमों के बीच फाइनल खेला जायेंगा। सीरीज का पहला मुकाबला भारत और श्रीलंका के बीच 27 अप्रैल को होगा। उल्लेखनीय है कि यह श्रृंखला सभी टीमों के लिए एकदिवसीय विश्व कप की तैयारी का एक अतिरिक्त अवसर है। एकदिवसीय विश्वकप इस साल अक्तूबर में भारत में खेला जाएगा।

भारत-पाकिस्तान के बीच द्विपक्षीय क्रिकेट सरकार के फैसले पर निर्भर: शुक्ला

एजेंसी

लाहौर। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला ने कहा कि भारत और पाकिस्तान के बीच द्विपक्षीय क्रिकेट के बारे में कोई भी निर्णय सरकार ही ले सकती है। उन्होंने स्पष्ट किया कि द्विपक्षीय सीरीज तटस्थ स्थल पर खेलना बीसीसीआई के नीति नहीं रही है। पाकिस्तान के तीसर दिवसीय दौरे पर पहुंचे राजीव शुक्ला ने बुधवार को आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी के दूसरे सेमीफाइनल के मौके पर संवाददाताओं से बातचीत में कहा, ÷जब दोनों देशों के बीच क्रिकेट की बात आती है, तो यह बहुत सीधा और स्पष्ट है कि निर्णय भारत सरकार के हाथ में है। हम सरकार के निर्णय के अनुरूप चलेंगे।

उन्होंने कहा, बीसीसीआई का हमेशा से यही रुख रहा है। आईसीसी का एक नियम भी है जिसमें सरकार की मंजूरी शामिल है, जो एक

महत्वपूर्ण कारक है। जाहिर है कि भारत-पाकिस्तान मैच की मेजबानी करना चाहेंगे, लेकिन इस पर फैसला सरकार को करना है।

उन्होंने कहा, हम सरकार के सामने अपना दृष्टिकोण रखते हैं, लेकिन अंतिम फैसला विभिन्न कारकों पर विचार करने के बाद किया जाता है। आखिरकार यह उनका निर्णय है।

लंबे अंतराल के बाद किसी अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट की मेजबानी करने में पाकिस्तान के प्रयासों की सराहना करते हुए उन्होंने कहा, पाकिस्तान काफी समय के बाद किसी अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट की मेजबानी कर रहा है, और यह देखना बहुत अच्छा है कि उन्होंने इसे कितनी अच्छी तरह से आयोजित किया है।

भारत द्वारा अपने सभी मैच एक ही स्थान पर खेलने को अनुचित लाभ कहे जाने के तर्क उन्होंने खारिज करते हुए कहा, आईसीसी के फैसले में स्पष्ट रूप से कहा गया है कि भारत के मैच दुबई में होंगे, जबकि बाकी मैच पाकिस्तान में होंगे। इसलिए, निष्पक्षता का मुद्दा यहां नहीं आता है। भारतीय और दुबई की पिच अलग-अलग हैं। खिलाड़ी अपनी ताकत पर भरोसा करते हैं, पिच की स्थिति पर नहीं।

इंडोनेशिया ने 2026 वर्ल्ड कप क्वालिफायर्स के लिए तीन फुटबॉलरों को नागरिकता प्रदान की

जकार्ता। इंडोनेशियाई फुटबॉल संघ (पीएसएसआई) ने 2026 फीफा वर्ल्ड कप क्वालिफायर्स के तीसरे दौर से पहले राष्ट्रीय टीम को मजबूत करने के लिए तीन इंडोनेशियाई मूल के खिलाड़ियों को नागरिकता प्रदान की। संघ ने एक प्रेस विज्ञप्ति में इस बात की घोषणा की। संघ के बयान के अनुसार, इंडोनेशियाई संसद ने डीन रुबेन जेम्स, जोई मैथियस पेलुपेसी और एमिल ऑडेरो मुल्यादी की नागरिकता अनुरोध को मंजूरी दे दी। अगले चरण में, इन खिलाड़ियों के नागरिकता दस्तावेज राष्ट्रपति प्रबावो सुबियांतो को सौंपे जाएंगे, ताकि राष्ट्रपति की ओर से एक औपचारिक डिक्री जारी की जा सके, जो उन्हें इंडोनेशियाई नागरिक के रूप में शपथ लेने की अनुमति देगा।

रॉयल रेंजर्स और नेशनल यूनाइटेड सपोर्टिंग ने जीत दर्ज की

एजेंसी

नयी दिल्ली। रॉयल रेंजर्स फुटबाल क्लब और नेशनल यूनाइटेड सपोर्टिंग क्लब ने डीपीएल में खेले गये अपने-अपने मुकाबलों में जीत दर्ज कर पूरे अंक अर्जित किए।आज यहां नेहरू स्टेडियम परिसर में खेले गए मैच में रॉयल रेंजर्स ने फ्रेंड्स यूनाइटेड को के एस शिखर और प्लेयर ऑफ द मैच बिजॉय गोसाईं के गोलों की मदद से 2-0 से तथा नेशनल ने वाटिका फुटबाल क्लब को 5-0 से परास्त किया। विजेता के लिए प्लेयर ऑफ द मैच धनचंद्र ने दो और बिस्वास, चोगलोई और डिमगेल ने एक-एक गोल का योगदान दिया। पहली प्रीमियर लीग की चैंपियन वाटिका की शुरुआत हमलावार रुख के साथ हुई लेकिन उसका जोश उस समय ठंडा पड़ गया जब 32 वें मिनट में टॉन्गलेनलाल चोगलोई ने अपनी टीम का खाता खोल दिया। मध्यातर के तुरंत बाद एस धनचंद्र सिंह ने गोल किया और वाटिका दबाव में आ गई। धनचंद्र ने कुल दो गोल दागे। सीमान विश्वास और डिमगेल

ने एक-एक गोल बांटे। फिलहाल डीपीएल में वाटिका को सबसे बड़ी हार का सामना करना पड़ा है द्य रॉयल रेंजर्स ने अपने खराब फार्म से उबर कर फ्रेंड्स यूनाइटेड के विरुद्ध शानदार प्रदर्शन जरूर किया लेकिन गोल अंतर बड़ा हो सकता था। बिजॉय, यमन, शिखर और हिमांशु ने बार बार विपक्षी रक्षापंक्ति को भेदा लेकिन गलत निशाने बाजी के चलते बड़ी जीत नहीं मिल पाई। रॉयल ने 18 मैचों में 31 अंक बना लिए है। फ्रेंड्स के 20 मैचों में 21 अंक है।

बेन स्टोक्स को वनडे कप्तानी सौंपने पर विचार कर रहा इंग्लैंड: रॉब की

एजेंसी

लंदन। इंग्लैंड क्रिकेट टीम के मैनेजिंग डायरेक्टर रॉब की का मानना है कि बेन स्टोक्स को वनडे कप्तानी सौंपने पर विचार न करना मूर्खता होगी। 2019 वर्ल्ड कप चैंपियन इंग्लैंड एक और खराब आईसीसी टूर्नामेंट से गुजर रहा है, जहां टीम 2025 चैंपियंस ट्रॉफी के ग्रुप चरण में एक भी मैच जीते बिना बाहर हो गई। इसके बाद कप्तान जोस बटलर ने पद छोड़ दिया, जिससे अब इंग्लैंड क्रिकेट प्रबंधन के सामने टीम के भविष्य को संवारने के लिए अहम फैसला लेने की चुनौती है।स्टोक्स, जो 33 साल के हैं, इंग्लैंड क्रिकेट में एक प्रेरणादायक खिलाड़ी रहे हैं और उन्होंने उन टीमों का हिस्सा बनकर बड़ी भूमिका निभाई, जिन्होंने एक समय पर दोनों व्हाइट-बॉल वर्ल्ड कप खिताब अपने नाम किए थे। हालांकि, उन्होंने 2023 वर्ल्ड कप के बाद वनडे प्रारूप से संन्यास ले लिया था। उन्होंने 2025 चैंपियंस ट्रॉफी में खेलने के संकेत दिए थे, लेकिन न्यूजीलैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज के दौरान लगी हैमस्ट्रिंग की चोट के कारण यह संभव नहीं हो सका। रॉब की ने एक बयान में कहा, बेन स्टोक्स सबसे बेहतरीन कप्तानों में से एक हैं, जिन्हें मैंने देखा है। इसलिए उन्हें नजरअंदाज करना गलत होगा। यह इस बात पर निर्भर करता है कि इससे क्या असर पड़ेगा। हम हर एक विकल्प पर विचार कर रहे हैं और देख रहे हैं कि कौन-सा फैसला सबसे सही रहेगा। उन्होंने आगे कहा, स्टोक्स एक शानदार रणनीतिकार हैं, जैसा कि हमने टेस्ट क्रिकेट में देखा है, लेकिन वह लोगों को प्रेरित करने वाले लीडर भी हैं। जब दबाव ज्यादा होता है, तो वह टीम को संभालते हैं और सही दिशा में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करते हैं। यही लक्षण एक अच्छे कप्तान में होने चाहिए। लेकिन हमें उनके वर्कलोड पर भी ध्यान देना होगा, ताकि किसी अन्य प्रारूप में उनकी उपलब्धता प्रभावित न हो। स्टोक्स ने बतौर टेस्ट कप्तान ब्रेंडन मैकुलम के साथ सफल साझेदारी बनाई है। मैकुलम को इस साल इंग्लैंड के व्हाइट-बॉल फॉर्मेट का कोच नियुक्त किया गया था, लेकिन उनकी अगुवाई में इंग्लैंड को अब तक सीमित ओवरों के 11 मैचों में से 10 में हार का सामना करना पड़ा है।

रॉब की ने कहा कि टेस्ट और वनडे क्रिकेट की समानता को देखते हुए स्टोक्स और मैकुलम की जोड़ी वनडे फॉर्मेट में भी फायदेमंद साबित हो सकती है। उन्होंने भारत के उदाहरण का जिक्र करते हुए कहा कि वहां टी20 विशेषज्ञों का दबदबा है, लेकिन वनडे टीम की रीढ़ टेस्ट खिलाड़ी ही हैं। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि टेस्ट और वनडे क्रिकेट अब ज्यादा करीब आ चुके हैं, जबकि टी20 अब एक अलग प्रारूप की तरह हो गया है। भारत में भी टी20 क्रिकेट में नए खिलाड़ी आ रहे हैं, लेकिन वनडे में टेस्ट खिलाड़ी ही टीम की ताकत हैं।इसके अलावा, की ने युवा बल्लेबाज हैरी ब्रूक की कप्तानी क्षमता पर भी भरोसा जताया और कहा कि स्टोक्स की मौजूदगी उनके नेतृत्व कौशल को निखार सकती है। 26 वर्षीय ब्रूक को इंग्लैंड का भविष्य का कप्तान माना जाता है और उन्होंने पिछले साल ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ बटलर की गैरमौजूदगी में इंग्लैंड की वनडे टीम की कप्तानी भी की थी। की ने कहा,मुझे लगता है कि हैरी ब्रूक एक शानदार कप्तान बन सकते हैं। बेन स्टोक्स की कप्तानी को लेकर मुझे पहले कुछ संदेह था, लेकिन उन्होंने जिस तरह नेतृत्व किया है, वह काबिलेतारीफ है। स्टोक्स की उपस्थिति ब्रूक के लिए भी फायदेमंद हो सकती है, क्योंकि अतिरिक्त जिम्मेदारी कई खिलाड़ियों के प्रदर्शन को बेहतर बनाती है।

तेरा दुपट्टा कहां है? बुर्का लाओ...

सना खान

ने संभावना सेठ को दी बुर्का पहनने की नसीहत, भड़के लोग

एक्टिंग छोड़ सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर बनीं सना खान और संभावना सेठ का एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है. इस वीडियो में सना खान, संभावना सेठ से बुर्का पहनने और दुपट्टा ओढ़ने के लिए कहती हुई दिखाई दे रही हैं.

सना खान और संभावना सेठ दोनों सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं. हाल ही में इंटरनेट पर वायरल हो रहे इन दोनों के एक वीडियो ने नया विवाद खड़ा कर दिया है. ये वीडियो दोनों के पॉडकास्ट के पहले का है, जिसमें सना खान संभावना सेठ को बुर्का पहनने और दुपट्टा ओढ़ने की नसीहत देती हुईं नजर आ रही हैं. पूरे कपड़े पहनने के बावजूद सना खान का संभावना सेठ को इस तरह से कपड़ों को लेकर ज्ञान देना, सोशल मीडिया यूजर्स को बिल्कुल भी पसंद नहीं आया और वो सना की क्लास लगा रहे हैं.

वीडियो में, सना खान संभावना सेठ से कहती हैं, तेरे पास अच्छी सलवार-कमीज नहीं है? थप्पड़ चाहिए? तेरा दुपट्टा कहां है? बुर्का लाओ. संभावना को बुर्का पहनाओ. तब संभावना, सना खान से कहती हैं कि मैं इसी ड्रेस पर अच्छे इयर रिंग्स पहनूंगी ना? इस पर सना ने उनपर फिर से तंज कस दिया कि वाह रमजान के दिन इयर रिंग्स पहनोगी? न दुपट्टा न सलवार? हालांकि संभावना ने उनकी इस बात को नजरअंदाज करते हुए कहा कि पॉडकास्ट में लोग हमारी बातें सुनेंगे. वो हमसे प्यार करते हैं, हमारे कपड़ों पर थोड़े ही जाएंगे. हालांकि जिस तरह सना, संभावना से बातें कर रही हैं, उससे लग रहा है कि दोनों एक दूसरे से मजाक कर रहे हैं.

यूजर्स की प्रतिक्रिया

इस वीडियो के सामने आने के बाद, सोशल मीडिया यूजर्स सना खान की आलोचना कर रहे हैं. कुछ यूजर्स ने सना खान को सलाह देते हुए कहा है कि सना को संभावना सेठ पर बुर्का पहनने का दबाव नहीं डालना चाहिए, तो कुछ यूजर्स ने यह भी कहा कि सना खान को दूसरों की पसंद का सम्मान करना चाहिए. एक सोशल मीडिया यूजर ने कहा कि इस तरह के टॉक्सिक मेंटालिटी के लोगों से दूर रहना चाहिए, वो आप और आपके धर्म से नफरत करते हैं और उनका अंतिम गोल आपको उनके धर्म में कन्वर्ट करना होता है. हालांकि कुछ यूजर्स सना खान को सपोर्ट करते हुए ये कह रहे हैं कि वो सिर्फ मजाक कर रही हैं.

संभावना सेठ का बयान

इस विवाद के बाद, संभावना सेठ ने सना का बचाव करते हुए कहा है कि उन्हें सना खान के बुर्का पहनने के लिए कहने से कोई दिक्कत नहीं है. वो उनकी अच्छी दोस्त हैं और वे दोनों एक दूसरे से सिर्फ मजाक कर रही थीं. इस विवाद पर, सना खान ने अभी तक कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है. एक्स बिग बॉस कंटेस्टेंट और बॉलीवुड एक्ट्रेस रहीं सना खान ने साल 2020 में अपने फिल्मी करियर को अलविदा करते हुए दीन की राह पर चलने का फैसला किया था.

क्या TMKOC में टपु सेना को किया जाता है टॉर्चर? पुरानी 'रोशन भाभी' ने मेकर्स पर लगाए गंभीर आरोप

पॉपुलर टीवी शो तारक मेहता का उल्टा चश्मा जनता के बीच काफी पॉपुलर है. इस शो को 18 साल का वक्त हो गया है और शो अभी भी ऑन एयर हो रहा है. हालांकि शो में इन दो दशकों में बहुत कुछ बदल गया है. शो की लगभग आधी से ज्यादा कास्ट चेंज हो चुकी है. पिछले कुछ सालों में शो के कई सारे कलाकारों ने प्रोड्यूसर्स से मनमुटाव की वजह से ये शो छोड़ दिया. इसमें एक नाम रोशन भाभी का रोल करने वाली एक्ट्रेस जेनिफर मिस्त्री का भी है. ऐसे में शो की एक्ट्रेस जेनिफर मिस्त्री ने अब शो के प्रोड्यूसर्स पर एक और चौंकाने वाले आरोप लगाए हैं. उन्होंने कहा है कि शो की जान माने जाने वाली टपु सेना को भी काफी टॉर्चर का सामना करना पड़ता था.जेनिफर मिस्त्री ने एक इंटरव्यू के दौरान शो की कास्ट में शामिल स्टार किड्स को लेकर रिएक्ट किया था. उन्होंने कहा था कि बच्चों का सबसे बड़ा इश्यू पढ़ाई था. ऐसे में जब नाइट शिफ्ट्स में शूटिंग होती थी तो बच्चों को भी उसमें शामिल होना पड़ता था. अगले दिन उनके एग्जाम्स होते थे. ऐसे में बच्चों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ता था. एक समय ऐसा था जब वे पढ़ाई कर रहे होते थे और नाइट शिफ्ट में अपनी शूटिंग भी कर रहे होते थे. इधर वे रात में शूटिंग करते थे और उधर वे दिन में अपने एग्जाम देने जाते थे. कई बार ऐसे देखने को मिलता था.

15 साल शो से जुड़ी रहीं

जेनिफर मिस्त्री की बात करें तो उन्होंने शो के प्रोड्यूसर असित मोदी पर गंभीर आरोप लगाते हुए शो छोड़ दिया था. इस खबर से फैंस के बीच सनसनी फैल गई थी. जेनिफर ने शो में रोशन भाभी का रोल प्ले किया था और वे इस शो से 15 सालों तक जुड़ी रही थीं. हालांकि बीच में उन्होंने शो कुछ समय के लिए छोड़ा था मगर वापसी भी की थी. लेकिन गंभीर आरोपों के बाग उन्होंने शो से दूरी बना ली और दुर्व्यवहार के लिए मेकर्स की अच्छी-खासी क्लास लगा दी.

'भाभीजी घर पर हैं' फिल्म में होंगे एक्टर रवि किशन? तिवारी जी ने दिया बड़ा अपडेट

भाभीजी घर पर हैं में मनमोहन तिवारी का किरदार निभाने वाले एक्टर रोहिताश गौड़ ने हाल ही में भोजपुरी सुपरस्टार रवि किशन के साथ एक तस्वीर शेयर की है. इस शो को 10 साल से ज्यादा का समय बीत चुका है लेकिन आज भी इस शो का क्रेज लोगों को वैसा ही है जैसा पहले था. अब इस शो पर फिल्म बन रही है.

टीवी के सबसे पॉपुलर शोज में से एक 'भाभीजी घर पर हैं' लगभग हर घर में देखा और पसंद किया जाता है. इस शो को 10 साल से ज्यादा का समय बीत चुका है लेकिन आज भी इस शो का क्रेज लोगों को वैसा ही है जैसा पहले था. अब भाभीजी शो को फैन्स के लिए एक और गुड न्यूज है. जल्द ही भाभीजी की ये कहानी आपको टीवी ही नहीं बल्कि बड़े पर्दे पर भी दिखाई देगी. भाभीजी घर पर हैं शो पर एक फिल्म बनने जा रही है.

शो में मनमोहन तिवारी का किरदार निभाने वाले एक्टर रोहिताश गौड़ ने हाल ही में भोजपुरी सुपरस्टार रवि किशन के साथ एक तस्वीर शेयर की है. तस्वीर के साथ रोहिताश ने कैप्शन में लिखा है- 'भाई रवि किशन के साथ देहरादून में भाभीजी घर पर हैं फिल्म की शूट के दौरान'. इस पोस्ट से ये बात साफ हो गई है कि हमें जल्द ही ये फिल्म देखने को मिल सकती है.

8 फरवरी से शुरू हो चुकी है शूटिंग

खबरों की मानें तो फिल्म की शूटिंग 8 फरवरी से शुरू हो चुकी है. 'तारक मेहता का उल्टा चश्मा' के बाद एक यही एक कॉमिक फैमिली शो है, जो लंबे समय से चला आ रहा है और दर्शकों का इसे भरपूर प्यार भी मिल रहा है. हालांकि शो को फिल्म के रूप में बनाने की अनाउंसमेंट पर लोगों का रिएक्शन मिला जुला था. लोगों ने कहा कि शो में बिना सोम्या टंडन और शिल्पा शिंडे के मजा नहीं आएगा. अब रवि किशन के साथ सेल्फी ने ये बात जाहिर कर दी है कि फिल्म का आकार बड़ा होगा और बड़े एक्टर्स भी फिल्म का हिस्सा हो सकते हैं.

फिल्म की कहानी क्या होगी ?

वहीं, अनीता भाभीजी के रोल में नजर आ रहीं विदिशा श्रीवास्तव ने कहा, 'ये 70द्वद्व में दिखाई जाएगी तो ये वाकई बहुत बड़ा धमाका है। और अभी तक आप जितना देखते आए हैं, उस हिसाब से ये फिल्म विजुअली और स्क्रिप्ट के हिसाब से भी बहुत अलग रहेगा। हालांकि कॉन्सेप्ट वही रहेगा कि एक-दूसरे की बीवियों को लाइन मारेंगे। लेकिन ये बहुत ग्रैंड होगा।'

अर्चना गौतम

पर भड़कीं फराह खान, कहा- तुम कोच नहीं हो

अर्चना गौतम 'बिग बॉस' से ही अच्छा खाना बनाने के लिए जानी जाती हैं. लेकिन देसी खाना बनाने की आदत के कारण अर्चना मॉडर्न मास्टरशेफ की स्टाइल काइंटरनेशनल खाना नहीं बना पा रही हैं. एक तरफ वो अपनी कुकिंग स्टाइल के साथ समझौता नहीं करना चाहतीं और दूसरी तरफ जजेस उनकी कुकिंग स्टाइल को पसंद नहीं कर रहे हैं. कई बार अर्चना की इस आदत ने उन्हें उन्हें डेंजर जोन में लेकर खड़ा कर दिया है. सेलिब्रिटी मास्टरशेफ के लेटेस्ट एपिसोड में हम फराह खान को बिग बॉस की इस कंटेस्टेंट की क्लास लगाते हुए देखने वाले हैं.मास्टरशेफ के नए प्रोमो में हम देख सकते हैं कि मेकर्स इस पूरी टीम को आउटडोर लेकर आए हैं. जब शेफ विकास खन्ना, रणवीर बरार और शो की होस्ट फराह खान अपनी बोट से नए लोकेशन को देखते हैं तब वो ये पूछते हैं कि इस तरह से बोट में बीच समंदर हमें आप लोग क्यों लेकर आए हैं. सिर्फ शो जज भी नहीं कंटेस्टेंट को भी इस मास्टरशेफ के नए एडवेंचर में शामिल किया गया है. इन सभी कंटेस्टेंट के सामने शेफ विकास ऐलान करेंगे कि उन्हें बेस्ट डिश चैलेंज दिया जाने वाला है, इस चैलेंज में सभी कंटेस्टेंट को नारियल का इस्तेमाल करते हुए चार नई डिश बनानी होंगी.

फराह ने लगाई क्लास

आगे विकास खन्ना बताएंगे कि ये एक टीम चैलेंज होगा और अर्चना गौतम दो टीम में से एक टीम की कप्तान बनेंगी. इस कुकिंग टास्क में अर्चना की टीम का मुकाबला राजीव की टीम से होगा. जब राजीव और अर्चना दोनों अपनी टीम की डिश लेकर फराह खान के पास जाएंगे, तब फराह राजीव से बड़ी ही उत्सुकता से पूछेंगी कि अर्चना की कप्तानी उन्हें कैसी लगी? इस पर राजीव कहेंगे कि अर्चना की कप्तानी बिलकुल भी अच्छी नहीं थी, क्योंकि उन्होंने कोई भी डिश नहीं बनाई. राजीव की बात सुनकर अर्चना उन्हें

जवाब देंगी कि क्रिकेट में कभी कोच नहीं खेलते. इस पर फराह खान अर्चना गौतम पर भड़कते हुए कहेंगी कि यहां तुम नहीं मैं कोच हूं और तुम कप्तान हो और क्रिकेट में कप्तान भी खेलता है. अब फराह खान के गुस्से के बाद भी अर्चना की टीम जीत जाएगी या फिर उनकी वजह से उनकी पूरी टीम हार जाएगी? ये देखना दिलचस्प होगा.